हरिभूमि

जबलपुर

रविवार, 15 जून 2025

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जनपथ रोड पर सीसीएस इमारत में लगी आग

नई दिल्ली। दिल्ली में जनपथ रोड स्थित सीसीएस इमारत में शनिवार सुबह आग लग गई, जिसके बाद दमकल की 15 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। अग्निशमन सेवा के अधिकारी ने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पूर्वाह्न 11.13 बजे सीसीएस बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर आग लगने की सूचना मिली। आग पर काबू पा लिया गया है।

1.5 करोड़ मादक पदार्थ 44.57 लाख नकद जब्त

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में पुलिस ने एक महिला समेत 2 लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से लगभग 1.5 करोड़ रुपए मूल्य की ब्राउन शुगर और अफीम जब्त किया है। पुलिस ने यह जानकारी शनिवार को दी। दोनों आरोपियों को शुक्रवार को पत्थलगड्डा और राजपुर थाना क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों से छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया।

पंजाब में फिर मीडिया इन्फ्लुएंसर को धमकी

बठिंडा। यहां सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर कंचन कुमारी उर्फ कमल कौर भाभी की हत्या मामले में मुख्य साजिशकर्ता अमृतपाल सिंह मेहरो अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। उसके दो साथियों को बठिंडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।मेहरो ने अब पंजाब के सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर को धमकी दी है कि वे अभद्र कंटेंट न डालें।

शिक्षा मंत्री प्रधान ने कटक में प्रादेशिक प्रधानाचार्य सम्मेलन समारोह में कहा

ओडिशा के पुनर्निर्माण में सरस्वती विद्या मंदिरों की भूमिका व योगदान अतुलनीय

भारतीय पद्धति और मूल्य आधारित व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा आम जनता को शिक्षित करने के साथ-साथ नई पीढ़ी के निर्माण में विद्या भारती अग्रगण्य है। यह शिक्षा के साथ ही संस्कार पैदा करने में आगे है

एजेंसी ▶▶ कटक

भारतीय पद्धति और मूल्य आधारित व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा आम जनता को शिक्षित करने के साथ-साथ नई पीढ़ी के निर्माण में विद्या भारती और शिक्षा विकास समिति, ओडिशा द्वारा संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिरों की भूमिका अतुलनीय है। आगामी दिनों में भी ओडिशा के पुनर्निर्माण में सरस्वती विद्या मंदिरों की बड़ी भूमिका होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कटक जिले के गतिरौतपटना स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में विद्या भारती और शिक्षा विकास समिति द्वारा आयोजित प्रादेशिक प्रधानाचार्य सम्मेलन के समापन समारोह में बोल रहे थे। प्रधान ने कहा कि पहले हमारे देश को स्वतंत्र कराने के लिए अनेक महापुरुषों ने संघर्ष किया और बलिदान दिया। समाज की सतत स्वतंत्रता बनाने को अच्छे नागरिकों का निर्माण आवश्यक समझा गया।

ओडिशा में सरस्वती शिशु मंदिर के विकास के लिए काम कर रही शिक्षा विकास समिति

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सराहा

गतिरौतपटना स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजन

मातृभाषा में पढ़ाई करने से ही क्षमता में बृद्धि होगी

वर्तमान शैक्षणिक सत्र में ओडिशा सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किया है। सरस्वती विद्या मंदिरों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक शिक्षा भी दी जाती है। इन संस्थानों में मूलतः, हिंदी, मातृभाषा, अंग्रेजी और संस्कृत चार भाषाओं में शिक्षा प्रदान की जाती है। हालांकि, राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में स्थानीय भाषा में शिक्षा दी जाए तभी बच्चे आगे बढ़ सकेंगे, क्योंकि मातृभाषा में पढ़ाई करने से ही छात्रों में बौद्धिक विकास, आलोचनात्मक सोच और अनुसंधान की क्षमता में वृद्धि होती है।

पीएम मोदी ने भारत की स्वाधीन मानसिकता को विकसित किया

प्रधान ने कहा कि शिशु मंदिर ओडिशा के शिक्षा विभाग के स्पंदन की तरह हैं। यहां के छात्र-छात्राएं दसवीं बोर्ड परीक्षा समेत विभिन्न प्रतियोगी व मेधा परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। भारतीय छात्रों को संस्कारी और स्वाभिमानी बनाने में सरस्वती विद्या मंदिर एक माइक्रोस्कोप की तरह कार्य करेगा। प्रधान ने कहा कि टीबी मैकाले भारत को मानसिक रूप से गुलाम बनाने के लिए उन्होंने यह नीति लागू की थी। इसके विकल्प के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाई है।

विद्या भारती सफल संस्था के रूप में उभरी

संघ पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र कल्याण में समर्पित भाव से व्यक्ति निर्माण में लगा है। इसी विचार की परिणति के रूप में विद्या भारती एक सफल संस्था के रूप में उभर कर सामने आई है। इसी परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर पर विगत लगभग 75 वर्षों से विद्या भारती और ओडिशा में शिक्षा विकास समिति पिछले 50 वर्षों से सरस्वती शिशु विद्या मंदिरों के विकास के लिए काम कर रही हैं। इन संस्थानों के प्रधानाचार्यों के विचार और संस्कृति में लगे हैं।

ज्ञान के विकास को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ेंगे

प्रधान ने बताया कि भविष्य में चैटजीपीटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उपकरणों पर विशेष जोर दिया जाएगा और ज्ञान के विकास को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे टूल्स अत्यंत प्रभावशाली बन चुके हैं। भारत के छात्रों और शिक्षकों को इसके लिए प्रशिक्षित करने का उचित समय आ चुका है। वर्तमान बजट में 500 करोड़ की लागत से शिक्षा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए एक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की योजना बनाई ह। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग भारत के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को पाठ्यक्रम से बेहतर ढंग से जोड़ने और शिक्षकों को कला, साहित्य, ज्ञान और आधुनिक विज्ञान से जोड़ने में किया जाएगा। राज्यों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान भी संभव हो सके, इसके लिए योजनाएं बनाई जाएंगी। इसलिए सरकार स्कूल और उच्च शिक्षा दोनों क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विशेष बल दे रही है।

प्रधान ने राहुल पर लगाया आरोप

यूपीए सरकार में एससी-एसटी, ओबीसी के 63% पद रिक्त थे

प्रधान ने आज कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाते हुए कहा है कि इन लोगों ने हमेशा ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि 2014 में जब यूपीए सत्ता में थी, तब केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अनुसूचित जाति के 57 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के 63 प्रतिशत और अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षित 60 प्रतिशत शैक्षणिक पद खाली थे। प्रधानने कहा कि मोदी सरकार ने इन रिक्त पदों को भरने का काम शुरू किया है। उन्होंने कहा कि जब से मोदी सरकार सत्ता में आई तब से इन आरक्षित पदों की संख्या 16 हजार 217 से बढ़ाकर 18 हजार 940 कर दी गई है।

'लव जिहाद' में सांप्रदायिक तनाव की आशंका

हिमाचल में हिंसा के बाद पॉंवटा क्षेत्र में निषेधाज्ञा

एजेंसी ▶▶ नाहन

सिरमौर जिले के पॉंवटा साहिब क्षेत्र के 4 गांवों में प्रशासन ने शनिवार को निषेधाज्ञा लागू कर दी। एक दिन पहले एक हिंदू-मुस्लिम जोड़े के भागने को लेकर दो समूहों के बीच झड़प के बाद सांप्रदायिक तनाव भड़कने की आशंका के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। स्थानीय हिंदू संगठन 4 दिनों से पॉंवटा साहिब कस्बे में प्रदर्शन कर रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि यह 'लव जिहाद' का मामला है। शुक्रवार को हिंसा के दौरान पथराव में पुलिसकर्मियों समेत कम से कम 10 लोग घायल हो गए। सिरमौर की जिलाधिकारी प्रियंका वर्मा ने कीरतपुर, मालियों, फतेहपुर और मिस्सरवाला में 19 जून तक निषेधाज्ञा लागू कर दी है। जिलाधिकारी ने कहा कि उन्हें शुक्रवार देर रात सिरमौर के जिला पुलिस प्रमुख निश्चिंत सिंह नेगी से रिपोर्ट में कहा गया किकीरतपुर क्षेत्र में आक्रोशित व्यक्तियों के एकत्र होने के कारण कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

भीड़ पर अन्य पक्ष ने की पत्थरबाजी

रिपोर्ट में कहा गया कि स्थिति के 'सांप्रदायिक तनाव का रूप अख्तियार करने की आशंका के चलते सार्वजनिक शांति और सौहार्द को खतरा हो सकता है। इन चार गांवों की सीमाओं के भीतर पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, घातक हथियार लेकर चलने, कोई सार्वजनिक रैली, जुलूस या प्रदर्शन करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। शुक्रवार को 18 वर्षीय लड़की के परिवार के सदस्यों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए दावा किया कि 19 वर्षीय युवक के कहने पर 4जून को दोनों कथित रूप से भाग गए। प्रदर्शनकारियों ने नाहन से 25 किलोमीटर दूर माजरा में नाहन-पॉंवटा राजमार्ग को करीब एक घंटे तक जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों की भीड़ मुस्लिम व्यक्ति के घर की ओर बढ़ने लगी, दूसरी तरफ से पत्थरबाजी शुरू हो गई और विवाद बढ़ गया।

पुलिस पर लापरवाही के आरोप

इस घटना में 10 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें महिलाएं और कुछ पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। स्थानीय हिंदू संगठनों के सदस्यों ने इस घटना को 'लव जिहाद'का एक और मामला बताते हुए आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन इस मामले में ढिलाई बरत रहा है और लड़की का पता नहीं लगा रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने कहा कि जब तक लड़की बरामद नहीं हो जाती और हिंदू संगठनों के सदस्यों पर पथराव करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो जाती, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा।

2 जुड़वां अभी लापता, मचा कोहराम

अंतिम संस्कार में गए 5 युवक सरयू में डूबे, 3 को बचाया गया

एजेंसी ▶▶ अंबेडकरनगर

उत्तरप्रदेश के अंबेडकरनगर में शनिवार को अंतिम संस्कार में शामिल होने गए 5 युवक नहाते समय सरयू में डूब गए। लोगों ने देखा तो शोर मचाया। तैराकी जानने वाले लोगों ने किसी तरह 5 को बचा लिया। जबकि, जुड़वां भाई धारा में बह गए। प्रशासनिक टीम उनकी तलाश करा रही है। घटना टांडा कोतवाली क्षेत्र के महादेव घाट की है। क्षेत्र के कश्मीरिया मोहल्ला निवासी रामनवल के अंतिम संस्कार में मोहल्ले के लोग गए थे। इसमें शामिल होने सकरावल पश्चिम मोहल्ला निवासी चंद्रशेखर आजाद के बेटे अजय आजाद और विजय आजाद के अलावा अभिषेक , बब्बन और गोरे पुत्र शंकर भी गए थे।

स्थानीय गोताखोर ने बाहर निकाला

पांचों नहाने सरयू में नहा रहे थे। नहाते समय गहराई में जाने से पांचों युवक डूब गए। आसपास मौजूद लोगों ने देखा तो शोर मचाया। तैराकी जानने वाले लोग आगे बढ़े। स्थानीय गोताखोर त्रिभुवन यादव नाव लेकर आगे बढ़े। गोताखोरों ने बब्बर, गोरे और अभिषेक को किसी तरह बाहर निकाल लिया। लेकिन, अजय और विजय नदी की धारा में बह गए।

हरिभूमि

हैप्पी फादर्स-डे

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

जबलपुर, रविवार 15 जून 2025

'पचमढ़ी की पाठशाला' का पहला दिन : शाह ने भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग का किया उद्घाटन

केंद्रीय मंत्री अमित शाह की नसीहत 'गलत' बयानबाजी न करें पार्टी नेता

कहा- एक बार गलती हो जाए, दुबारा न करें पुनरावृत्ति

प्रशिक्षण वर्ग में प्रदेश के सांसद, विधायक, मंत्री और पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों सहित लगभग 200 नेता हिस्सा ले रहे हैं। यह वर्ग दो दिन और चलेगा

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश के पर्यटन स्थल पचमढ़ी में भाजपा द्वारा आयोजित प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नेताओं को नसीहत देने के साथ किया।

उन्होंने कहा कि सबसे जरूरी है कि पार्टी के सांसद, विधायक, मंत्री और पदाधिकारी गलत बयानी न करें। एक बार गलती हो भी जाए तो तत्काल सुधार करें और कोशिश करें की गलती की पुनरावृत्ति न हो। शाह भोपाल होते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ पचमढ़ी पहुंचे। प्रशिक्षण वर्ग में प्रदेश के सांसद, विधायक, मंत्री और पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों सहित लगभग 200 नेता हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव खुद यहां तीनों दिन रहने वाले हैं। प्रशिक्षण वर्ग में संबोधन के बाद शाह भोपाल के लिए रवाना हो गए। वहां से वे दिल्ली चले गए।

केंद्रीय मंत्री शाह का किया आत्मीय स्वागत

पचमढ़ी पहुंचने से पहले केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल एयरपोर्ट के ओल्ड टर्मिनल पर पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। शाह के साथ डॉ. यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी हेलीकॉप्टर से पचमढ़ी पहुंचे। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने भी अमित शाह का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय और पूर्व मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा तथा अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पौधारोपण कर पार्क का नाम रख दिया अटल वाटिका

शाह भोपाल होते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ पचमढ़ी पहुंचे थे

हमेशा विद्यार्थी बने रहने की जरूरत

शाह ने प्रशिक्षण वर्ग में भारतीय जनता पार्टी के सफर के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे जनसंघ से सफर शुरू हुआ और उतार-चढ़ाव के बाद भाजपा बनी और लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत आज भाजपा सबसे बड़ा दल है। देश के साथ अधिकांश राज्यों में पार्टी की सरकारें हैं। उन्होंने कहा कि हम सबकी जवाबदारी है कि अलग चाल, चरित्र वाली अपनी इस पार्टी को संभाल कर रखें। इसकी साख को बट्टा न लगे। इसके लिए जरूरी है कि विवादित बयानों से बचा जाए। ऐसी कोई बात न कही जाए, जिससे पार्टी का नुकसान हो। उन्होंने कहा कि व्यक्ति कितना भी बड़ा हो जाए लेकिन उसे हमेशा विद्यार्थी रहना चाहिए। गलतियों से हमेशा सीखना चाहिए और दुबारा गलती नहीं होना चाहिए।

'एक पेड़ मां के नाम' के तहत पौधरोपण

शाह के पहुंचने से पहले पचमढ़ी के कैंट क्षेत्र में कब्रिस्तान के बगल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार खटीक, एल मुरूगन, दुर्गादास उईके, सावित्री ठाकुर, भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह सहित प्रदेश सरकार के मंत्रियों ने भी विधायकों-सांसदों के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। पार्क का नाम अटल वाटिका रखा गया है।

शाह ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

प्रशिक्षण शिविर स्थल पर लगाई गई विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन भी अमित शाह ने किया। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्षों की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की उपलब्धियां दिखाई गई हैं। इसके साथ जनसंघ से लेकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर वर्तमान तक पार्टी की यात्रा को भी प्रदर्शित किया गया है।

हॉक फोर्स और जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

बालाघाट के जंगल में पुलिस से मुठभेड़ तीन महिला नक्सलियों को कर दिया ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालाघाट

■ बढ़ सकती है मारे गए नक्सलियों की संख्या

बालाघाट में पुलिस ने मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों को मार गिराया है। एक अन्य नक्सली भी मारा गया। मुठभेड़ शनिवार दोपहर में बिठली पुलिस चौकी क्षेत्र के पचामा दादर के जंगल में हुई। हॉक फोर्स और

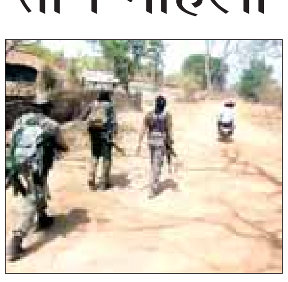

जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली। एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि अभी भी ऑपरेशन जारी है। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। पुलिस को पचामा दादर के जंगल में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद फोर्स यहां भेजी गई। मुठभेड़ में मारी गई तीनों महिला नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इससे पहले 19 फरवरी को भी बालाघाट पुलिस को बड़ी सफलता मिली थी। कान्हा के वनक्षेत्र सूपखार में रौंदा फारेस्ट कैंप के पास हुई मुठभेड़ में 4 महिला नक्सली मारी गई थीं। इनमें आशा, शीला, रंजीता और लख्खे मरावी शामिल थीं। इन पर कुल 62 लाख रुपए का इनाम था। ये 2015-16 से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय थीं। सीएम डॉ. मोहन यादव ने नक्सिलयों को मार गिराने वाले जांबाज जवानों के साहस की प्रशंसा की है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा-पीएम का संकल्प पूरा कर रहा मप्र

बालाघाट नक्सली मुठभेड़ पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह

मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने के अपने संकल्प की दिशा में लगातार काम कर रहा है। बालाघाट में हुई मुठभेड़ में 4 नक्सली मारे गए हैं, जिनमें 3 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं।

एक्सिओम-4 मिशन 19 जून को होगा 'लॉन्च'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग पर ताजा अपडेट आया है। केंद्रीय विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी है कि 19 जून को एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च होगा। इसमें ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के रूप में पहला भारतीय अंतरिक्ष यात्री इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाएगा। 39 वर्षीय शुभांशु शुक्ला लखनऊ में जन्मे हैं। उन्हें जून 2006 में भारतीय वायुसेना में कमीशन मिला। उन्हें 2000 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव हासिल है। वे सुखोई-30 एमके 1, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डॉर्नियर और एएन-32 जैसे फाइटर जेट्स को उड़ा चुके हैं। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के लिए भी मिशन महत्वपूर्ण होगा। वे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर विशेष खाद्य और पोषण संबंधी प्रयोग करेंगे।

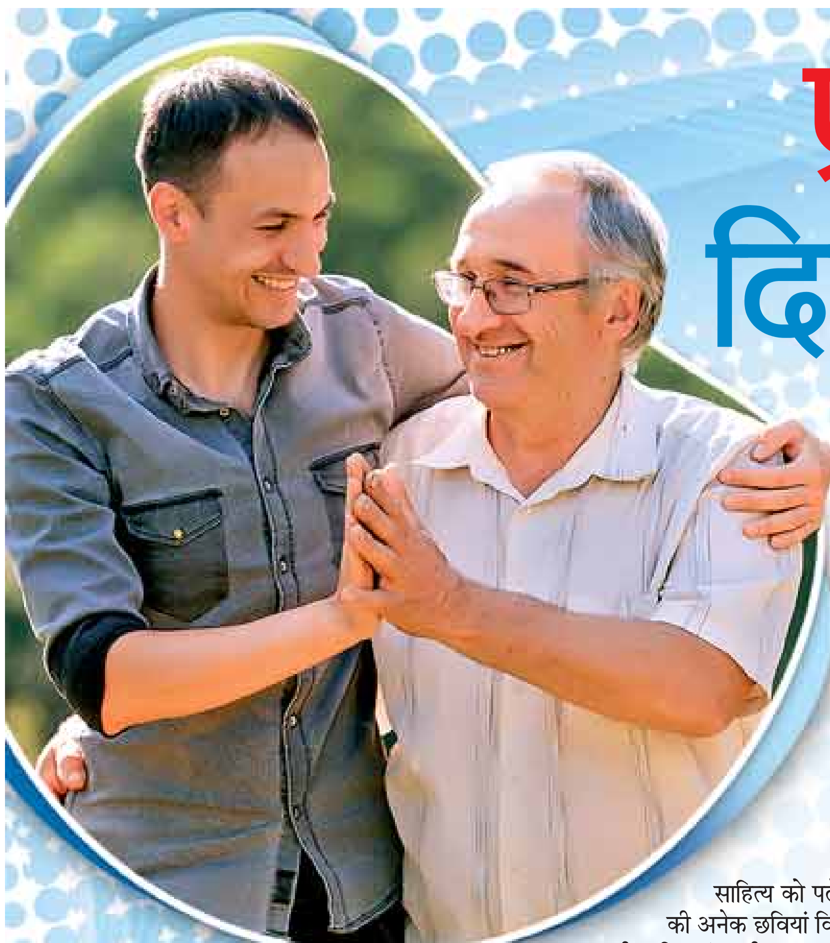

प्रेम पिता का दिखाई नहीं देता

इसमें संदेह नहीं कि एक संतान के जीवन में पिता की अहमियत को किसी पैमाने से मापा नहीं जा सकता। वह केवल उसे रचते ही नहीं गढ़ते भी हैं। तभी तो पिता की उदात्त भूमिका का वर्णन पुराणों से लेकर हिंदी समेत विश्व साहित्य में विस्तार से किया गया है। हालांकि तकनीकी प्रभाव और आधुनिक जीवनशैली से अकसर पिता उपेक्षित से नजर आते हैं। ऐसे में हम सभी का दायित्व है कि उन्हें सम्मान के साथ अपनेपन का अहसास भी अवश्य कराएं।

आवरण कथा
डॉ. ओम निश्चल

जब-जब जून का तीसरा रविवार आने को होता है, पिता की छवि आंखों में तैर जाती है। पिता जीवित हों या दिवंगत, इससे उनकी अहमियत पर कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। हम सबने अपने बचपन में पिता का लाड़-दुलार पाया है और जिनके पिता जीवित नहीं हैं, वे भी यह मानते हैं कि जो कुछ भी जिंदगी में बेहतर हुआ है, वह पिता की परवरिश के कारण हुआ है। यद्यपि मां को पृथ्वी का दर्जा दिया गया है और कहा गया है, *माता भूमि पुत्रोहम पृथिव्याः।* लेकिन इसी तरह यदि मां धरती है तो पिता को आसमान कहा गया है- एक ऐसा साया जिसे हर बच्चा महसूस करता है और जिसे किसी भी उम्र का व्यक्ति भूल नहीं पाता। इस संबंध में शायर मेराज फैजाबादी का शेर याद आता है- *मुझको थकने नहीं देता ये जरूरत का पहाड़ / मेरे बच्चे मुझे बूढ़ा नहीं होने देते।*

सचमुच बाल-बच्चों से घिरे परिवार में पिता भी बच्चों में ऐसे घुले-मिले रहते हैं कि अपनी उम्र को पीछे छोड़ देते हैं और कभी थका और बूढ़ा नहीं महसूस करते। कम से कम भारतीय परिवेश में पिता और मां की अनिवार्य उपस्थिति अभी परिवार में होती है और उनकी भूमिका भी निर्णायक होती है। यदि बच्चों के लिए मां एक आत्मीय छाया की तरह हैं तो पिता एक दरख्त की तरह। पारिवारिक रिश्ते बहुत जज्बाती होते हैं। कम से कम हिंदुस्तान में आज भी संयुक्त परिवार महफूज है, जहां पिता की सरपरस्ती में बच्चे फूलते-फलते हैं। बल्कि कहें कि हिंदुस्तान में बच्चे अभी भी पिता, मां और बुजुर्गों के मजबूत संरक्षण में रहते हैं तो अतिशयोक्ति न होगी।

पिता होने का मतलब

पितृ दिवस पर जब हम पिता का स्मरण करते हैं तो यह मान कर चलते हैं कि हर एक के भीतर उसके पिता की स्नेह छाया या उसकी मधुर स्मृतियां मौजूद हैं। पिता एक ऐसी संज्ञा है, जिसकी परवरिश के बिना एक बच्चा बड़ा तो होता है लेकिन समग्रता के साथ परिपक्व नहीं हो सकता। पिता की छाया के बगैर बड़े होने वाले बच्चे, ऐसी संवेदना से वंचित रह जाते हैं, जिसमें पारिवारिकता, प्रेम-स्नेह, संस्कार और अभिभावक तत्व के रंग घुले होते हैं। पिता होना केवल एक जैविक इकाई को जन्म देने का श्रेय लेना भर नहीं है बल्कि उन जिम्मेदारियों से भरा होना भी है, जिन्हें पूरा करते हुए वे एक बच्चे को इंसानियत की जीवंत धड़कन के रूप में सहेजते हैं।

विश्व साहित्य में पिता

अकसर पिता के प्रेम को इस रूप में देखा जाता है, जैसे कि वे मां की तरह प्रेम का दिखावा नहीं कर पाते। इस संबंध में हमारे समय के कवियों ने पिता को लेकर बहुत कुछ लिखा है। दुनिया भर के साहित्य को पढ़ें तो पाएंगे कि उनमें पिता की अनेक छवियां विद्यमान हैं। सिल्विया प्लाथ की कविता 'डायरी' इसका एक उदाहरण है तो मार्क इरविन ने भी अपने पिता को आत्मीय संस्मरणों में बांधा है। अपने पिता की कमीज को धोते हुए पोलिश कवयित्री अन्ना स्विर भी जिस मार्मिकता से अपने पिता को याद करती हैं, वह उल्लेखनीय है। वे कहती हैं, 'आखिरी बार मैं धोती हूं कमीज अपने पिता की, जो गुजर गए, कमीज से पसीने की गंध आती है। ये गंध मुझे बचपन से याद है।'

हिंदी कविता में पिता

पिता को लेकर हिंदी के कवियों ने भी तमाम कविताएं लिखी हैं, जिनसे पता चलता है कि कवि, पिता जैसे रिश्ते को लेकर कितने गंभीर हैं। एक पिता के रूप में हिंदी के ख्यात कवि निराला ने अपनी बेटी सरोज पर जो कविता 'सरोज स्मृति' लिखी, वह हिंदी की अमर और अत्यंत मार्मिक शोक गीतिका बन गई।

एक कहावत है कि मां का प्रेम दिखाई देता है, जबकि प्रेम पिता भी करता है पर उसका प्रेम दिखाई नहीं देता। इसी आशय के भाव को जाने-माने कवि चंद्रकांत देवताले ने अपनी एक कविता में व्यक्त किया है। वह कहते हैं, *तुम्हारी निश्छल आंखें तारों सी चमकती हैं/मेरे अकेलेपन की रात के आकाश में/प्रेम पिता का दिखाई नहीं देता/ईश्वर की तरह होता है।* हिंदी के सुधी गीतकार यश मालवीय का पिता पर लिखा यह गीत खासा प्रसिद्ध है- *तुम छत से छाये/ जमीन से बिछे, खड़े दीवारों से/तुम घर के आंगन, बादल से घिरे/रहे बौछारों से।*

ये तो बानगी भर है। हिंदी के पुराने दौर के सुविख्यात कवियों से लेकर नए दौर के कवियों तक ने पिता पर अपने-अपने नजरिए से अनेक यादगार कविताएं लिखी हैं।

केवल दिखावे के लिए न हो लगाव

हर बार पिता दिवस आता है, जो हमें भावुक बना देता है। जिन्हें पिता का स्नेह मिला है, वे उन्हें बहुत ही आत्मीयता से याद करते हैं पर जिन्हें पिता का स्नेह नहीं मिला, वे कितनी कचोट अनुभव करते होंगे आज के दिन। पर विडंबना है कि पिता को याद करने का जो ढंग आज समाज में प्रचलित है, वह कुछ ज्यादा ही दिखावटी लगता है। जितनी श्रद्धा का ज्वार सोशल मीडिया पर पिता के प्रति उमड़ता है, क्या इसका पचास प्रतिशत भी वाकई आज की पीढ़ी अपने पिता से वैसा ही स्नेह करती है? यह सवाल बेमानी नहीं है कि आज समाज में संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। प्रायः शहरी परिवारों में पति-पत्नी और बच्चे के अलावा पिता या मां का स्थान नहीं रहा। वे यदि हैं तो अलग रिहाइश में रह रहे हैं। लिहाजा मां-पिता या तो गांव कस्बे में छूट जाते हैं या रहते भी हैं तो बदतर स्थिति में। तो सवाल है, क्या पिता दिवस पर उमड़ने वाला प्रेम केवल दिखावा भर है?

बहरहाल, आज पिता दिवस के मौके पर आशा कर सकते हैं कि जज्बातविहीन होती दुनिया में पुराने जज्बात फिर लौटें, पिता के प्रति बच्चों में आदर पनपे। वे दिखावे में नहीं, सच्चे आदर और स्नेह में भरोसा करें ताकि पारिवारिक संरचना में पिता केवल जन्मदाता के रूप में प्रमाणपत्रों में दर्ज भर होने के लिए न रहें, वह पारिवारिक स्नेह की धुरी भी बने रहें, जहां बच्चों के बीच वह भी सुख हासिल कर सकें। k

पौराणिक ग्रंथों में पिता की महत्ता

विश्व के प्राचीनतम माने जाने वाले ग्रंथ ऋग्वेद में पिता की महत्ता गाई गई है। उन्हें ही शिशुओं का रक्षक माना गया है। ऋग्वेद में ही पिता को अग्नि के तुल्य माना गया है। इस तरह परिवार में पिता एक मेरुदंड के समान होता है, जो शिशु के प्रति कल्याणकारी भावना रखता है। 'रामायण' में भी यह लिखा गया है-

पिता धर्म पिता कर्म पिता हि परमं तपः
पितरि प्रीतिमापन्ने प्रीयंते सर्व देवताः

पुत्र के प्रति पिता के स्नेह का उदाहरण राजा दशरथ भी हैं, जो राम के वन जाने के प्रसंग से उबर नहीं पाए और अपने प्राण त्याग दिए। 'महाभारत' में भी पिता के प्रति त्याग के अनुपम उदाहरण के रूप में भीष्म को देखा गया है। यक्ष के प्रश्नों के उत्तर में भी युधिष्ठिर ने माता को भूमि से बड़ा तथा पिता को आकाश से ऊंचा बताकर पिता की गरिमा को स्थापित किया। शास्त्रों में भी कहा गया है कि पिता का दायित्व है कि संतान को सम्यक शिक्षा दे-

माता शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः।

यानी, जो मां पिता बच्चे को तालीम नहीं दिलाते वह बच्चे के शत्रु समान हैं।

बदलते दौर के साथ बदलती पिता की छवि-भूमिका

भारतीय परंपरा में पिता को देवतुल्य माना गया है। लेकिन समय में बदलाव के साथ पिता की छवि और भूमिका में लगातार बदलाव स्पष्ट तौर पर देखे जा सकते हैं। वक्त के साथ बदलती पिता की भूमिका और छवि पर एक नजर।

बदलाव / कल्पना मनोरमा

बीते दौर के पिता को याद करें तो एक ऐसा व्यक्ति याद आता है, जिसके गंभीर चेहरे पर ऊपर की ओर तनी भवें और आंखों के किनारों में आक्रोश का गुबार भरा हुआ दिखता था। हंसी-मजाक की बात पूछना-करना तो दूर, सीधी बात पूछने में भी बच्चों के आसन ढीले होते थे। फिर भी विगत सदी के परिवारों की रीढ़, पिता ही होते थे। मां सहित बच्चों को भरोसा होता था कि पिता घर लौट आए हैं, अब किसी भी तरह की कमी नहीं रहेगी। जो जिस हैसियत का हुआ, मौन होकर पिता परिवार पर सुख लुटाता था।

साठ और सत्तर के दशक के पिता लोहे की तरह सख्त और आत्मा से कोमल होते थे। वे अपने हाथों में रिश्तों की खुशबू और माथे पर जिम्मेदारी की लकीरें लिए मौन फर्ज निभाने में विश्वास करते थे। तब के पिता अपने दुःख बच्चों के आगे इसलिए नहीं कहते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि बाल-सपने कांच की तरह होते हैं, जरा से तनाव में टूट जाएंगे। इसलिए खुद के जीवन को किनारे कर बच्चों के सुख-साधन मुहैया कराने की कोशिश हमेशा बनी रहती थी। यानी, तब पिता का प्यार शब्दों में नहीं, उनके कार्यों में झलकता था। जबकि वे बस्ता टांग कर बच्चों को स्कूल के गेट तक नहीं पहुंचाते थे। न मेले में लेकर जाते थे। न सर्दियों में सुबह सबसे पहले उठ कर बच्चों के लिए पानी गरम करते थे। तब पिता माने अनुशासन! पिता भी अपना होना अनुशासन से ही जानते थे। पहले खुद अनुशासित रहते थे, फिर उसी पगडंडी पर संतान को चलते हुए देखने के अभिलाषी बन जाते थे। तब के पिता जानते थे, बच्चे प्यार से बिगड़ जाते हैं। इसलिए पिता बिन बोले प्रेम की छांव देने में भरोसा करते थे। मंगलेश डबराल अपनी एक कविता में कहते हैं, 'जब मैं छोटा था, मेरे पिता मुझे बड़े होते देख रहे थे। / अब जब वे छोटे हो रहे हैं, मैं उन्हें बड़ा होते देखता हूं।' यानी, बच्चे जब दुनिया की ओर कदम बढ़ा रहे होते थे, उनके पिता मौन होकर उन्हें देखते रहते थे। और जब पिता दुनिया से बाहर की ओर सरकना शुरू कर देते थे तो उनके बच्चे भी मौन होकर ही, उन्हें देखते रहते थे। सब कुछ अच्छा होने के बावजूद संवादहीनता के मारे पिता पीड़ा सहते रहते थे और संतान के रूप में अपनी ही प्रतिकृति अगली पीढ़ी को सौंप जाते थे।

धीरे-धीरे बदलने लगी छविः कुछ समय और सरका तो पिता की छवि और भी बदल गई। ये अस्सी-नब्बे का समय होगा, जब गांव, शहर की ओर दौड़ने लगे थे। उच्च वर्गीय पिताओं के तौर-तरीके सीखकर मध्यमवर्गीय पिता भी अपने परिवार को अलग सुगंधि से भरने लगे थे। अब पिता बदलते हुए अपने समाज में सहिष्णुता लिए मुखर चेहरा बन रहे थे। पिता के हाथ से संस्कार की डोर थोड़ी सी ढीली पड़ने लगी, लेकिन प्रेम से भरे पिता छलकने को आतुर दिख रहे थे। बच्चे पिता के साथ खेलने, हंसने, बोलने और सोने-जागने लगे। अपनी इच्छा प्रकट करने के लिए बच्चों को मां की आवाज की दरकार मिटने लगी। पिता बेटे-बेटियों के बाल भी संवारने लगे। होमवर्क और प्रोजेक्ट में हाथ बंटाने लगे। बेटे की मनोस्थिति समझने के लिए उसे टूर पर ले जाने लगे तो बेटी के लिए सेनेटरी नैपकिन भी लाकर देने लगे। माने अब पिता सिर्फ कमाने वाली मशीन नहीं, 'भावनात्मक उपस्थिति' भी बनने की चाह लिए आधुनिकता के साथ कदमताल करने की ओर मुखातिब हो गए। उनके संघर्ष अब सिर्फ बाहरी नहीं, खुद को बदलने के लिए भी चल रहे थे। अब पिता खुद से, समाज की अपेक्षाओं से और समय के साथ चलते बच्चों के मनोविज्ञान से रू-ब-रू होना चाहते थे। अब पिता खेलने में, सुनने में, गले लगाने में विश्वास करना चाहते थे लेकिन अदब की एक लकीर पिता-पुत्र के बीच खींची तब भी रहती थी।

नई सदी में नए पिताः सदी बदली तो पिता और भी बदल गए। आज के पिता बच्चों से प्रश्न करने से पहले स्वयं से प्रश्न करना चाहते हैं। किसी बिगड़े काम पर बच्चों को डांटने से पहले अपने पर डाउट करना सीख रहे हैं। बार-बार विगत में आवाजाही कर खुद से प्रश्न करते हैं कि 'क्या मैं अपने पिता और दादा जितना ठोस और ठस तो नहीं हूं?' 'क्या मैं अपने बच्चे के मन में जगह बना पाया हूं?' नई सदी के नए पिता, डिजिटल सफर पर भी निकल चुके हैं। बच्चों की 'हेल्दी डाइट' के बाबत यूट्यूब से खाना बनाना भी सीखकर बच्चों समेत उनकी मां को इंप्रेस करने के फिराक में भी रहते हैं। जीवन को सुगम बनाने के टिप्स जहां से मिलें, पिता सीखना चाहते हैं। लेकिन यह नया युग इतना भी सहज नहीं, जितना दिखता है। सूचना और ज्ञान की सहज उपलब्धता पिता-पुत्र को भावशून्य बना रही है। असंवेदनशीलता के इस दौर में चरणस्पर्श जैसी बात रही ही नहीं। अब तो 'हे डूड' 'हाय डैड' ने इनकी जगह ले ली है। आधुनिक पिता अनजाने में सही, अपने बच्चे को सोशल ब्रांड बना रहे हैं।

कहने का सार यही है कि समय कोई भी रहा हो, पिता का अपनी संतान से जुड़ाव में तो कोई अंतर नहीं आया है, लेकिन उसकी अभिव्यक्ति और भूमिका में अंतर आता गया, जिसे पिता सहर्ष स्वीकार भी रहे हैं। k

गजल
अशोक 'अंजुम'

बाबूजी !

बेटे पर विश्वास करो यों मत घबराओ बाबूजी!
जो मन आए करो इशारा, पीयो-खाओ बाबूजी!

खूब किया है जीवन-भर ही नहीं कभी आराम किया
अब सुकून से घर पर बैठो, हुकुम चलाओ बाबूजी!

कब तक बेटों की उतरन से हर त्योहार मनाओगे
कसम आपको अब की कपड़े नए सिलाओ बाबूजी!

जिम्मेदारियों ने जीवन-भर नहीं निकलने दिया कभी
अम्मा के संग तीरथ जाओ, गंग नहाओ बाबूजी!

बोनस आज मिला है मुझको अकस्मात ही दफ्तर से
कहां खर्च करना है इसको, जरा बताओ बाबूजी!

राग-रागिनी, आल्हा-ऊदल सबके सब बिसरा बैठे
अब फुर्सत है झूम-झूम कर ढोला गाओ बाबूजी!

कष्ट कोई हो उसे छिपाकर हरदम मुस्काते रहते,
कहां दर्द है, यूं न छिपाओ, हमें बताओ बाबूजी!

लघुकथाएं

पिता की चिंता

शुभम ने स्कॉलरशिप का फॉर्म भरा था। आज उसकी परीक्षा थी। स्कूली परीक्षा से इतर यह उसके जीवन की पहली परीक्षा थी। रजनी सुबह से ही पति सुमित को देख रही थी। बेटे से ज्यादा पिता चिंतित दिख रहे थे। सुबह बेटे को उन्होंने ही जगाया फिर जल्दी-जल्दी नहाकर तैयार हो गए। कुछ खाए बगैर ही उसे एग्जाम सेंटर तक छोड़ने चले गए।

शुभम ने कितना कहा, 'पापा आप क्यों परेशान हो रहे हैं? मैं रिक्शे से अकेला ही चला जाऊंगा। मैंने सेंटर गूगल पर सर्च कर लिया है।' लेकिन सुमित नहीं माने।

'तुम्हें छोड़कर मैं लौट आऊंगा बेटा।' कहकर सुमित साथ चल पड़े। स्कूल गेट के भीतर जाने से पहले तक उन्होंने बेटे को परीक्षा के दौरान एहतियात रखने वाली जरूरी हिदायतें दीं। जब शुभम स्कूल में प्रवेश कर गया तो सुमित घर लौट आए।

परीक्षा आठ बजे से ग्यारह बजे तक होनी थी। इतना समय वहां रुकना व्यर्थ था। घर से बस आधे घंटे का रास्ता था। दोबारा जाया जा सकता था।

लेकिन यह क्या! अभी दस भी न बजे थे कि सुमित फिर तैयार हो गए।

'कहां चल दिए?' रजनी ने पूछा।

'शुभम को लेने।' सुमित ने जवाब दिया।

रजनी बोली, 'उसे रिक्शे के पैसे दे तो दिए हैं, वो खुद आ जाएगा।'

'अभी तेरह साल का ही तो है। कहीं भटक गया तो?' सुमित ने चिंता जताई।

रजनी ने कहा, 'पर अभी तो बहुत समय है।'

'तो क्या हुआ। पेपर पहले खत्म करके शुभम बाहर आ गया तो..।' सुमित बोले।

'समय से पहले किसी को बाहर नहीं आने दिया जाएगा।' पत्नी ने समझाया, लेकिन सुमित नहीं माने। इधर-उधर की बातें समझाने लगे।

अभी तक रजनी ने सुमित को बेटे को डांटते-डपटते ही देखा था। उसे लगता था, सुमित को बेटे की कोई परवाह नहीं रहती। हर समय उसे डांट-फटकार लगाने का बहाना ढूंढते रहते हैं। सुमित के भीतर यह पिता आज पहली बार रजनी ने देखा।

खुशी-खुशी बोली, 'अच्छा जाओ, शुभम आपकी राह देख रहा होगा।'

पत्नी की सहमति पाते ही सुमित हर्षित मन से बेटे को लेने चल पड़े। k

-सरस्वती रमेश

भरोसे का पुल

'अब क्या होगा पापा?' तकनीक की धोखाधड़ी का शिकार हुई बेटी की आंखों में आंसुओं के साथ भय भी उतर आया।

'होना क्या है, कानूनी कार्रवाई का रास्ता चुनकर फेक वीडियो बनाने वाले को सजा दिलवानी है।' वे बिना किसी उलझन और संदेह के एक सांस में यह बात कह गए।

'यह मैं नहीं हूं पापा, यह वीडियो मेरा नहीं है। जाने कैसे मेरी तस्वीरें चुराकर यूं अभद्र शब्दों और अश्लील दृश्यों से जोड़ दिया है किसी ने?' हैरत और पीड़ा का यह मिला-जुला स्वर पिता का मन भेद गया।

'कॉलेज की दूसरी लड़कियों के साथ भी ऐसा हुआ है। आप चाहें तो उनसे पूछ लें।' स्पष्टीकरण देती बिटिया का हाथ पकड़कर पिता बोले, 'किसी से कुछ नहीं पूछना है मुझे।

पुरानी पीढ़ी का जरूर हूं पर यह अच्छे से समझता हूं कि आधुनिक तकनीक ने बहू-बेटियों का जीवन दुश्वार करने वाली आपराधिक मानसिकता और असुरक्षा के नए रास्ते खोल दिए हैं।'

फिर थोड़ा संयत होकर कहा, 'तुम अपनी पढ़ाई पर ध्यान दो, बस।

हमारे बीच भरोसे का एक मजबूत पुल है मेरी बेटी।' आश्वस्ति भरी यह बात सुनकर भी जीवन की जद्दोजहद समझने की कच्ची-पक्की उम्र के मोड़ पर खड़ी बिटिया ने चिंतित स्वर में पूछा, 'सब लोग क्या कहेंगे पापा?

आस-पड़ोसी और सगे-संबंधी कैसे-कैसे सवाल करेंगे अब?'

वे दुधमुंही बच्ची को छोड़कर दुनिया से विदा ले लेने वाली पत्नी की दीवार पर लगी तस्वीर की ओर देखते हुए बोले, 'कौन करेगा सवाल और क्यों करेगा? किस अधिकार से पूछेगा कोई प्रश्न?

तुम्हारे पालन-पोषण की मुश्किल यात्रा के बीते अठारह वर्ष में जो कुछ पूछने नहीं आए वे किस अधिकार से एक फेक वीडियो को लेकर वास्तविक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछ सकेंगे?'

बेटी का हाथ थामकर समझाइश देते हुए पिता के रुंधे गले की आवाज बेहद स्पष्ट थी। k

-मोनिका शर्मा

जबलपुर

रविवार, 15 जून 2025

आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-05

वर्ष : 20, अंक : 46

पृष्ठ : 2+6+6=14 मूल्य : 3.00 *

मौसम

अधि. 38

न्यून. 26

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

उत्कर्ष अवधिया 'हरिभूमि' से बोले

सोशल मीडिया से दूर रहा खूब खेला, जल्दी सोया जल्दी सुबह उठा भी

दूसरी रैंक बनाने वाले उत्कर्ष अवधिया ने हरिभूमि को बताया कि उनके दादा जी का सपना था कि वे डॉक्टर बनें। इस लक्ष्य को पाने के लिए उन्होंने टाइम टेबल बनाया। उत्कर्ष ने बताया कि दो साल पहले कक्षा 11 वीं में इस परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी। शाम 6 बजे के बाद वे सेल्फ स्टडी करते थे। शाम को दो से तीन घंटे तक पढ़ाई करने के बाद वे जल्दी सोने की कोशिश करते थे। इसके बाद सुबह जल्दी उठकर भी सेल्फ स्टडी करते थे। उत्कर्ष ने बताया कि वे सुबह 6 बजे उठ जाते थे। जैसे परीक्षा का समय नजदीक आया उन्होंने पढ़ाई के घंटे बढ़ा दिए थे। परीक्षा के ठीक पहले के दिनों में वे 15 घंटे तक पढ़ाई करते थे। उत्कर्ष ने बताया कि वे दोस्तों के साथ पढ़ाई करते थे। इससे माहौल अच्छा मिला। उत्कर्ष ने कहा कि उन्होंने पढ़ाई को लेकर ज्यादा तनाव नहीं लिया, लेकिन दस घंटे पढ़ाई के लिए निकालता था। सोशल मीडिया से मैं दूर रहा। खेल के लिए भी समय देता था। उत्कर्ष ने कहा कि उनका घर इंदौर में ही है, लेकिन उन्होंने हॉस्टल में रहकर ही तैयारी की। उनका मानना है कि मेहनत के साथ पढ़ाई के लिए टाइम टेबल भी जरूरी है।

नीट यूजी-2025

20.8 लाख कैंडिडेट्स का रिजल्ट जारी हुआ

राजस्थान के महेश कुमार को देश भर में पहली रैंक, इंदौर के उत्कर्ष अवधिया दूसरे स्थान पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी परीक्षा 2025 के परिणाम जारी कर दिए हैं। इसमें इंदौर के रहने वाले उत्कर्ष अवधिया की देशभर में दूसरी रैंक आई है। इस परीक्षा में इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर करने वाले 75 उम्मीदवारों को छोड़कर बाकी सभी की परीक्षा के नजीते घोषित किए गए हैं। उत्कर्ष ने भी इंदौर सेंटर से परीक्षा दी थी। तब इंदौर में आंधी के कारण परीक्षा केंद्रों की बिजली गुल हो गई थी। कई विद्यार्थी तो रोते हुए परीक्षा केंद्रों से बाहर आए थे। इस बार राजस्थान के महेश कुमार ने देशभर में पहली रैंक हासिल की है। दूसरे नंबर पर उत्कर्ष इंदौर के हैं, जबकि तीसरे नंबर पर महाराष्ट्र के कृषांग जोशी रहे। दिल्ली की अविका अग्रवाल ने लड़कियों में सबसे ज्यादा नंबर हासिल किए हैं। देशभर के टॉप 100 में मध्य प्रदेश के चार स्टूडेंट हैं। मप्र से अगम जैन ने 45वीं, अनुभव पांडे ने 79वीं व मोहित भारती ने 82वीं रैंक हासिल की है। 22.7 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स ने नीट यूजी के लिए रजिस्ट्रेशन किया था। इसमें 13.76 लाख लड़कियों और 9.98 लाख लड़कों ने रजिस्ट्रेशन किया है। 20.8 लाख कैंडिडेट्स इस परीक्षा में शामिल हुए थे।

दिल्ली की अविका अग्रवाल ने लड़कियों में सबसे ज्यादा नंबर हासिल किए

मप्र से अगम जैन ने 45वीं अनुभव पांडे ने 79वीं व मोहित भारती ने 82वीं रैंक हासिल की

देशभर के टॉप 100 में मध्यप्रदेश के चार स्टूडेंट

महेश कुमार

कृषांग जोशी

आर्ट्स लेकर यूपीएससी करना चाहते थे पहले स्थान पर आए महेश

ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल करने वाले हनुमानगढ़ के महेश केसवानी ने बताया कि 10वीं के बाद वो आर्ट्स लेकर यूपीएससी की तैयारी करना चाहते थे। मगर एक टीचर के समझाने से उन्होंने साइंस ली और नीट की तैयारी करने लगे।

पिछले साल से घट गया कट-ऑफ

2024 में अनारक्षित कैटेगरी के लिए कट-ऑफ स्कोर 162 था, जो इस साल घटकर 144 हो गया है। बीते साल एआईआर 1 पर 17 स्टूडेंट्स थे। इन सभी ने 720 में से 720 स्कोर किए थे। इस साल मुश्किल पेपर की वजह से टॉपर का स्कोर और कट-ऑफ नीचे आ गया है।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कथा के दौरान कैदियों को बताया भाग्यशाली

जबलपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस केंद्रीय जेल में शनिवार से श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ हुई। जिसमें शिव मंदिर कचनार सिटी विजय नगर के मुख्य आचार्य एवं मां दक्षिणेश्वरी धाम के संस्थापक सुरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज ने बंदियों से कहा कि आप सभी बड़े पुण्यवान हैं, जेल में होते हुए कथा श्रवण करने का सौभाग्य मिला है।

नीमच में बोलेरो पलटने से दो की मौत,7 घायल

नीमच। फोरलेन पर शुक्रवार देर रात हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। नीमच के जेतपुरा चौराहा के पास धानुका फैक्ट्री के सामने इस हुई घटना में सात लोग घायल हो गए। हादसा रात 1 से 2 बजे के बीच हुआ। कार में सवार सभी 9 लोग रायसेन जिले की गौहरगंज तहसील के पांचरा गांव के रहने वाले थे।

सोनम का पुलिस ने कराया मेडिकल

शिलांग। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस के आरोपियों से मेघालय पुलिस शनिवार को तीसरे दिन भी पूछताछ की है। पूछताछ शुरू करने से पहले सभी आरोपियों का मेडिकल चेकअप कराया गया। अब तक की पूछताछ में ये खुलासा हो चुका है कि सोनम का प्रेमी राज हत्या का मास्टरमाइंड है और सोनम इस साजिश में बराबर की हिस्सेदार रही है।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने कहा कि ब्लैक बॉक्स से मिलेंगी सटीक जानकारियां

2 मिनट में 265 यात्रियों के खत्म होने की जांच रिपोर्ट 'तीन महीने' में आएगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने शनिवार को कहा कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भारतीय विमान बेड़े में मौजूद बोइंग ड्रीमलाइनर 787 श्रृंखला के विमानों की जांच का समय बढ़ाने का आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि 8 विमानों की पहले ही जांच हो चुकी है और तत्काल सभी विमानों की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि हादसे की जांच रिपोर्ट आने में लगभग 3 महीने का वक्त लग जाएगा। केंद्रीय उड्डयन मंत्री शनिवार को नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने कहा कि पिछले दो दिन बहुत मुश्किल भरे रहे हैं।

डीजीसीए ने बोइंग ड्रीमलाइनर 787 श्रृंखला के विमानों की जांच का समय बढ़ाने का आदेश दिया

- 8 विमानों की पहले ही जांच हो चुकी है और तत्काल सभी विमानों की जांच की जाएगी
- डीजीसीए ने भी 787 विमानों की विस्तृत निगरानी करने का आदेश दिया
- इस वक्त हमारे भारतीय विमान बेड़े में 34 विमान

नायडू ने कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो को तुरंत सक्रिय किया गया, जिसे विशेष रूप से विमानों के आसपास होने वाली घटनाओं, दुर्घटनाओं की जांच करने के लिए बनाया गया था

हादसे ने देश को झकझोर दिया: नायडू

नायडू ने कहा कि यह हादसा पूरे देश को हिला देने वाला था। यह मेरे लिए भी निजी तौर पर भावुक क्षण था, क्योंकि मैंने भी अपने पिता को एक सड़क हादसे में खोया है। मैं उस दर्द को समझ सकता हूं।

उच्च स्तरीय जांच समिति गठित

केंद्र सरकार ने इस हादसे की गहराई से जांच के लिए एक उच्च स्तरीय बहु-विषयक समिति का गठनभी कर दिया है। यह समिति हादसे के कारणों और लापरवाही की संभावनाओं की पड़ताल करेगी।

डीएनए परीक्षण से पुष्टि के बाद दस्तावेज़ीकरण और प्रक्रिया का पालन करना होगा

नायडू ने कहा कि डीएनए परीक्षण से पुष्टि के बाद शव संबंधित परिवारों को सौंपे जा रहे हैं और उम्मीद है कि यह प्रक्रिया जल्द ही पूरी हो जाएगी। हमने एयर इंडिया को निर्देश दिया है कि वह यात्रियों के परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया को सुगम बनाए। लेकिन दस्तावेज़ीकरण और प्रक्रिया का पालन करना होगा। ज्ञात हो, 12 जून को लंदन के गैटविक जा रहा एआई-171 बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 विमान अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। एयरलाइंस ने कहा कि विमान में सवार 242 लोगों में से केवल एक ही दुर्घटना में बच पाया। बाकी हॉस्टल समेत स्थानीय लोगों समेत कुल 265 लोगों की जान चली गई थी। वहीं दूसरी ओर एयर इंडिया के विमान एआई-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच के लिए सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति बनाई है। यह समिति कई क्षेत्रों के विशेषज्ञों को शामिल करके गठित की गई है।

एनआईए ने मप्र और राजस्थान में मारे छापे

हिज्ब-उत-तहरीर आतंकी साजिश केस में भोपाल में 'सर्च अभियान'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को भोपाल और राजस्थान के झालावाड़ में कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई आतंकी संगठन हिज़्ब-उत-तहरीर से जुड़ी एक आतंकी साजिश के मामले में की गई है। एनआईए की टीमों ने भोपाल में तीन और झालावाड़ में दो स्थानों पर व्यापक तलाशी ली। यह अभियान एनआईए द्वारा एचयूटी और उसके सदस्यों की गतिविधियों की चल रही जांच आरसी-15/2023/एनआईए/डीएलआई, जिसे एचयूटी भोपाल केस के नाम से जाना जाता है के तहत किया गया। तलाशी के दौरान, एनआईए की टीमों ने कई डिजिटल उपकरण ज़ब्त किए हैं, जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। जिसमे मोबाइल और लैपटॉप शामिल हैं। भोपाल के अशोका गार्डन इलाके से मोहसिन नाम के युवक को हिरासत में लिया गया था।

> कई डिजिटल उपकरण ज़ब्त किए, जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा

> अशोका गार्डन इलाके से मोहसिन को 6 दिन पहले हिरासत में लिया था

संदेहियों को हिरासत में लिया गया

एनआईए के मुताबिक हिरासत में लिए संदेही देश भर में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। मामला एचयूटी की उस साजिश से संबंधित है, जिसमें कमजोर मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें भर्ती करने की कोशिश की जा रही थी। इन युवाओं को भारत की लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंकने और शरिया कानून द्वारा शासित एक इस्लामी राज्य स्थापित करने के लिए हिंसा फैलाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था।

घर में फंदे पर लटके मिले मां और दो बच्चे

दोनों के हाथ-पैर बंधे थे, बाजार से लौटे पिता ने शवों को उतारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डिंडौरी

डिंडौरी में एक घर में मां और दो बच्चों के शव फंदे पर लटके मिले। पिता जब घर लौटे तब पता चला। बच्चों के हाथ-पैर बंधे थे। पिता ने उन्हें नीचे उतारा, लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने घर सील कर दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना मेहदवानी थाना क्षेत्र के कुम्हारिन टोला में शुक्रवार रात की है। राजेंद्र प्रजापति गांव में फुल्की चाट का ठेला लगाता है। रात करीब 8 बजे जब वह काम से लौटा तो घर में टीवी चल रहा था। रोज की तरह सब कुछ सामान्य लग रहा था।

कमरे में देखा तो पत्नी मधु प्रजापति (35), बेटी शिवानी (12) और बेटा आदित्य (10) फंदे पर झूल रहे थे। पुलिस को सूचना दी गई। एएसआई सुनील पटेल ने बताया, एफएसएल की टीम और डॉग स्क्वाड को जांच के लिए बुलाया गया है। घर के बाहर पुलिस बल तैनात है। एसपी वाहिनी सिंह और एसडीओपी मुकेश अविंदा मौके पर पहुंचे।

आधार के अपडेट की तारीख बढ़ी

नई दिल्ली। आधार कार्ड में डॉक युमेंट्स अपडेट करने की आखरी तारिक को एक बार फिर बढ़ा दिया गया है। पहले डॉक्यूमेंट के साथ फ्री आधार अपडेट की आखिरी तारीख 14 जून 2025 थी। यह जानकारी यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) की ओर से शेयर की गई है। यूआईडीएआई ने बताया कि करोड़ों आधार धारकों के लिए मुफ्त ऑनलाइन डॉक्युमेंट्स अपलोड करने की सुविधा को आगे बढ़ा दिया गया है।

पानी की बौछार से कांग्रेसियों को खदेड़ा

ओवरब्रिज का उद्घाटन करने पहुंचे, 50 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

जबलपुर में फ्लाई ओवरब्रिज का उद्घाटन करने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पानी की बौछार कर खदेड़ दिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी शुरू कर दी। इसके विरोध में कार्यकर्ताओं ने वहां जमकर नारेबाजी की। कांग्रेसियों ने सोमवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर 4 दिन के भीतर फ्लाई ओवरब्रिज लोकार्पण की मांग की थी।

आज प्रदेश में मानसून के आने की उम्मीद

मानसून का काउंटडाउन शुरू, आधे प्रदेश समेत भोपाल-इंदौर में बारिश

शनिवार को एक दर्जन जिलों में हुई बारिश

शाम 6:30 बजे हुई तेज बारिश: पीएचक्यू के सामने का दृश्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में शनिवार से मानसून की आमद का काउंट-डाउन शुरु हो गया है। 5 जून को मानसून प्रदेश में आमद दर्ज करा सकता है। इसके साथ ही प्रदेश के पूर्वी हिस्से सहित राजधानी में मानसूनी बारिश होगी। इसके पहले शनिवार को प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी रहा। उज्जैन, जबलपुर, सागर, नीमच और शाजापुर जिले में तेज हवाओं के साथ हुई है।

पिछले साल मानसून की एंट्री 21 जून को हुई थी

नर्मदापुरम में पारा 45 के पार

कुछ जिलों में शनिवार को आंधी-बारिश के साथ तेज गर्मी का असर भी रहा। नर्मदापुरम में तापमान सबसे ज्यादा 45.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहीं, छतरपुर जिले के खजुराहो में 44.7 डिग्री और नौगांव में 44.6 डिग्री रहा। सतना में 43.1 डिग्री, सीधी में 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर भोपाल में 40.4 डिग्री, इंदौर में 38.8 डिग्री, ग्वालियर में 42.5 डिग्री, उज्जैन में 40 डिग्री और जबलपुर में पारा 40.3 डिग्री सेल्सियस रहा।

ईरान पर हमलों के बीच इजराइली पीएम नेतन्याहू ने सीधे ईरान की जनता को संबोधित किया

तानाशाही को जड़ से उखाड़ो...नेतन्याहू की ईरानी जनता से अपील, भड़के खामेनेई बोले- आपके लिए जहन्नुम तैयार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान पर इन हमलों के बीच इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने सीधे ईरान की जनता को संबोधित कर उन्हें मौजूदा शासन के खिलाफ खड़े होने की बात कही।

नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल की लड़ाई ईरान की जनता के खिलाफ नहीं है बल्कि ईरान की तथाकथित सरकार के खिलाफ है, जो पूरी तरह से तानाशाही है। ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों पर इजराइल ने ताबड़तोड़ एयरस्ट्राइक की है। ईरान ने भी जवाब में इजराइल के रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। इन सबके बीच इजरायली पीएम नेतन्याहू ने ईरान के लोगों से खामेनेई के शासन को उखाड़ फेंकने की बात कही है, जिसमें खामेनेई आगबबूला हो गए हैं। नेतन्याहू ने कहा कि हमारी जंग ईरान की उस तानाशाही के खिलाफ है, जिसने 46 सालों से लोगों को दबाया है। उन्होंने कहा कि इजराइल के ऑपरेशन का उद्देश्य इसी ईरानी सरकार के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को जड़ से उखाड़ फेंकना है। जैसे ही हमारा उद्देश्य पूरा हो जाएगा। आपकी आजादी का रास्ता भी साफ हो जाएगा। वहीं, नेतन्याहू के इस बयान से बौखलाए ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने कहा कि अब इजराइल इस जंग से बाहर नहीं निकल सकता।

मोसाद ने ईरान के अंदर ही ड्रोन्स को लॉन्च करने के लिए बेस का निर्माण किया और देश के अंदर अपने हथियार और कमांडो पहुंचाए

इजराइल में लाखों लोग बंकरों में शरण लिए हुए

ईरान के पास करीब 408 किलोग्राम यूरेनियम 60% तक संवर्धित

इजराइल में लाखों लोग बंकरों में शरण लिए हुए हैं क्योंकि मिसाइल हमलों के कारण पूरे देश में लगातार सायरन बज रहे हैं। ईरान में भी नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए गए हैं। इजराइली हमलों में ईरान में अब तक 78 लोगों की मौत और 329 लोगों के घायल होने की खबर है। इजराइल ने शुक्रवार सुबह 200 फाइटर जेट्स से 6 ठिकानों पर हमला किया। ईरान ने 100 से ज्यादा ड्रोन दागे। वहीं, देर रात ईरान की तरफ से कम से कम 150 बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए हमला किया गया, जिससे तेल अवीव और येरुशलम में कई जगहों को नुकसान पहुंचा है।

केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा

पीएम मोदी के प्रयास से योग अब वैश्विक जन आंदोलन बन गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निरंतर प्रयासों से पिछले 10 वर्षों में योग व्यक्तिगत स्वास्थ्य दिनचर्या से वैश्विक जन आंदोलन में तब्दील हो गया है और अब 170 से अधिक देशों में इसे अपनाया जा रहा है। जाधव ने 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' से पहले एक साक्षात्कार में योग को विश्व स्तर पर लोकप्रिय बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री को दिया। उन्होंने कहा कि योग को वैश्विक स्तर पर व्यापक रूप से अपनाए जाने का श्रेय पीएम नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया जा सकता है, जिन्होंने न केवल 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के विचार का प्रस्ताव रखा, बल्कि समर्थन के वास्ते वैश्विक नेताओं से संपर्क भी किया।

130 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की योजना

जाधव ने बताया कि 60 से अधिक देशों में 130 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है, जिनका समन्वय भारतीय मिशनों द्वारा किया जाएगा तथा लाखों लोगों के भाग लेने की संभावना है।

मंत्री ने प्रधानमंत्री को दिया श्रेय

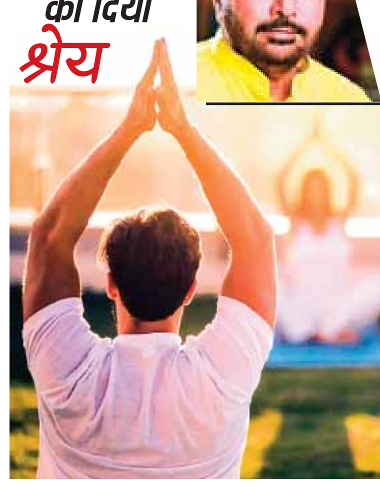

177 देशों ने सह-प्रायोजित और 75 दिनों के भीतर अंगीकार किया

जाधव ने कहा कि इस प्रस्ताव को 177 देशों ने सह-प्रायोजित किया तथा इसे रिकॉर्ड 75 दिनों के भीतर अंगीकार किया गया, जिससे यह संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में सबसे तेजी से पारित प्रस्तावों में से एक बन गया। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने कहा कि तब से योग एक सांस्कृतिक सेतु के रूप में उभरा है, जो विभिन्न महाद्वीपों के लोगों को जोड़ता है तथा 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' का वार्षिक आयोजन एक वैश्विक आंदोलन बन गया है।

टाइम्स स्क्वायर से लेकर प्रशांत महासागर तक चटाई बिछाई जा रही

उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर प्रशांत महासागर के सुदूर द्वीपों तक, स्वास्थ्य और सद्भाव के उत्सव के रूप में अब योग के लिए चटाई बिछाई जा रही है। योग की वैश्विक पहुंच सिर्फ औपचारिक नहीं है, बल्कि यह ठोस भी है तथा दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों, आरोग्य कार्यक्रमों और स्कूल पाठ्यक्रमों में इसका एकीकरण बढ़ रहा है। जाधव ने कहा कि प्रमुख चिकित्सा पेशेवर अब योग की सलाह देते हैं।

हर 25 दिन पर कार्यक्रम आयोजित होंगे

उन्होंने बताया कि भारत में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं, जिसमें 100 दिवसीय उल्टी गिनती कार्यक्रम भी शामिल है।दिल्ली, भुवनेश्वर, नासिक और पुडुचेरी में हर 25 दिन पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। योग संगम, योग बंधन, योग पार्क, योग समावेश, योग प्रभाव, योग कनेक्ट, हरित योग, योग अनप्लग्ड, योग महाकुंभ हैं।

मुख्य कार्यक्रम 21 जून को विशाखापत्तनम में होगा

मंत्री ने कहा कि मुख्य कार्यक्रम 21 जून को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित किया जाएगा, जहां प्रधानमंत्री के साथ पांच लाख से अधिक लोगों के योग करने की संभावना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री समान योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) का नेतृत्व करेंगे। जाधव ने बताया कि इसके साथ ही, योग संगम कार्यक्रम पूरे भारत में एक लाख से अधिक स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे, जिससे यह इतिहास में सबसे बड़े समन्वित योग अभ्यास में से एक बन जाएगा। उन्होंने बताया कि अकेले दिल्ली-एनसीआर में 111 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना है, जिनमें एक लाख से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। 21 जून को विशाखापत्तनम में प्रधानमंत्री के साथ 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है, जबकि 10 से अधिक देशों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

राजस्थान में पूर्व सांसद के बेटे ने की आत्महत्या

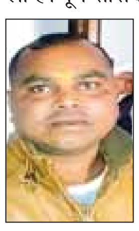

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में पूर्व सांसद के बेटे ने आत्महत्या कर ली है। पूर्व सांसद के बेटे का शव एक लाइब्रेरी से बरामद हुआ है, जिसका संचालन वह खुद कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि शव जमीन पर पड़ा हुआ था, जबकि कमरे की छत से कपड़ा लटक रहा था। फिलहाल पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है। मृतक लाइब्रेरी में ही एक कमरे में रह रहा था।

फर्जी तांत्रिकों के झांसे में आकर 3 की मौत

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। काले जादू की मदद से पैसे डबल करने का झांसा देकर 3 लोगों की हत्या कर दी गई और एक शख्स की हालत गंभीर है।यह मामला बीकानेर के खाजूवाला का है। एक गैंग ने 4 लोगों को फंसाया और पैसा डबल करने का विश्वास दिलाकर 3 लोगों की हत्या कर दी।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस का शुद्ध लाभ 315 करोड़ तक पहुंचा

मंबई। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2025 में 12.5 फीसदी की वृद्धि के साथ 315 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। यह वृद्धि कंपनी की डिजिटल-फर्स्ट रणनीति, ग्राहक-केंद्रित नवाचारों और विविध वितरण नेटवर्क का परिणाम है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता

मसौदा प्रारूप में दिव्यांगजन को परिवहन में मिलेंगी सुविधाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नए मसौदा प्रारूप में दिव्यांगजन (पीडब्ल्यूडी) के लिए परिवहन प्रणालियों को अधिक सुलभ बनाने को लेकर व्यापक बदलाव का प्रस्ताव किया गया है, जिसमें बसों और मेट्रो ट्रेन में व्हीलचेयर के लिए अनिवार्य स्थान, स्टेशन पर सीढ़ी रहित शौचालय, समतल बोर्डिंग रैंप तथा हवाई, रेल और सड़क परिवहन नेटवर्क में प्रशिक्षित कर्मचारी शामिल हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने परिवहन एवं गतिशीलता क्षेत्र के लिए सुगम्यता मानकों के मसौदे पर हितधारकों और आम जनता से टिप्पणियां और सुझाव आमंत्रित किए हैं। 'ट्रांसपोर्ट एक्सेसिबिलिटी फ्रेमवर्क' का मसौदा रणनीतिक एक्सेसिबिलिटी सेल- राइट्स ऑफ राइडर्स द्वारा तैयार किया गया है। यह लागू करने योग्य मानकों को निर्धारित करता है।

उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे ने बताया

राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन को 5.41 लाख शिकायतें मिलीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे ने कहा कि राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन को 2025 में 5.41 लाख शिकायतें मिलीं, जिनमें से 23 प्रतिशत शिकायतें दक्षिणी राज्यों से थीं, जो मजबूत क्षेत्रीय जुड़ाव को दर्शाता है। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग ने उपभोक्ता शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए चेन्नई में 'दक्षिणी राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में उपभोक्ता संरक्षण' पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए खरे ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज 28.54 लाख शिकायत के मामलों में से केवल 5.62 लाख मामले पेंडिंग हैं, जबकि दक्षिणी राज्यों में यह संख्या केवल 13.34 प्रतिशत है।

23 प्रतिशत दक्षिणी राज्यों से, क्षेत्रीय जुड़ाव मजबूत हो रहा

दक्षिणी राज्यों के प्रदर्शन की सराहना की

क्षेत्रीय कार्यशाला में दी जानकारी

उन्होंने दक्षिणी राज्यों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि कर्नाटक और केरल आयोगों ने दर्ज मामलों से अधिक मामलों का निपटारा किया है और कई जिला आयोगों ने लगातार तीन वर्षों में 100 प्रतिशत से अधिक डिस्पोजल रेट हासिल किया है। इसके अलावा, वर्चुअल कोर्ट के माध्यम से 11,900 से अधिक मामलों की सुनवाई की गई।

कानूनी और डिजिटल तंत्र होना जरूरी

अपने मुख्य भाषण में खरे ने इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल युग में अनुकूलनीय कानूनी और डिजिटल तंत्र की आवश्यकता है। उन्होंने राइट टू रिपेयर पोर्टल, ई-जागृति और राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन को मजबूत बनाने जैसी पहलों के महत्व को रेखांकित किया, जो मुकदमे से पहले के चरण में उपभोक्ता शिकायतों के निवारण का त्वरित और परेशानी मुक्त तरीका है।

नियामक कदमों पर भी प्रकाश डाला

उन्होंने एआई-पावर्ड यूनिफाइड प्लेटफॉर्म ई-जागृति को लेकर कहा कि इसमें ई-दाखिल और कॉन्फोनेट जैसी प्रमुख प्रणालियों का इंटीग्रेशन किया गया है, जो चैटबॉट-बेस्ड रजिस्ट्रेशन, बहुभाषी पहुंच और कानूनी पेशेवरों और दिव्यांग यूजर्स के लिए सहायता जैसी सुविधाएं प्रदान करता है। इसके अलावा, खरे ने डार्क पैटर्न, फर्जी समीक्षा और भ्रामक विज्ञापनों पर अंकुश लगाने के लिए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) द्वारा उठाए गए नियामक कदमों पर भी प्रकाश डाला।

जोनल जीएम छत्रसाल सिंह ने किया रेलवे कॉलोनी का निरीक्षण

हाजीपुर। महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा रामाशीष चौक, हाजीपुर स्थित रेलवे कॉलोनी का गहन निरीक्षण किया गया। इस क्रम में महाप्रबंधक ने रेलवे कॉलोनी में साफ-सफाई, रेलकर्मियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं आदि का जायजा लिया तथा कॉलोनी के साफ-सफाई से संतुष्ट दिखे। उन्होंने कॉलोनी में लगे हरियाली पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। इसके साथ ही महाप्रबंधक द्वारा रेलवे कॉलोनी परिसर में स्थित पॉली क्लीनिक का भी निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विवेक भूषण सूद सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे । निरीक्षण के क्रम में रेलवे कॉलोनी के कर्मचारीगण महाप्रबंधक से भेंट कर उन्हें कॉलोनी से संबंधित मांगों का एक ज्ञापन भी सौंपा जिस पर महाप्रबंधक ने गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने पानी में आयरन की ज्यादा मात्रा के मद्देनजर वाटर प्यूरीफायर प्लांट लगाने तथा कॉलोनी के ड्रेनेज सिस्टम को और बेहतर बनाने का अधिकारियों को निर्देश दिया।

कानून मंत्री मेघवाल ने की वकालत

मध्यस्थता 'समयबद्ध' हो यह संस्कृति का 'हिस्सा'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को संस्थागत मध्यस्थता की वकालत करते हुए कहा कि यह भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। इससे पहले ओएनजीसी के चेयरमैन ने मध्यस्थता की कार्यवाही को 'समयबद्ध' बनाने का आग्रह किया। संस्थागत मध्यस्थता पर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि संगठनों को समय की जरूरत के हिसाब से लचीला और कठोर होने के लिए तैयार रहना चाहिए, ताकि उनके हितों की रक्षा और राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान सुनिश्चित हो सके। मेघवाल ने कहा कि अधिकारियों को जोखिम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। मेघवाल ने अफसोस जताया कि मध्यस्थता भारतीय संस्कृति का हिस्सा थी, लेकिन कहीं न कहीं यह अवधारणा 'बाधित' हो गई और अन्य देश अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के केंद्र बन गए।

मध्यस्थता प्रक्रिया को समुचित बनाएं

इस मौके पर सार्वजनिक क्षेत्र की ओएनजीसी के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह ने कहा कि समय ही धन है, इसलिए मध्यस्थता की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने की जरूरत है, न कि 'अंतहीन'। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक विवादों का समयबद्ध तरीके से निपटारा कारोबारी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जरूरी है। विवाद मुख्यतः तीन कारणों से उत्पन्न होते हैं: अधिकारियों का अत्यधिक रूढ़िवादी होना जो अपनी जान बचाने के लिए जिम्मेदारी दूसरे पर डाल देते हैं; विक्रेताओं का अत्यधिक आशावादी होना जो कम बोली पर अनुबंध लेते हैं और बाद में काम पूरा करने में विफल हो जाते हैं और स्थिति से बचने के लिए विवाद पैदा करते हैं; और अनुबंधों में कठोरता, जो कार्यों को पूरा करना कठिन बना देती है।

प्रक्रियाओं में तेजी लाई जा रही: राणा

विधि सचिव अंजू राठी राणा ने कहा कि सरकार मध्यस्थता और बीच-बचाव प्रक्रियाओं को तेज और आसान बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने विधि मामलों के विभाग के एक हालिया निर्देश को याद किया, जिसमें न्यायिक हस्तक्षेप को कम करने और तदर्थ मध्यस्थता के बजाय संस्थागत मध्यस्थता का उपयोग करने पर जोर दिया गया है। मध्यस्थता के लाभों को समझना होगा।

बड़े स्तर पर घटिया कीटनाशक दवाइयों की बिक्री कर किसानों को 'ठगा' जा रहा

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

बाजारों में बड़े स्तर पर घटिया कीटनाशक दवाईयों की बिक्री कर किसानों को ठगा जा रहा है। घटिया कीटनाशक दवाईयों के कारण किसानों की फसलें खराब हो रही है। कई बार किसानों ने किसान दिवस में आवाज भी उठा चुके हैं, लिखित में भी शिकायत की, फिर भी कृषि विभाग के स्तर पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न दुकानों पर हो रही घटिया कीटनाशक दवाईयों की बिक्री से किसान काफी परेशान हैं। अधिक धनराशि खर्च करने के बाद भी किसानों को सहीं कीटनाशक दवाईयां नहीं मिल पा रही है। जिस कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड रहा है। किसानों की फसलें घटिया कीटनाशक और विभिन्न प्रकार के रोगों के कारण खराब हो रही है। इतना ही नहीं किसानों को विभिन्न फसलों का बीज भी सहीं नहीं मिल रहा है। हाल में हुए किसान दिवस में किसानों के द्वारा घटिया कीटनाशक के संबंध में कार्रवाई के लिए आवाज उठाई गई थी, लेकिन कृषि विभाग के द्वारा अभी तक कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की गई है।

देश भर में किसानों को नकली बीज, कीटनाशक और उर्वरक की आपूर्ति को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं। इस संबंध में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने हाल ही में एक आंकड़ा जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि 2023-24 के दौरान कितने नमूनों की जांच की गई और कितने नकली पाए गए।

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वधु चाहिए
33 वर्षीय प्राइवेट जॉब बंगाली ब्राह्मण लड़के के लिए बंगाली ब्राह्मण या कायस्थ परिवार की सुन्दर सुशील शिक्षित वधु चाहिए।
सम्पूर्ण बायोडाटा सहित सम्पर्क करें-
9399715688

वधु चाहिए- गुजराती 44/5'11", स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000 मासिक, युवक हेतु , उच्चजाति बंधन नहीं संपर्कः 98271-14645, 91311-39179 (मैरिज ब्यूरो छमा) (406)

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक — आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु — आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन — परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

मप्र में एनटीपीसी ने 2 लाख करोड़ से अधिक का निवेश करने का लिया संकल्प

2027 तक 50 हजार करोड़ का निवेश आकर्षित करने की योजना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। एनटीपीसी लिमिटेड ने राज्य में सौर, पवन और हाइब्रिड परियोजनाओं सहित 20 गीगावॉट ग्रीन एनर्जी क्षमता विकसित करने के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक का निवेश करने का संकल्प लिया है। इसके अतिरिक्त, राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा नीति 2025 का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक राज्य की 50 फीसदी बिजली आवश्यकताएं नवीकरणीय स्त्रोतों से पूरी की जाएं, जिसके लिए 2027 तक 50,000 करोड़ का निवेश आकर्षित करने की योजना है।

शब्द पहेली - 5898

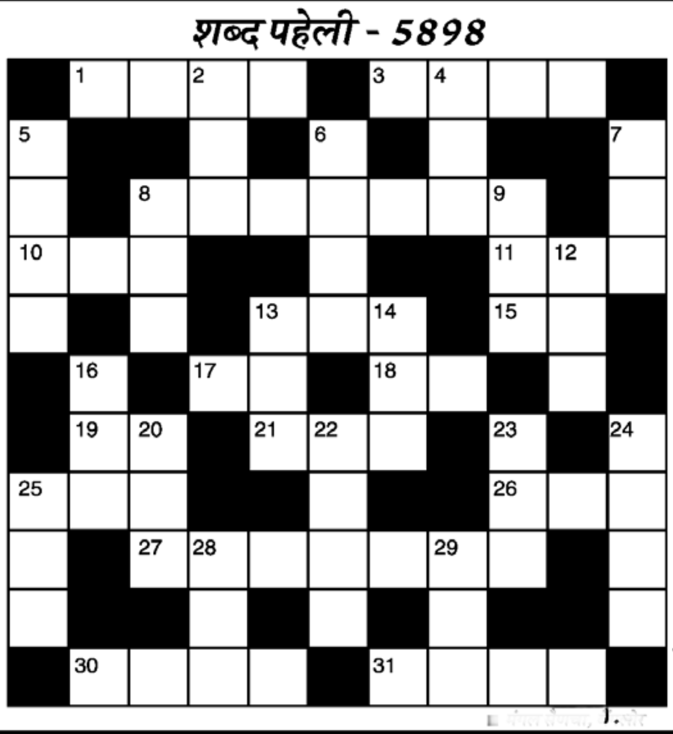

बाएँसेदाएं
1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे
2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रृंगार -3

शब्द पहेली - 5897 का हल

सूडोकू नवताल - 5908

मध्यम

सूडोकू नवताल - 5907 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

खिताब के 27 साल का सूखा खत्म

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत 'चोकर्स' के तमगे को पीछे छोड़ा

द. अफ्रीका पहली बार वर्ल्ड चैंपियन

एजेंसी ▶▶| लंदन

दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को फाइनल के चौथे दिन गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत ली। दक्षिण अफ्रीका ने 27 वर्षों में अपना पहला बड़ा क्रिकेट खिताब जीता जिसके बाद लॉर्ड्स मैदान पर टीम के खिलाड़ी और प्रशंसकों ने जम कर जश्न मनाया। दक्षिण अफ्रीका ने अपना पिछला आईसीसी खिताब 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में जीता था।दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 213 रन से की थी। टीम ने पांच विकेट पर 282 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। यह लॉर्ड्स के 141 साल के इतिहास में लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए दूसरी सबसे बड़ी जीत है।

धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी से जीता मैच

ऑस्ट्रेलिया ने मैच के चौथे दिन भी पूरा जोर लगाना जारी रखा और कप्तान पैट कमिंस की अगुवाई में उसके गेंदबाजों ने शुरुआती घंटे में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ली। दिन के तीसरे ओवर में जब कमिंस की गेंद पर कप्तान तेम्बा बावुमा (66) विकेट के पीछे एलेक्स कैरी के द्वारा लपके गये तब लगा कि टीम पिछली कई बार की तरह एक बार फिर जीत के करीब पहुंच कर फिसल ना जाए। दिन की शुरुआत 102 रन से करने वाले शतकवीर एडेन मारक्रम (136) की अगुवाई में टीम ने हालांकि धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए किसी अनहोनी को टालते हुए 'चोकर्स' के तमगे को पीछे छोड़ दिया।

गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से दी शिकस्त

लॉर्ड्स के 141 साल के इतिहास में रन चेस में दूसरी सबसे बड़ी जीत

यह स्पेशल मोमेंट

'पिछले 2 दिन स्पेशल रहे, कुछ देर के लिए तो लग रहा था कि हम होम ग्राउंड पर ही खेल रहे हैं। हमारे देश के लिए यह स्पेशल मोमेंट है। कई मौकों पर किस्मत और मौसम हमारे साथ नहीं था, लेकिन इस बार हमें सूरज का साथ मिला।'

- तेम्बा बावुमा

वे जीत के हकदार

'हमने कुछ चीजें सही नहीं कीं। पहली पारी में अच्छी बढ़त के बावजूद हम बड़ा स्कोर नहीं बना सके। टॉप-7 बैटिंग में हमें सुधार की जरूरत है। साउथ अफ्रीका ने बताया कि वे क्यों फाइनल तक पहुंचे हैं। वे इस जीत के हकदार हैं।'

- पैट कमिंस

कई बार गंवाया खिताब

दक्षिण अफ्रीका इससे पहले आईसीसी टूर्नामेंटों में कई अहम मौकों पर खिताब के करीब पहुंच कर चूक गया है। टीम को बर्मिंघम 1999, ढाका 2011, ऑकलैंड 2015, कोलकाता 2023 और ब्रिजटाउन 2024 में मिली हार लंबे समय तक निराश करती रही लेकिन लंदन 2025 दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट में सबसे यादगार दिनों में से एक के रूप में जाना जाएगा। टीम ने जीत की प्रबल दावेदार और आईसीसी के अहम मैचों में अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा करने वाली ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम को शिकस्त दी।

डब्लूटीसी ईनामी राशि

स्थान	टीम	राशि
विजेता	द.अफ्रीका	31 करोड़
उपविजेता	ऑस्ट्रेलिया	18.63 करोड़
तीसरे नंबर	भारत	12.42 करोड़
चौथे नंबर	न्यूजीलैंड	10.35 करोड़
पांचवें नंबर	इंग्लैंड	8.28 करोड़
छठे नंबर	श्रीलंका	7.24 करोड़
सातवें नंबर	बांग्लादेश	6.21 करोड़
आठवें नंबर	वेस्टइंडीज	5.17 करोड़
नौवें नंबर	पाकिस्तान	4.14 करोड़

मैच का हॉल

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 218 रन बनाते हुए दक्षिण अफ्रीका को 282 रन का टारगेट दिया था। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 212 और दक्षिण अफ्रीका ने 138 रन बनाए। यहां कंगारू टीम को 74 रन की बढ़त मिली थी।

स्कोर बोर्ड

द.अफ्रीका दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
मारक्रम का हेड बो हेजलवुड	136	207	14	0
रिकल्टन का कैरी बो स्टार्क	06	08	1	0
मुल्डर का लाबुशेन बो स्टार्क	27	50	5	0
बावुमा का कैरी बो कमिंस	66	134	5	0
ट्रिस्टन स्टब्स बो स्टार्क	08	43	0	0
डेविड बेडिंघम नाबाद	21	49	1	0
काइल वेरेने नाबाद	04	13	0	0

अतिरिक्त : 14, कुल : 83.4 ओवर में 282/5
गेंदबाजी : स्टार्क 14.4-1-66-3, हेजलवुड 19-2-58-1, कमिंस 17-0-59-1, लियोन 26-4-66-0, वेबस्टर 5-0-13-0, हेड 2-0-8-0.

खबर संक्षेप

प्रो लीग : बढ़त के बावजूद ऑस्ट्रेलिया से हारा भारत

एंटवर्प। भारतीय पुरुष हॉकी टीम की एफआईएच प्रो लीग में मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। शनिवार को यहां अभिषेक के दो गोल की मदद से दो गोल की बढ़त के बावजूद टीम को आखिरी क्षणों में गोल गंवाने के कारण ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम पहले ही टूर्नामेंट में नीदरलैंड और अर्जेंटीना से दो-दो बार हार चुकी है। इस तरह से यूरोपीय चरण में यह उसकी लगातार पांचवीं हार है। भारत ने अच्छी शुरुआत की और अभिषेक (आठवें और 35वें मिनट) के दो गोल की मदद से 35वें मिनट तक 2-0 की बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि मध्यांतर के बाद अधिक आक्रामक रवैया अपनाया तथा नाथन एफ्राम्स (42वें मिनट), जोएल रिंटाला (56वें मिनट) और टॉम क्रेग (60वें मिनट) के गोल से जीत सुनिश्चित की।

जूडो कोच पर यौन उत्पीड़न का आरोप

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने अपने कोच पर प्रशिक्षण के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली एक 19 वर्षीय जूडो खिलाड़ी द्वारा दायर जनहित याचिका पर अगली सुनवाई सोमवार को निर्धारित की है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने इस मामले में शुक्रवार को सुनवाई शुरू की और फिर इसे 16 जून के लिए निर्धारित कर दिया। देहरादून की रहने वाली इस खिलाड़ी ने जनहित याचिका दायर कर कहा कि वह राष्ट्रीय स्तर की जूडो-कराटे खिलाड़ी है और पिछले सात वर्षों से देहरादून में सविता गुरुंग से प्रशिक्षण ले रही है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि 2024 में भोपाल में आयोजित किए गए राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर के लिए उसका चयन हुआ था, लेकिन गुरुंग ने उसे भोपाल जाने की अनुमति देने के बजाय मुरादाबाद में कोच सतीश शर्मा के पास भेज दिया, जो गुरुंग का कोच भी रह चुका है।

भारतीय एमजीडी-1 फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप जीतने वाली पहली टीम

एजेंसी ▶▶| लंदन

ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी और प्रणव के शानदार प्रदर्शन की मदद से टीम एमजीडी1 फिडे विश्व रैपिड टीम चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय टीम बन गई। छठी वरीयता प्राप्त टीम एमजीडी1 ने तीन दिन में 12 राउंड में 10 जीत दर्ज की और शुक्रवार को टीम हेक्सामाइंड के साथ एक करीबी मुकाबले के बाद चैंपियन बन गई। इस प्रतियोगिता में पिछले दो अवसरों पर रजत और कांस्य पदक जीतने वाली एमजीडी1 ने पहले दिन अच्छी शुरुआत की थी लेकिन दूसरे दिन टीम फ्रीडम के खिलाफ़ ड्रॉ और टीम हेक्सामाइंड से हार के कारण उसे खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए तीसरे दिन

शानदार प्रदर्शन करने की जरूरत थी। अर्जुन एरिगैसी, पेंटाला हरिकृष्णा, लियोन मेंडोंका, डेविड एंटोन गुइजारो, त्सोलाकिडो स्टोव्रोला, प्रणव, अथर्व तायडे और कप्तान श्रीनाथ नारायणन की मौजूदगी वाली एमजीडी1 ने अंतिम चार राउंड में जीत दर्ज करके चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। अर्जुन और प्रणव की जीत आखिर में निर्णायक साबित हुई।

21 अंक हासिल कर बने चैंपियन

नारायणन ने कहा, 'यह जीत बेहद खास है। ओलंपियाड में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार थी लेकिन यहां एमजीडी1 को छुपा रुस्तम माना जा रहा था। इस सब के बावजूद हम स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे।' टीम एमजीडी1 ने 21 अंक हासिल किए, जो टीम हेक्सामाइंड से एक अंक अधिक था। विश्वनाथन आनंद की टीम फ्रीडम 17 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अर्जुन टीम एमजीडी1 के लिए अंतिम दिन के स्टार रहे। उन्होंने चार में से 3.5 अंक बनाए। प्रणव ने अंतिम दिन अपनी सभी चार बाजियां जीतीं।

अभिजीत गुप्ता बने दिल्ली जीएम ओपन के चैंपियन

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अभिजीत गुप्ता ने दिल्ली जीएम ओपन शतरंज में 10 में से 8.5 अंक हासिल करते हुए एशिया के इस प्रतिष्ठित आयोजन में अपना चौथा खिताब जीता। छत्तीस साल के गुप्ता ने 10 दौर के मुकाबले में अजेय रहे। उन्होंने नौवें दौर में बेलारूस के ग्रैंडमास्टर मिहेल निकितेंको पर जीत के बाद एकल बढ़त कायम की थी और फिर आखिरी दौर में अंतरराष्ट्रीय मास्टर अरोण्यक घोष के खिलाफ मुकाबला बराबरी पर छूटने के साथ खिताब पक्का कर लिया। निकितेंको (2520, बेलारूस) आठ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने भारतीय जीएम दीप्तयान घोष (2573) को टाईब्रेक में पछाड़ दिया। दीप्तयान ने ग्रैंडमास्टर कार्तिक वेंकटरमन पर जीत से प्रभावित करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। अपने अभियान को आठ अंक पर समाप्त करने वाले अरोण्यक और ग्रैंडमास्टर आदित्य एस सामंत टाईब्रेक पर क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। वियतनाम के गैंडमास्टर गुयेन डुक होआ ने 7.5 अंकों के साथ छठा स्थान हासिल किया, जबकि भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त ग्रैंडमास्टर एसएल नारायणन सातवें स्थान पर रहे।

निशानेबाजी

आर्या-अर्जुन ने निशानेबाजी वर्ल्ड कप में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| म्यूनिख

आर्या बोरसे और अर्जुन बबूता की भारतीय जोड़ी ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए चीन के जिफेई वांग और लिहाओ शेंग को 17-7 से हराकर शनिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। आर्या और बबूता अहम मौके पर धैर्य और एकाग्रता का शानदार नमूना पेश करते हुए चीन के खिलाड़ियों को खिताबी मुकाबले में कोई मौका नहीं दिया। भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन में 635.2 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक दौर में प्रवेश किया, जो वांग और शेंग (635.9) से सिर्फ 0.7 अंक पीछे था। चीन की जोड़ी का यह स्कोर क्वालिफिकेशन विश्व रिकॉर्ड भी है। व्यक्तिगत तौर पर आर्या ने 317.5 का स्कोर किया, जबकि बबूता ने क्वालिफिकेशन में 317.7 का स्कोर किया। आर्या इस साल की शुरुआत में पेरू के लीमा में विश्व कप में रुद्राक्ष पाटिल के साथ मिलकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीत चुकी है। यह मौजूदा विश्व कप में भारत का दूसरा स्वर्ण और कुल चौथा पदक है। सुरुचि सिंह ने शुक्रवार को स्वर्ण जीता था जबकि इस सप्ताह के शुरू में सिफ्त कौर समरा और इलावेनिल ने अपने-अपने व्यक्तिगत मुकाबलों में दो कांस्य पदक जीते थे।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया से हारी

लंदन। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को यहां एफआईएच प्रो लीग के मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन गोल से पिछड़ने के बाद वापसी के लिए अच्छे प्रयास किए लेकिन आखिर में वह 2-3 से हार गई।ऑस्ट्रेलिया ने कोर्टनी शोनेल (16वें मिनट), लेक्सी पिकरिंग (26वें मिनट) के मैदानी गोल और टैटम स्टीवर्ट (35वें मिनट) के पेनल्टी स्ट्रोक पर के गए गोल की मदद से 3-0 की बढ़त ले ली। भारतीय टीम ने हालांकि दीपिका और नेहा के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से वापसी की कोशिश की लेकिन वह हार नहीं टाल सकी।

जिम्नास्टिक चैंपियनशिप

प्रणति ने एशियाई जिम्नास्टिक के वॉल्ट में जीता कांस्य पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने दक्षिण कोरिया के जेचेन में 12वीं सीनियर महिला एशियाई कलात्मक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में वॉल्ट फाइनल में कांस्य पदक जीता। इस साल मार्च में तुर्की के अंताल्या में एफआईजी विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली इस 30 साल की खिलाड़ी ने शनिवार को 13.466 स्कोर करके पोडियम पर तीसरा स्थान पक्का किया। चीन की यिहान झांग ने 13.650 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि वियतनाम की थी क्विन न्हू गुयेन ने 13.583 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। युवा भारतीय जिमनास्ट प्रोतिस्ता सामंता ने भी इस स्पर्धा में प्रभावित करते हुए 13.016 के स्कोर के साथ चौथा स्थान हासिल किया। प्रणति ने इस प्रदर्शन के साथ महाद्वीपीय चैंपियनशिप में अपना तीसरा पदक हासिल करते हुए अनुभवी जिमनास्ट दीपा करमाकर के दो पदकों को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने इससे पहले 2019 में उलानबटोर में वॉल्ट में और फिर 2022 में दोहा में कांस्य पदक जीता था। दीपा ने 2015 में हिरोशिमा में वॉल्ट में कांस्य पदक जीतने के एक साल के बाद ताशकंद में स्वर्ण पदक जीता था।

यह जानना महत्वपूर्ण कि कब तैयार रहना है

बेकेनहैम। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उन्होंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया है। अब वह इंडियन प्रीमियर लीग की अपनी शानदार फॉर्म को इंग्लैंड दौरे पर भी जारी रखना चाहते हैं। चोट से उबरकर वापसी करने वाले प्रसिद्ध ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया और सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की। वह अब इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला को लेकर उत्साहित हैं। भारतीय टीम अभी यहां आपस में ही अभ्यास मैच खेल रही है।

नीरज पेरिस डायमंड लीग में स्वर्ण पदक के लिए पेश करेंगे चुनौती

एजेंसी ▶▶| पेरिस

लगातार दो प्रतियोगिताओं में दूसरे स्थान पर रहने के बाद स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा जब 20 जून को पिछले आठ साल में पहली बार पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे तो उनका लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना होगा।

इस 27 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने फ्रांस की राजधानी में आयोजित किए गए ओलंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पिछले साल पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा नहीं लिया था। पेरिस डायमंड लीग के आयोजकों ने अभी प्रतियोगियों की पूरी सूची प्रकाशित नहीं की है, लेकिन उन्होंने घोषणा की है कि

चोपड़ा और दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उन पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं। पीटर्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 23 मई को पोलैंड में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में चोपड़ा के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे।

क्रिकेट के नियमों के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब बनाया नियम

सीमा रेखा के बाहर कई बार हवा में उछलकर कैच अब अवैध

एजेंसी ▶▶| लंदन

क्रिकेट के नियमों के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने 'बन्नी हॉप' यानि सीमा रेखा के बाहर कई बार हवा में उछलकर कैच करने को गैरकानूनी माना है तथा इस संदर्भ में नए नियम इसी महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के खेल की परिस्थितियों से जुड़ी शर्तों और अगले साल अक्टूबर से एमसीसी के नियमों में शामिल कर लिया जाएगा।

इस नए नियम के लागू होने के बाद बीबीएल 2023 के दौरान माइकल नेसर और 2020 में मैट रेनशॉ की मदद से टॉम बैंटन द्वारा लिए गए शानदार कैच वैध नहीं माने जाएंगे। आईसीसी ने इस संदर्भ में अपने सदस्य बोर्ड को एक नोट भेजा है जिसने कहा गया है कि वर्तमान नियमों के अनुसार कुछ शानदार कैच देखने को मिले लेकिन इस नियम के कारण कुछ असामान्य देखने वाले कैच भी वैध मान दिए गए जो अधिकतर क्रिकेट प्रेमियों को भी अनुचित लगे। मसीसी ने नेसर द्वारा लिए गए कैच का जिक्र करते हुए कहा कि फील्डर ने बाउंड्री के अंदर कैच पूरा करने से पहले 'बन्नी हॉप' किया। नियमों के अनुसार हालांकि यह तब सही था लेकिन ऐसा लग रहा था कि फील्डर सचमुच में सीमा रेखा से कई बार बाहर निकल गया था।

सीमा रेखा के अंदर कैच वैध

इन घटनाओं ने नई बहस को जन्म दिया जिसके बाद आईसीसी और एमसीसी को अपने नियम 19.5.2 की समीक्षा करनी पड़ी। एमसीसी ने अब स्पष्ट किया है कि सीमा रेखा के पार से छलांग लगाने के बाद गेंद के साथ दूसरी बार संपर्क बनाने के लिए किसी भी क्षेत्ररक्षक को सीमा रेखा के अंदर मैदान पर आना होगा अन्यथा उसे बाउंड्री मान लिया जाएगा।

गेंद अंदर फेंकने के बाद आकर कैच वैध

नोट में कहा गया है, 'एमसीसी ने इसे एक नया शब्द 'बन्नी हॉप' दिया है जिसे अब गैरकानूनी माना जाएगा लेकिन इस तरह के कैच, जिनमें क्षेत्ररक्षक गेंद को सीमा रेखा के अंदर फेंकने के बाद बाहर कदम रखता है और फिर सीमा रेखा के अंदर जाकर उसे कैच करता है तो इस तरह के कैच को वैध माना जाएगा।'नए नियम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र की शुरुआत में ही लागू हो जाएंगे जिसका पहला मैच 17 जून से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गॉल में खेला जाएगा। नियमों में बदलाव आधिकारिक तौर पर अक्टूबर 2026 से लागू होगा।

शासकीय कर्मियों के नियमितीकरण का मामला

हाईकोर्ट ने सरकार पर लगाया 10 हजार का जुर्माना

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने शासकीय कर्मियों के नियमितिकरण के मामले में लापरवाही बरते जाने पर सरकार पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। पूर्व आदेश के पालन में जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच के समक्ष निवाड़ी कलेक्टर हाजिर हुए। उन्होंने बिना शर्त माफी मांगी। साथ ही अभिवचन दिया कि 90 दिन के भतर याचिकाकर्ताओं के हक में आदेश पारित कर देंगे। कोर्ट ने इस जानकारी को अभिलेख पर लेते हुए मामले का पटाक्षेप कर दिया।

याचिकाकर्ता पृथ्वीपुर तहसीलदार के कार्यालय में सेक्शन राइटर पद पर कार्यरत महेश कुमार कोरी सहित अन्य की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि याचिकाकर्ता पिछले 30 वर्षों से नियमित रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। लिहाजा, शासन की नीति अनुसार कुशल श्रमिकों के बराबर का दर्जा देते हुए संबंधित सभी लाभ दिए जाने चाहिए। इस मांग को लेकर कलेक्टर के समक्ष अभ्यावेदन दिया था, जिसे निरस्त कर दिया गया। हाई कोर्ट ने पाया कि उक्त मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया, जहां से सरकार की याचिका निरस्त हो चुकी है। लिहाजा, कलेक्टर को हाजिर होने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर ने आकर माफी मांग ली। जिसके बाद जुर्माने सहित मामले का निराकरण कर दिया गया।

हाईकोर्ट का अहम फैसला

30 जून या 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुए कर्मी एक वेतनवृद्धि के हकदार

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि जो शासकीय कर्मचारी 30 जून या 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुए हैं, वे वार्षिक वेतनवृद्धि के पात्र हैं। यदि उन्होंने उस तिथि तक निष्कलंक एवं सतत सेवा पूर्ण कर ली है। चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायदृष्टांत का हवाला देते हुए विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उक्त लाभ देने के निर्देश दिए।

कटनी निवासी लल्ली राम कनौजिया व अन्य की ओर से अधिवक्ता वंदना त्रिपाठी ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता शिक्षा विभाग में पदस्थ थे। दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट ने यूनियन ऑफ इंडिया विरुद्ध एम सिद्धाराज व अन्य प्रकरणों में यह स्पष्ट किया है कि जब कोई सरकारी कर्मचारी एक वर्ष की सेवा पूर्ण करता है, तो वार्षिक वेतनवृद्धि का अधिकार उसी दिन उत्पन्न हो जाता है और यह अगले दिन से देय हो जाती है।

काले कोट का दुरुपयोग करने पर होगी सख्त कार्रवाई

विधि छात्र अधिवक्ता के गणवेश में अदालत परिसर न आएं, जिला बार एसोसिएशन ने चेतावनी दी

जबलपुर। जिला बार एसोसिएशन, जबलपुर ने काले कोट का दुरुपयोग करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। विधि छात्रों को भी चेतावनी दी है कि वे अधिवक्ता के गणवेश में अदालत परिसर में दाखिल न हों। ऐसा करते पाए जाने पर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष मनीष मिश्रा व सचिव ज्ञानप्रकाश त्रिपाठी ने वकीलों के गणवेश के दुरुपयोग की शिकायतें मिली हैं। साफ किया कि ऐसे लोगों पर कानूनी कारवाई होगी।विधि छात्रों को काले पेंट, सफेद शर्ट, काली टाई पहनकर आने की छूट है। इससे वकील और उनके बीच विभेद बना रहता है। ऐसी शिकायतें मिली हैं कि कई विधि छात्र एमपी स्टेट बार काउंसिल में पंजीयन के बिना ही वकील की भांति कोर्ट आने की गलती कर रहे हैं। यह तरीका गैर कानूनी है। किसी भी अदालत में इस तरह प्रवेश करना ठीक नहीं। नियमानुसार विधि छात्रों को उस अधिवक्ता का पहचना पत्र लेकर प्रवेश करना चाहिए, जिसके अधीनस्थ ट्रेनिंग कर रहे हैं। जिस बार उपाध्यक्ष मनोज तिवारी, महिला उपाध्यक्ष ज्योति राय, सह सचिव मनोज शिवहरे, कोषाध्यक्ष विनोद विश्वकर्मा, पुस्तकालय सचिव शैलेन्द्र यादव, कार्यकारणी सदस्य रवीन्द्र दत्त, प्रशांत नायक, अनुभव शर्मा (सीपू), अर्जुन साहू, दुर्गेश मनाना व मनोज तिवारी ने उम्मीद जताई है कि विधि छात्र गरिमा का परिचय देंगे।

कुंडम में दुर्घटना, 1 युवक गंभीर

एम्बुलेंस की टक्कर से 2 युवकों की मौत

हरिभूमि जबलपुर।

कुण्डम थाना अतंर्गत मोहनी तिराहा में एक एंबुलेंस ने एक बाईक को टक्कर मार दी, जिससे बाईक में सवार दो युवकों की मौत हो गई वहीं एक गंभीर रुप से घायल हो गया।

कुण्डम पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार चौरई कला निवासी 21 वर्षीय अमन कुलस्ते गत शाम लगभग 7.30 बजे 19 वर्षीय सूर्यचंद उर्फ किस्सू सिंह और 19 वर्षीय अजय आर्मो तीनों बाईक से नए घर से चौरईकला से पुराने घर चौरई जा रहे थे तभी मोहनी तिराहा में जबलपुर तरफ से आ रही एंबुलेंस क्रमांक सीजी 15 डीटी 5080 के चालक ने तेज गति से चलाते हुए अमन की मोटर सायकल में टक्कर मार दी, जिससे तीनों मोटर सायकल सहित गिर गये और तीनों को हाथ, पैर, सिर एवं शरीर में गम्भीर चोटें आ गयीं हैं। घायलों को उपचार के लिए कुण्डम अस्पताल लेकर गये जहां डाक्टर ने चैक कर अमन कुलस्ते को मृत घोषित कर दिया एवं घायल सूर्यचंद उर्फ किस्सू, अजय आर्मो को मेडिकल कॉलेज रिफर कर दिया, जहां पर सूर्यचंद उर्फ किस्सू की देर रात लगभग 12.15 बजे मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम मामला जांच में लिया है।

11 पौधों के साथ आरोपी गिरफ्तार, एक अन्य से 4 किलो ग्राम गांजा जप्त

सब्जी के खेत में लहलहा रही थी गांजे की फसल

जबलपुर। पनागर पुलिस ने नीलखेड़ा झुरझरु में खेत में हो रही गांजे की खेती पकड़ी, यहां से पुलिस ने 11 पौधे जब्त करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसी तरह गढ़ा पुलिस ने मेडिकल बालसागर तालाब के पास गांजा लेकर खड़े एक आरोपी को गिरफ्तार कर 4 किलो 845 ग्राम गांजा जब्त किया है। पनागर थाना प्रभारी जितेंद्र पाटकर ने बताया कि ग्राम झुरझरु निवासी 48 वर्षीय श्रीराम उर्फ नन्हू सिंह ठाकुर (गौंड़) अपने स्वयं के खेत में लगी सब्जी और चारा के बीच में गांजा के पौधे लगाए हुए था। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी के खेत मे दबिश दी, जहॉ काम कर रहा श्रीराम उर्फ नन्हू सिंह ठाकुर (गौंड़) पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने आरोपी को पकड़ा और खेत की तलाशी लेने पर खेत में लगी सब्जी एवं चारा के बीच में लगे गांजा के 11 हरे पौधे उखड़वाए गए। तौल कराने पर 4 किलो 200 ग्राम वजन का गांजा पुलिस ने जब्त कर लिया है। इसी प्रकार गढ़ा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बालसागर तालाब के पास गांजा लेकर खड़े बदनपुर शौचायल के पास गढ़ा निवासी 45 वर्षीय भूपेंद्रर सिंह को गिरफ्तार कर उसके पास से 13 हजार का 645 ग्राम गांजा जब्त किया है। बताया गया है कि आरोपी ईसीएल मलकाजगिरी थाना जिला रंगारेड्डी तेलंगाना का निवासी है जो वर्तमान में गढ़ा में रह रहा है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 8, 20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

पति-पत्नी के विरूद्ध धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज

पारिवारिक रिश्ते बनाकर बहाने से लिये 5 लाख

जबलपुर। एक जालसाज दंपत्ति ने अधारताल निवासी एक डेरी व्यवसायी से पहले तो पारिवारिक रिश्ते बनाये फिर लड़की की शादी करने और मकान निलाम होने का बहाना बनाकर 5 लाख रुपये ले लिये। पैसा मांगने पर आरोपी दंपत्ति लगातार बहाना बनाते रहे और टालमटोल करते रहे। पनागर की जिस जमीन को बेचकर पैसा चुकाने की बात कर रहे थे उस जमीन का एग्रीमेंट करने कई लोगों से पैसा ऐंठ लिया। पुलिस ने आरोपी दंपत्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। अधारताल पुलिस ने बताया कि डेयरी व्यवसायी आदित्य शुक्ला की लिखित शिकायत की जांच के दौरान शिकायत जांच पर पाया गया कि आदित्य शुक्ला एवं रामबली पटेल के आपसी संबंध अच्छे थे जिस कारण रामबली पटेल को जब पैसों की जरूरत पड़ती थी तो आदित्य शुक्ला से प्राप्त करता था रामबली पटेल का मकान बैंक में गिरवी था जिसकी किस्त जमा करने के लिये व बेटी की शादी करने को बोलकर उधार पैसे मांगे तो आदित्य शुक्ला द्वारा कभी 60 हजार रुपये, कभी 40 हजार रुपये कभी एक लाख रुपये इस प्रकार करके 4 लाख रुपये नगदएवं एक लाख रुपये यूको बैंक शाखा अधारताल के चैक के माध्यम से रामबली पटेल को दिये। रामबली पटेल द्वारा अपनी ग्राम शहजपुर तहसील मझौली में दर्ज भूमि खसरा नं. 26/2 पहन. 46 रा.नि.म. पौडा तह मझौली रकबा 0.55 हैक्टे जमीन को बेचने को बोला और आदित्य शुक्ला को उक्त जमीन खरीदने को बोला और उक्त जमीन की रजिस्ट्री करने को बोला तो उक्त जमीन का बाजार भाव में विक्रय अनुबध पत्र आदित्य शुक्ला के नाम पर तैयार किया गया लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी रामबली पटेल के द्वारा उक्त जमीन की रजिस्ट्री आदित्य शुक्ला के नाम पर नहीं की गई रूपये वापस मागने पर दिनाक 20 अक्टूबर 23 को ढाई-ढाई लाख रुपये का चेक क्र. 775335 रामबली के नाम का व दिनांक 16 अक्टूबर 23 को सुशीला पटेल के नाम का देना बैंक का चैक दिया गया दोनो चेक एसबीआई शाखा अधारताल में लगाया गया दोनों चैक से रूपये नहीं मिले, दोनों चौक गलत होने से वापिस हो गये। इसी तरह कई बार फर्जी चेक दिये जो बाउंस हो गये। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी पति-पत्नि रामबली पटेल एवं सुशीला पटेल के विरूद्ध धारा 420, 120बी, 34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

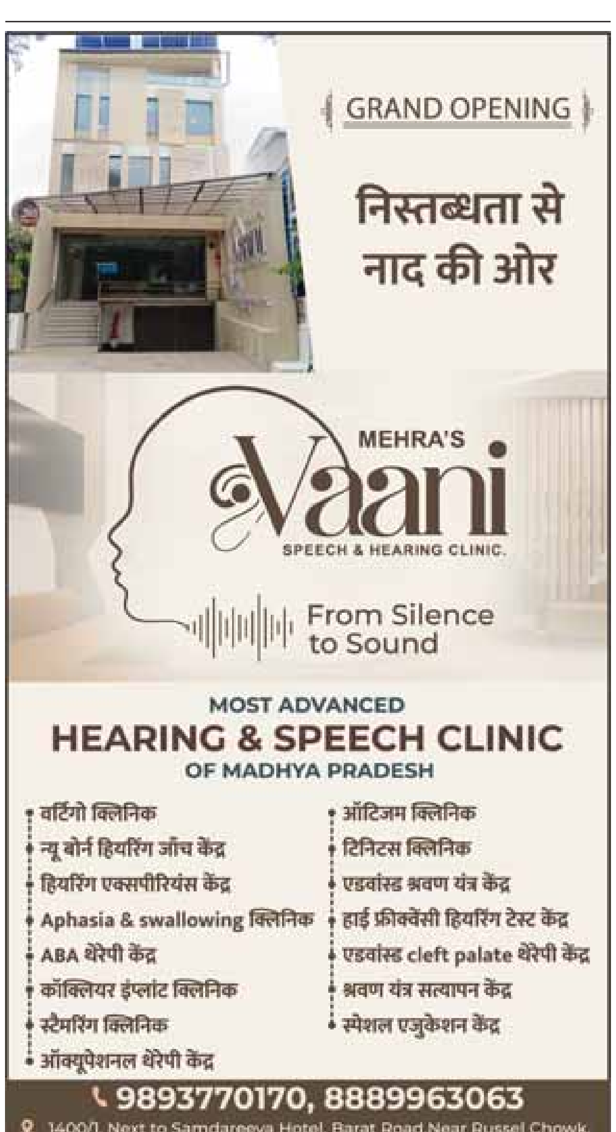

देश व किसान के खिलाफ है सुझाव : मोहिनी मिश्र

अमेरिका की टैरिफ की नीति पर क्यों घुटने टेक रहा नीति आयोग

हरिभूमि जबलपुर।

नीति आयोग ने भारत और अमेरिका के बीच कृषि व्यापार बढ़ाने की दृष्टि से एक वर्किंग पेपर जारी कर कुछ सिफारिशे की हैं। नीति आयोग ने अपनी सिफारिशों में कहा है कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत भारत को चावल, काली मिर्च, सोयाबीन तेल, झींगा, चाय, कॉफी, डेयरी उत्पाद, पोल्ट्री, सेब, बादाम, पिस्ता, मक्का और आनुवंशिक रूप से परिवर्तित (जीएम) सोया उत्पादों के लिए अपना बाजार खोल देना चाहिए। जिसको लेकर देश के सबसे बड़े किसान संगठन भारतीय किसान संघ को आशंका है कि ऐसा करना कृषि पर निर्भर 70 करोड़ भारतीयों के लिए जोखिम भरा कदम साबित हो सकता है। भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल द्वारा जारी विज्ञप्ति में अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि अमेरिका के साथ टेरिफ लड़ाई में नीति आयोग क्यो घुटने टेक रहा है। जब सरकार देश को तिलहन में स्वावलंबी बनाने की तैयारी में हैं, तब खाद्य तेल के आयात शुल्क में कमी करना अपने आप में एक विरोधाभासी निर्णय है। श्री मिश्र ने देश व किसान हितैशी नीति के खिलाफ नीति आयोग के सुझावों पर ऐतराज जताते हुये कहा कि नीति आयोग के सलाहकार अपनी सिफारिशों पर पुनर्विचार करते हुए सरकार की स्वावलंबन नीति के आधार पर आगे बढ़ने की तैयारी करें और किसान हितैशी विषयों को प्राथमिकता दें।

जी.एम. के आयात के पक्ष में नीति आयोग क्यों?

श्री मिश्र ने सवाल खड़े करते हुये कहा कि जी.एम. (सोया व मक्का) के आयात के पक्ष में सुझाव देनें का तर्क समझ से परे है। सर्वविदित है कि अमेरिका में जी.एम. सोया एवं मक्का दोनों को पशु खाद्य के रूप में उपयोग कर, कुछ मात्रा में इससे ईथेनॉल बनाया जाता है। ऐसे में इस उपज को भारत में आयात करने का सुझाव क्यों दिया है? श्री मिश्र ने आगे कहा कि देश में जब खाद्य संबंधी आयातित सामग्री के साथ नॉन जी.एम. सोर्स एवं नॉन जी.एम. सर्टिफिकेट जरूरी है, तब नीति आयोग के ये सुझाव कई गंभीर प्रश्न खड़े करते है।

अमेरिकी जी.एम मक्का आयात करने की सिफारिश क्यों?

सरकार ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य लेकर नीति बनाई थी और रिपोर्ट के मुताबिक हम 18.5 प्रतिशत इथेनॉल मिला चुके हैं। ऐसे में हम देश के किसानों से पैदा मक्का व गन्ना छोड़कर अमेरिकी जीएम मक्का को आयात करने का सुझाव किसान हितों के साथ टकराव दिखाता है। नीति आयोग के ऐसे अनीतिपूर्ण सुझावों में तुरंत सुधार होना चाहिये।

दबाव में झुकना देश के लिए अच्छा नहीं

महामंत्री श्री मिश्र ने कहा कि यदि नीति आयोग अमेरिकी टेरिफ वार में अपने को अक्षम मानता है तो उन्हें भारत के किसानों से सहायता मांगना चाहिए। भारत के छोटे-छोटे मेहनतकश किसान हिम्मत के साथ इन समस्याओं को सुलझाने का सामर्थ्य रखते है। जबकि बगैर जी.एम. के ही अभी तक हम सभी फसलों का आवश्यकता से अधिक उत्पादन कर चुके हैं। दलहन-तिलहन में सरकार की नीति साथ दें तो भारत को स्वावलंबी बनाने के लिए देश का किसान तैयार है। ऐसी स्थिति में किसी के दबाव में नीति आयोग का झुकना भारत के लिए अच्छा नहीं है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

अहमदाबाद की घटना के बाद उठने लगे सुरक्षा को लेकर सवाल

कितना सुरक्षित है जबलपुर हवाई अड्डा..?

अहमदाबाद में हुए हालिया एयर इंडिया विमान हादसे के बाद देशभर के हवाई अड्डों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। इसी क्रम में 450 करोड़ रुपये की लागत से बने जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था भी सवालों के घेरे में आ गई है।

हरिभूमि जबलपुर।

बीते वर्षों में यहां कई छोटी-बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं, जो किसी बड़े हादसे में तब्दील हो सकती थीं। गौरतलब है की करीब 750 एकड़ क्षेत्र में फैला डुमना एयरपोर्ट दिखने में भले ही अत्याधुनिक नजर आता हो, लेकिन हकीकत में यह कई गंभीर सुरक्षा खामियों से जूझ रहा है। एयरपोर्ट के आसपास जंगल होने की वजह से जंगली जानवर रनवे तक आ पहुंचते हैं। 4 फरवरी 2025 को ऐसा ही एक वाकया सामने आया जब एक सियार रनवे के पास घुस गया। उस वक्त रनवे पर एक प्राइवेट प्लेन खड़ा था। गनीमत रही कि सियार उड़ान या लैंडिंग के वक्त रनवे पर नहीं आया, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

मामूली बारिश में गिरा स्ट्रक्चर

27 जून 2024 को हुई भारी बारिश ने एयरपोर्ट की सुरक्षा दीवार को गिरा दिया। आनन-फानन में उसे पुनर्निर्मित किया गया, लेकिन यह घटना बताती है कि बुनियादी ढांचा कितना कमजोर है। अगस्त 2024 में बाहर लगी केनोपी तेज हवाओं में उखड़ गई और 3 मई 2025 को एयरपोर्ट का कांच का दरवाजा भी हवा के झोंकों से टूट गया। ऐसी घटनाएं एयरपोर्ट की निर्माण गुणवत्ता और प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

लगातार हो रहे छोटे बड़े हादसे

बीते कुछ वर्षों में डुमना एयरपोर्ट पर कई तकनीकी और सुरक्षा से जुड़ी घटनाएं सामने आई हैं। 19 दिसंबर 2023 को एलाइंस एयर के विमान की विंडस्क्रीन उड़ान के दौरान फट गई, जिसे पायलट ने सूझबूझ से हैंडल कर डुमना एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई। 12 जनवरी 2022 को दिल्ली से आई एयर इंडिया की फ्लाइट लैंडिंग के बाद रनवे से फिसल गई। विमान का पिछला टायर फट गया और वह अनियंत्रित होकर संकेतक लाइट तोड़ते हुए रनवे से बाहर चला गया। हालांकि, किसी यात्री को नुकसान नहीं हुआ। 4 दिसंबर 2015 को स्पाइस जेट की फ्लाइट मुंबई से डुमना पहुंची, तभी रनवे पर एक सुअर टकरा गया। विमान रनवे से उतर गया था, लेकिन यात्री बाल-बाल बच गए। इस घटना के बाद डीजीसीए ने एयरपोर्ट का लाइसेंस भी अस्थायी रूप से रद्द कर दिया था।

बोइंग विमानों के लिये अक्षम!

2 फरवरी 2023 को स्पाइसजेट ने जबलपुर समेत अन्य रूट्स पर अपने बोमबार्डियर विमानों को हटाकर बोइंग विमान तैनात किए थे। लेकिन महज एक महीने बाद 2 मार्च 2023 को कंपनी ने जबलपुर से सभी बोइंग उड़ानें अचानक बंद कर दीं और पूरी तरह से एयरपोर्ट से ऑपरेशन समेट लिया। यह फैसला भी इस एयरपोर्ट की क्षमता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है।

विस्फोट की धमकी से भी मचा था हड़कंप

2 सितंबर 2024 को इंडिगो की फ्लाइट में 69 यात्री और चार क्रू सदस्य सवार थे। उड़ान के दौरान वॉशरूम में क्रू मेंबर को एक कागज मिला, जिसमें नीले रंग से लिखा था विस्फोट 9। इस धमकी के बाद विमान की आपातकालीन लैंडिंग करवाई गई और सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी गई। हालांकि, बाद में यह एक फर्जी अलार्म निकला, लेकिन इससे यह जाहिर हुआ कि हवाई सुरक्षा व्यवस्था में कितनी बड़ी चूक हो सकती है।

वर्तमान में उपलब्ध उड़ान सेवाएं

फिलहाल जबलपुर एयरपोर्ट से दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, इंदौर, बिलासपुर, भोपाल और बेंगलुरु के लिए नियमित उड़ानें संचालित हो रही हैं। लेकिन बीते हादसों को देखते हुए यात्रियों के मन में लगातार यह सवाल बना हुआ है कि क्या डुमना एयरपोर्ट भविष्य में किसी बड़े हादसे का केंद्र बन सकता है?

ओमती नाले के पानी से सब्जियां की सिंचाई में प्रयुक्त 5 विद्युत मोटर जप्त

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देश पर प्रशासन के दल ने शनिवार को कछपुरा-लक्ष्मीपुर क्षेत्र में आकस्मिक कार्यवाही कर खेतों में लगी सब्जियों की सिंचाई करने ओमती नाले में लगाई गई पांच विद्युत मोटर को जप्त किया है। कार्यवाही तहसीलदार आधारताल संदीप जायसवाल के नेतृत्व में की गई।

कलेक्टर से मिले निर्देश पर एसडीएम अधारताल पंकज मिश्रा ने तहसीलदार आधारताल संदीप जायसवाल के नेतृत्व टीम गठित की। टीम में नगर निगम के संभागीय कार्यालय के मुख्य स्वच्छता निरीक्षक विष्णुकांत दुबे, उद्यानिकी विभाग के अधिकारी, खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी, पटवारी सौरभ शर्मा एवं आजाद पटेल को भी शामिल किया गया।

तहसीलदार आधारताल संदीप जायसवाल के अनुसार कार्यवाही के दौरान पाया गया कि ओमती नाले से लगकर लक्ष्मीपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 78 एवं 79 की कृषि भूमि पर सिकमीधारक श्रीमती अनीता पटेल पति ईश्वर पटेल, किशन पटेल पिता छोटेलाल पटेल व अन्य द्वारा विद्युत मोटर पंप लगाकर नाले के पानी से सब्जियों की फसल पर सिंचाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि मौके से सब्जियों की सिंचाई में प्रयुक्त पाँच विद्युत मोटरों को जप्त कर लिया गया है और पंचनामा बनाकर नगर निगम के कछपुरा संभाग कार्यालय की सपुर्द कर दिया गया है।

दिव्यांग यात्रियों के लिए रेलवे ने जारी किया रियायत कार्ड

जबलपुर। भारतीय रेलवे, विशेष रूप से जबलपुर मंडल, दिव्यांग यात्रियों को सुलभ, सुरक्षित और किफायती यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा के नेतृत्व में नवंबर 2024 से अब तक कुल 848 दिव्यांग रियायत कार्ड जारी किए जा चुके हैं। यह पहल दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें रेल यात्रा में अधिक सुविधा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। जबलपुर मंडल दिव्यांग सेल के प्रभारी धनराज पटेल के अनुसार, रेलवे द्वारा दिव्यांग यात्रियों को 25 प्रतिशत से लेकर 75 प्रतिशत तक किराये में छूट प्रदान की जाती है। यह छूट विशेष रूप से दृष्टिहीन, मानसिक रूप से अस्वस्थ, श्रवण एवं वाणी बाधित तथा ऑर्थोपेडिकली हैंडिकैप्ड यात्रियों के लिए लागू है। पूर्व में इन चारों श्रेणियों के लिए रेलवे रियायत प्रमाणपत्र हेतु एक ही प्रारूप (फॉर्म) का उपयोग होता था। परन्तु वर्ष 2025 से रेलवे ने दृष्टिहीन यात्रियों के लिए अलग प्रारूप (एनेक्सचर-1) तथा मानसिक रूप से अस्वस्थ, श्रवण एवं वाणी बाधित तथा ऑर्थोपेडिकली हैंडिकैप्ड यात्रियों के लिए अलग प्रारूप (एनेक्सचर-2) जारी किया है। विशेष रूप से अब दृष्टिहीनता की 90 प्रतिशत या उससे अधिक स्तर पर भी रियायत का प्रावधान किया गया है, जो दृष्टिबाधित यात्रियों के लिए एक बड़ी राहत है।

चौथी सब-जूनियर ड्यूबॉल चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश टीम सेमी फाइनल में

जबलपुर। चौथी सब जूनियर ड्यूबॉल चैंपियनशिप का आयोजन नागपुर (विदर्भ) में 13 से 15 जून 2025 तक किया गया। इस प्रतियोगिता में देश की लगभग 20 टीमों ने भाग लिया, जिसमें मध्य प्रदेश की बालक एवं बालिका टीम भी शामिल रही। प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश की बालिका टीम ने अपने पूल के पहले मैच में तमिलनाडु को 00/01 के स्कोर से हराया, दूसरे मैच में महाराष्ट्र को 00/06 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में छत्तीसगढ़ को 00/02 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं मध्य प्रदेश की बालक टीम ने अपने पूल के एक मैच में पराजित होकर एवं दो मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश को 04/02 के स्कोर से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टीम के प्रशिक्षक हरमिंदर सिंह ढिल्लो और मैनेजर पलक चंसोरिया हैं। टीम के इस प्रतियोगिता के प्रदर्शन के लिए फाउंडर फिरोज खान, टेक्निकल अध्यक्ष सादिक खान, मनमोहन व्यास गुजरात, हंमसा केरला, सचिव रजनीश जैन, एस बाथम, सनातन धर्म स्कूल प्राचार्य श्रीमती मौलश्री दुबे, श्री गुरु नानक पूर्व प्रशिक्षक रणजीत कौर, कुलदीप कौर, सेंट्रल एकेडमी डायरेक्टर डी.के. शुक्ला , सेंट अलायसियस स्पोर्ट्स ऑफिसर हरीश दुबे, जगपाल सिंह, परमजीत सिंह, डॉ. रोहित वर्मा, गगनदीप वालिया, प्रमोद विश्वकर्मा, राजेश यादव, रमाकांत साहू, संगीता तिवारी, दुर्गा तिवारी, अनीता साहू, मनसुख राजपूत, ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

साहू समाज के प्रतिभाशाली बच्चों, वरिष्ठ समाज सेवियों का सम्मान आज

जबलपुर। जिला साहू समाज एवं साहू वैश्य समाज के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को शहीद स्मारक गोलबाजार के प्रेक्षागृह में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के मुख्य आतिथ्य एवं प्रभात साहू की अध्यक्षता में समाज के प्रतिभाशाली बच्चों एवं वरिष्ठ समाज सेवियों का सम्मान एवं साहू समाज की वैवाहिक पत्रिका 'प्रयास' का विमोचन समारोह आयोजित किया गया है, सभी स्वाजातीय बंधुयों से उपस्थिति की अपील राधेश्याम साहू, उदयभान साहू, वीरेंद्र साहू, डी.के. साहू, रवि साहू सहित अन्य ने की है।

तालाब में कब्जे का आयोग ने लिया संज्ञान

जबलपुर। जिले के घाट पिपरिया गांव में सन-1939 में बने तालाब में गांव के दबंगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा करने का मामला सामने आया है। गत दिनों गांव के सैकड़ों ग्रामीण विरोध स्वरूप ढोल-नगाड़े लेकर संभागीय कमिश्नर कार्यालय पहुंचे, उन्होंने अपने गांव के तालाब में हुये कब्जे को लेकर शिकायत की। तालाब में मनरेगा योजना के तहत लाखों रूपये का काम हुआ था, लेकिन तालाब पर हुये अवैध कब्जे के कारण ग्रामीण तालाब के पानी का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे है। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि, समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर जनहित में मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में प्रकरण की सुनवाई करते हुए, सदस्य राजीव कुमार टंडन की एकलपीठ ने मानव अधिकारों के उल्लंघन का मामला मानकर जबलपुर के कलेक्टर से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

वाटर केनन से पुलिस ने कांग्रेसियों को खदेड़ा, कई गिरफ्तार

महानद्दा में दिखा फ्लाईओवर लोकार्पण का द्वंद

हरिभूमि जबलपुर।

जबलपुर में बन रहे मप्र के सबसे बड़े फ्लाईओवर के लोकार्पण को लेकर शनिवार को सियासत का पारा हाई रहा। कांग्रेस और भाजपा के बीच लोकार्पण को लेकर चल रहे वाक युद्ध के बीच कांग्रेस ने अपनी पूर्व घोषणा के मुताबिक शाम 4 बजे लावलश्कर के साथ दशमेश द्वार पहुंचकर लोकार्पण करने की कोशिश की यहां पर महानद्दा के पहले ही पुलिस ने बेरीकेटिंग कर रखी थी। कांग्रेसियों का हुजूम आगे बढ़ पाता इससे पहले पुलिस ने वॉटर केनन चलानी शुरु कर दी। कांग्रेसी नारे लगाते रहे, जनता का फ्लाईओवर जनता करेगी लोकार्पण। इस बीच बड़ी संख्या में पुलिस ने कांग्रेसियों को भी गिरफ्तार किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने इसे सत्ता पक्ष की मनमानी और पुलिस बल के सहारे लोकतंत्र की हत्या निरुपित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेसजन शांतिपूर्वक लोकार्पण करने जा रहे थे पुलिस बल ने उन्हें रोका और बलपूर्वक गिरफ्तारी भी की। दरअसल कांग्रेस ने फ्लाईओवर के लोकार्पण में हो रही देरी पर कांग्रेस ने इसे भाजपा नेताओं के बीच चल रही श्रेय की लड़ाई बताते हुए जनता का फ्लाईओवर जनता करेगी लोकार्पण नारे के साथ लोकार्पण आंदोलन की घोषणा की थी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बड़ी तदाद में कांग्रेसजन आदि शंकराचार्य चौराहे (छोटी लाईन फाटक) में एकत्रित होने लगे थे। इधर दूसरी ओर महानद्दा के पास पुलिस ने सख्त बेरीकेटिंग कर रखी थी। वाटर केनन, दंगानिरोधक वाहन, व्रज सहित भारी तदाद में पुलिस बल तैनात था। कांग्रेसजनों का जैसे ही काफिला आगे बढ़ा पुलिस बल ने उन्हें रोक लिया। कांग्रेसियों ने नारे बाजी शुरु की और आगे बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने वाटर केनन (पानी की बौछारे) शुरु कर दी। भीड़ को तितरबितर करने के लिए पुलिस ने बल का प्रयोग करने की कोशिश भी की। उसके बाद कुछ कांग्रेसियों की गिरफ्तारी भी हुई, जिसके बाद उन्हें मुचलके पर रिहा कर दिया गया।

बहुत दिनों बाद एकजुट दिखी कांग्रेस

प्रदर्शन में बहुत दिनों बाद एकजुट दिखी कांग्रेस, भीड़ में सम्मानजनक स्थिति थी। बहुत दिनों बाद कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठों के लोग और कांग्रेस पार्षद दल के सदस्य प्रदर्शन में नजर आए। जो कुछ बड़े चेहरे नदारद थे उनके बारे में बताया गया कि वे संगठन सृजन अभियान के तहत अपने अपने प्रभार वालें जिले में पर्यवेक्षक के तौर पर बाहर थे। लिहाजा उनके प्रतिनिधियों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा, अभिषेक चौकसे चिन्टू, पूर्व विधायक संजय यादव, नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, पार्षद दल के सचेतक अयोध्या तिवारी, पार्षद संतोष पंडा, अलोक मिश्रा, पार्षद हर्षित यादव, गुड्डू नवी, अतुल बाजपेयी, सतीश तिवारी, सतेंद्र चौबे, मनीष पटेल, अनुज श्रीवास्तव, प्रवीन्द्र सिंह चौहान, एनएसयूआई अध्यक्ष सचिन रजक, ब्लॉक अध्यक्ष गुड्डू चौबे, सुशीम धर, कपिल श्रीवास्तव, रज्जू सराफ, सहित तमाम कांग्रेसजन मौजूद थे।

नो एंट्री में शहर के बीच चल रहीं सवारी बस

रसल चौक में बस से बड़ी दुर्घटना टली

जबलपुर। शहर के बीचों बीच वयस्त क्षेत्र में नो एंट्री के समय भारी वाहन प्रवेश कर रहे है। कल दोपहर में एक यात्री बस प्रतिबंध के समय नो एंट्री के समय में प्रवेश कर गई, जिससे दुर्घटना होते होते बची। भारती मानव अधिकार समिति जिला अध्यक्ष विवेक शुक्ला ने प्रतिबंध के समय शहर के बीच आने वाले भारी वाहनों को अनुमति देने वाले ट्रैफिक कर्मियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

श्री शुक्ला ने बताया है कि रसल चौक, पुराने बस स्टैंड, मॉडल रोड, मानस भवन,महारानी लक्ष्मी बाई स्कूल मार्ग में अवैध भारी वाहनों का कब्जा बना रहता है, आए दिन राहगीरों को रौंदने से घटनाएं हो रही है। दूसरी तरफ इन भारी वाहनों की सुधारने के लिए मिस्त्री सड़कों पर ही दुकान लगा लेते है। बिना परमिट के सवारी को लाने ले जाने का काम आरटीओ की आंखों के नीचे हो रहा है। बिना परमिट के चल रही यह अवैध बसें ऊपरी कमाई का साधन बनी हुई है वहीं जनता के लिए भारी परेशानी बनी हुई है। कल दोपहर में बस क्रमांक एमएच 49/ जे 0017 से अनेक जनता मरने से बची। रसल चौक में बेलगाम इस वाहन को समाज सेवक विवेक शुक्ला ने रोक कर निर्धारित समय पर ही शहर के अंदर आने की चेतावनी दी। भारती मानव अधिकार समिति के प्रदेश अध्यक्ष अटल उपाध्याय, योगेंद्र मिश्रा, विनय नामदेव, मंसूर बेग, सूर्यकांत गुप्ता, अरविंद दुबे ने प्रतिबंधित नो एंट्री समय में में शहर के अंदर भारी वाहनों पर रोक लगाने के साथ अनुमति देने वाले ट्रैफिक कर्मी को तत्काल निलंबित करने की मांग की है।

नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के कटे चालान

यातायात सुधारने मैदान में उतरी पुलिस

जबलपुर। शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने और आम रोड पर पार्किंग करने के साथ साथ अमानक नम्बर के वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही की गई लोगों को यातायात के नियमों का पालन करने लोगों को जागरुक किया। उप पुलिस अधीक्षक यातायात मालवीय चौक श्री संतोष कुमार शुक्ला,, यातायात गढ़ा श्री बैजनाथ प्रजापति, यातायात घमापुर श्रीमति संगीता डामोर के नेतृत्व में यातायात पुलिस एवं नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा षहर के मुख्य मार्गो में किये गये अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया है। मालगोदाम चौक में हाथ ठेले, टपरे वालों के द्वारा किये गये अतिक्रमण, मालवीय चौक, सुपर मार्केट, कटंगी बाईपास, एकता मार्केट, अंधमूक बाईपास के पास किये गये अस्थाई अतिक्रमण को यातायात पुलिस द्वारा हटवाया गया। अतिक्रमण कार्यवाही दौरान पैदल भ्रमण कर मार्ग में वाहनों की सुव्यवस्थित पार्किंग करवाया गया, एवं आम रोड पर खतरनाक तरीके से एवं नो पार्किंग में खड़े वाहन एवं अमानक नम्बर प्लेट, सीट बेल्ट, हेलमेट न पहनने वाले के विरूद्व मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही की गई है। कटंगी बाईपास, एकता मार्केट बायपास हाईवे मार्ग में चलने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई है, इसके अतिरिक्त घमापुर चौक, रद्दी चौकी में खड़े होने वाले ईरिक्शा वाहन चालकों को यातायात निमयों से अवगत कराया जाकर हिदायत दी गई कि निर्धारित रूट अनुसार ही शहर में चलना सुनिश्चित करें अन्यथा कार्यवाही की जावेगी।

छुटपुट वर्षा के आसार, उमस बरकरार

छत्तीसगढ़ के रास्ते आ रहे मानसूनी बादल

जबलपुर। मानसून फिलहाल महाराष्ट्र में स्थिर है। अगले दो दिनों में मानसून के आगे बढ़ने की अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो गोंदिया से होते हुये छत्तीसगढ़ के रास्ते पूर्वी मध्य प्रदेश में मानसून प्रवेश करेगा. फिलहाल 72 घंटे बाद ही मानूसनी हलचल शुरु होगी।

शनिवार को सुबह से मौसम शुष्क रहा, दोपहर बाद छाए और हवाएं चलने लगीं। कुछ देर के लिये बूंदाबांदी हुईं। उसके बाद उमस बढ़ गई। शनिवार को भी पारा 40 डिग्री के पार रहा। स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक मौसम बहुत जल्द अब करवट लेगा। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकत्तम तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक और न्यूनतम तापमान 28.8 डिग्री सेल्सियस 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातः काल 55 प्रतिशत और सायंकाल 64 प्रतिशत आंकी गई। पिछले वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 42.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। सूर्योदय सुबह 5.24 मिनिट पर और सूर्यास्त शाम 6.57 मिनिट पर हुआ। दक्षिण पूर्वी हवायें 4 से 5 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली। प्रदेश में सबसे अधिक 45 डिग्री तापमान खजुराहो में दर्ज किया गया। अगले 24 घंटों के दौरान तेज हवाओं के बीच जिले में कहीं कहीं वर्षा या गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

खबर संक्षेप

रोटरी डिस्ट्रिक्ट का नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर आज

जबलपुर। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 द्वारा आगामी रोटरी सत्र 2025-26 के लिए अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्षों के प्रशिक्षण हेतु एक दिवसीय शिविर रोटरी क्लब ऑफ़ जबलपुर संस्कारधानी के तत्वावधान में 15 जून 2025, रविवार को प्रातः 9 बजे से होटल सत्य अशोका, जबलपुर में आयोजित है। इस प्रशिक्षण सत्र में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा के वरिष्ठ रोटेरियनगण अपने अनुभवों से मप्र के नव-मनोनीत क्लब पदाधिकारियों का मार्गदर्शन करेंगे। यह शिविर रोटरी के नेतृत्वकर्ताओं को उनके आगामी दायित्वों के निर्वहन हेतु तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 के मीडिया चेयरमेन रोटे. नितिन जैन द्वारा दी गई। इस अवसर रोटरी क्लब संस्कारधानी के अध्यक्ष रोटे. सुनील जसवानी, सचिव रोटे. पारस मखीजा व कोषाध्यक्ष रोटे. मनीष बजाज उपस्थित रहे।

डॉ. आम्बेडकर जनसेवा पार्टी की सभा आज

जबलपुर। डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर जनसेवा पार्टी के अध्यक्ष शारदा प्रसाद चौधरी ने बताया कि 15 जून को मध्यान्ह 12.30 बजे से बादशाह हलवाई मंदिर के पास रामसिपाही सेठ के निवास पर पार्टी की सभा आयोजित है। सभा के मुख्य अतिथि मोतीलाल साधु होंगे, अध्यक्षता प्रेम अहिरवार करेंगे। संस्था के रामसिपाही सेठ, मोतीलाल साधु, दिनेश अहिरवार, प्रेमलाल अहिरवार, रवि चौधरी, राकेश चौधरी, विनोद गौतम, सतीश परोचे, संतोष निडार, कोमल सेठ, दुर्गा देवी, मुकेश बागड़ा, तुलसीराम चौधरी, श्यामलाल चौधरी, लखन खरे, ओमनाथ, गनेश प्रसाद चौधरी, सियाबाई, मीनाबाई, रामबाई, सीताबाई, रामकली, चंदाबाई, नरबद बाई, लक्ष्मीबाई, श्यामाबाई सहित अन्य ने सभा में उपस्थिति की अपील की है।

ब्लॉक कांग्रेस सिहोरा की बैठक 17 को

सिहोरा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी विधानसभा सिहोरा की बैठक 17 जून को प्रातः 10 बजे से यशराज होटल खितौला में जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के मार्गदर्शन में होने वाली बैठक में संगठन सृजन कार्यक्रम पर चर्चा होगी इस बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक रवि बहादुर सिंह,विधायक हरिद्वार, पीसीसी के पर्यवेक्षक रजनीश सिंह विधायक केवलारी,सुनील जैन पूर्व विधायक सागर,निलेश जैन जिला अध्यक्ष ग्रामीण की उपस्थिति में बैठक होगी।ब्लॉक अध्यक्ष सिहोरा बिहारी पटेल ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के बैठक में पहुंचने की अपील सभी जिला पदाधिकारी,पूर्व विधायक, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी, मंडलम अध्यक्ष, सेक्टर अध्यक्ष, बीएलए एंव सभी वरिष्ठ कांग्रेस जन, पार्षद, सेवादल, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, युवक कांग्रेस, अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से की है।

केंद्रीय जेल में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

जेल में रहते हुए भी सौभाग्यशाली हैं बंदी : सुरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज

हरिभूमि, जबलपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस केंद्रीय जेल में शनिवार से श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ हुई। जिसमें शिव मंदिर कचनार सिटी विजय नगर के मुख्य आचार्य एवं मां दक्षिणेश्वरी धाम के संस्थापक सुरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी बड़े पुण्यवान हैं, जो जेल में बंद होते हुए भी आप लोगों को श्रीमद् भागवत महापुराण कथा श्रवण करने का सौभाग्य मिला है। क्योंकि कितने लोग जेल के बाहर सामान्य जीवन जीते हुए भी भागवत कथा का श्रवण नहीं कर पाते और आपको यह सहज ही प्राप्त हो रहा है। इसीलिए आप लोग सौभाग्य शाली हैं।श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण मात्र से जीव के सभी पापों का नाश हो जाता है।

जेल के अंदर निकली शोभायात्रा-

श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ पर सर्वप्रथम नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पूर्वी खंड में बैंड बाजों के साथ भक्तिमय वातावरण में शोभा यात्रा निकाली गई।जिसमें जेल के अधिकारी कर्मचारियों के साथ बंदी भगवान श्री कृष्ण के जयकारे लगाते हुए शामिल हुए।

यह रहे उपस्थित-

कथा में जेल अधीक्षक अखिलेश तोमर ने शास्त्री जी का पुष्प माला पहना कर स्वागत किया। इस दौरान उप जेल अधीक्षक मदन कमलेश, रूपाली मिश्रा, सहायक जेल अधीक्षक अंजू मिश्रा, प्रशांत चौहान, हिमांशु तिवारी, ओम प्रकाश दुबे सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। पूजन अर्चन अमित शास्त्री ने संपन्न कराया।

बाबा चाँद शाह वली का 28वां सालाना उर्स 22 जून से

जबलपुर। उपरैनगंज मौलाना की गली स्थित हजरत बाबा चाँद शाह वली के 28वें सालाना उर्स की तैयारियां ज़ोरों पर हैं, तीन दिवसीय कार्यक्रम का आगाज़ 22 जून को नमाज़ मग़रिब के बाद कुरान ख्वानी से होगा। कमेटी के अध्यक्ष ताहिर खान ने बताया कि 23 जून को दोपहर 03 बजे मरहूम वली मोहम्मद के निवास से सन्दल जुलूस निकाला जाएगा, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होकर दरगाह पर पहुंचेगा, जिसके उपरांत मजार शरीफ पर चादर पोशी और सन्दल पेश किया जाएगा। नमाज़ मग़रिब के बाद लंगर तकसीम किया जाएगा एवं बाद नमाज नमाज़ इशा मिलाद शरीफ एवं तकरीर का आयोजन होगा। उर्स का समापन 24 जून को रात 10 बजे कोतवाली स्थित अग्रवाल धर्मशाला के सामने शानदार कव्वाली और स्वागत सम्मान समारोह के साथ होगा, जहाँ मशहूर कव्वाल अपने कलाम पेश करेंगे और विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले व्यक्तियों का सम्मान भी किया जाएगा।

श्री सुप्तेश्वर गणेश मंदिर में हुआ विशेष आयोजन

मनोकामना पूर्ण करने श्रीगणेश मंदिर में भक्तों की लगी कतार

जबलपुर। श्री सुप्तेश्वर गणेश मंदिर रतन नगर रोड मदन महल में शनिवार को श्री गणेश चतुर्थी के शुभ मुहूर्त पर श्री सुप्तेश्वर गणेश भगवान का 1001 पुष्पों, फल, मेवों, मिष्ठान से अभिषेक, अर्चन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में गणेश भक्तों ने श्रद्धा और भक्ति भाव से अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए श्री गणेश भगवान का अभिषेक, पूजन अर्चन कर महाआरती कर धर्म लाभ लिया। श्रीमती जानकी प्रशांत पुणेकर द्वारा महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया। श्री सुप्तेश्वर विकास समिति के अध्यक्ष विजय चौधरी, अनिल सिंह सचिव, राकेश पटेल कोषाध्यक्ष, प्रदीप जानी, लखन मिश्रा, रामेश्वर चौबे, विजय सोनी, अशोक शर्मा, मोहन अग्रवाल, विनय खरे, ललिता अग्रवाल, अलका जानी, मुन्नी मिश्रा, सीमा सिंह (जुग्गी) सीमा रॉय, सुनीला खरे सहित बड़ी संख्या में गणेश भक्त उपस्थित रहे। पूरे दिन भक्तों की भीड़ मंदिर में रही।

कॉलेज चलो अभियान का द्वितीय चरण प्रारंभ, विद्यार्थियों को दी जा रही जानकारी

जबलपुर। उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन के निर्देशानुसार सत्र 2025-26 'कॉलेज चलो अभियान' का द्वितीय चरण प्रारंभ किया जा रहा है। प्रो. अरुण शुक्ल, नोडल अधिकारी "कॉलेज चलो अभियान" ने आज बताया कि शासन की मंशानुसार कॉलेज चलो अभियान चलाया जा रहा है। योजना का मुख्य उददेश्य है कि 12वीं के पश्चात कोई भी विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। 12वीं के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल महाविद्यालय, जबलपुर की विभिन्न शासकीय योजनाओं, छात्रवृत्तिओं, बस सुविधा एवं ऑनलाइन ई-प्रवेश प्रकिया की जानकारी दी जा रही है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुवेर्दी द्वारा बताया गया कि 'कॉलेज चलो अभियान' शासन की महती योजना है। प्रवेष समन्वयक डॉ. रामेश्वर झारिया ने बताया कि विद्यार्थी प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में प्रवेश हेतु उत्सुक है। प्रथम चरण में महाविद्यालय की लगभग 2534 सीटों पर विद्यार्थियों ने अपना प्रवेश लिया है।

भूतपूर्व छात्र परिषद की बैठक सम्पन्न

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा की भूतपूर्व विद्यार्थी परिषद की बैठक शनिवार को आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता परिषद की अध्यक्ष प्रो अरुणा पांडे द्वारा की गई। बैठक में संयुक्त सचिव प्रभात कुररिया द्वारा पूर्व की बैठक की कार्यवाही एवं निर्णयों के वाचन किया गया। तथा अजय तिवारी द्वारा वर्ष 2025-26 का लेखा प्रस्तुत किया । आयोजन में परिषद के पंजीयन नवीनीकरण,विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जाने,छात्राओं की मानसिक समस्याओं पर केंद्रित व्याख्यान आयोजित किये जाने एवं परिषद की ओर से ग्रंथालय में वाटर कूलर दान किये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक रमेश पटेल, ब्रजमोहन कुररिया, घनश्याम बड़गैयाँ, अभय ब्यौहार, डॉ मनोज श्रीवास्तव उपस्थित थे।

मानसून के दौरान बिजली ट्रिपिंग रोकने टीम गठित

जबलपुर। भारी गर्मी के बावजूद भी अन्य शहरों की तुलना में जबलपुर में बिजली की ट्रिपिंग बहुत ही कम हुई है। इससे यह दर्शित होता है कि जबलपुर में बिजली का मेंटेनेंस बहुत ही अच्छा हुआ है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी कठिनाईयों का सामना नहीं करना पड़ा है। अतः सभी बिजली कर्मियों को धन्यवाद है, इस आशय का पत्र नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने जबलपुर सर्किल के मुख्य अभियंता तथा अधीक्षण अभियंता को सौंपा। अधीक्षण अभियंता संजय अरोरा ने बताया कि मानसून में आंधी तूफान से ट्रिपिंग की घटनाएं बढ़ती है, अतः एक विशेष निगरानी टीम गठित की है, जो तत्काल उपभोक्ता को मदद पहुंचा सके।इस अवसर पर डॉ. पीजी नाजपांडे, रजत भार्गव, एड.वेदप्रकाश अधौलिया, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे, यशवंत कोष्टा, ब्रजेश साहू आदि उपस्थित थे।

मिशन हेल्थ क्लब के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक खेल संघ के जिला अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि अभी हाल ही में नागपुर में आयोजित पश्चिम भारत महिला एवं पुरुष स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग एवं इनक्लाइन बैंच प्रेस चैंपियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मिशन हेल्थ क्लब के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए, बादल सिंह परिहार ने सीनियर वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीतकर संस्कारधानी का नाम रोशन किया, वहीं महिला वर्ग में रेशम खनूजा ने इनक्लाइन बैंच प्रेस में रजत पदक जीता और राजा बाबू ने इनक्लाइन बैंच प्रेस में स्वर्ण पदक जीतकर मिशन हेल्थ क्लब के साथ ही संस्कारधानी का नाम रोशन किया। ये सभी खिलाड़ी कोच लॉरेंस मार्टिन के मार्गदर्शन में अभ्यासरत हैं। उनकी इस उपलब्धि पर आलोक मिश्रा, लॉरेंस मार्टिन, दिनेश राव, रॉबर्ट मार्टिन, दीनू स्वामी, अनूप शर्मा, मनीष बघेल, राकेश श्रीवास, दिनेश गोंड, राजेश सहारिया आदि ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

फेडरेशन की बैठक में पदाधिकारियों का आव्हान

शक्ति भवन को बचाने फेडरेशन को शक्तिशाली बनाएं

जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने फेडरेशन के सभी वरिष्ठ जनों, पदाधिकारियों और सदस्यों से अनुरोध किया है कि फेडरेशन को मजबूत और अधिक क्रियाशील करने सभी को जोड़े। उन्होंने कहा कि शक्ति भवन की शक्ति को बचाने और इसे शक्ति सम्पन्न बनाएं रखने सभी संगठनों को मिलकर मजबूती के साथ इसका विरोध करना चाहिए। हम सबको फेडरेशन को भी अधिक शक्ति सम्पन्न बनाना चाहिए।

राकेश पाठक ने शासन, ऊर्जा विभाग और सभी प्रबंध निर्देशकों से आग्रह किया है कि सभी संविदा कार्मिकों को नियमित करें। सभी आउट सोर्स कर्मचारियों को खाली पड़े पदों पर रखा जाए। इनका वेतन सीधे बिजली कंपनियों द्वारा दिया जावे। सभी कंपनियां में शीघ्र बीमा योजना लागू की जाये और इसमें आउट सोर्स कार्मिकों को भी शामिल किया जाए। लाइनों पर तकनीकी काम करते समय दुघर्टना से असमय मृत्यु होने वाले आउट सोर्स कार्मिकों के परिवार को बिजली कंपनियों द्वारा बीस लाख रुपए की राशि का भुगतान और अनुकम्पा नियुक्ति दी जाना चाहिए। इस अवसर पर आर के अग्रवाल, प्रमोद कुमार साहू,मनोज पाठक, दिनेश कुमार गोस्वामी, सतेन्द्र सुहाने, एच एम मंसूरी, राजेश मिश्रा, दीपक मेमने, दीपक बृजपुरिया, विनय पाठक, अजय चौवे, सहित बड़ी संख्या में फेडरेशन के साथीगण उपस्थित थे।

प्राकृतिक खेती अपनाने से तीन से चार लाख रुपये की हो रही अतिरिक्त आय

जबलपुर। वर्तमान समय में जब खेती में रासायनिक खाद और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग हो रहा है, तब प्राकृतिक खेती एक स्वच्छ, सस्ता और टिकाऊ विकल्प बनकर उभर रही है। यह खेती का ऐसा तरीका है जिसमें किसान प्रकृति के खिलाफ नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ मिलकर काम करता है। प्राकृतिक खेती में रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों एवं बाहरी संसाधनों का उपयोग नहीं किया जाता, बल्कि इसके विकल्प के रूप में गौमूत्र, गोबर, पत्तियां, जैविक अपशिष्ट आदि स्थानीय संसाधनों का उपयोग किया जाता है। उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम ने यह जानकारी देते हुये बताया कि सिहोरा विकासखण्ड के खितौला बाजार के किसान राकेश पहारिया इसका एक अच्छा उदाहरण है। उन्होंने बताया कि श्री पहारिया द्वारा पिछले तीन-चार वर्षों से अपनी चार एकड़ कृषि भूमि में से तीन एकड़ में प्राकृतिक खेती की जा रही है। प्राकृतिक खेती अपनाने से उनके खेत में न केवल मृदा के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है, बल्कि रासायनिक खाद और कीटनाशक उपयोग ना करने से खेती की लागत में भी कमी आई है।

उप संचालक कृषि के मुताबिक कृषक राकेश पहारिया प्राकृतिक खेती अपनाकर विभिन्न प्रकार की मौसमी सब्जियां, फूलों एवं फलों का उत्पादन कर रहे हैं तथा धान, मूंग एवं उड़द आदि की फसल भी ले रहे हैं।

सुहागी करमेता मंडल में विकसित भारत संकल्प सभा संपन्न

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के अमृत काल में सेवा,सुशासन और गरीब-कल्याण के प्रति समर्पित अविस्मरणीय कार्यकाल के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर पनागर विधासभा के सुहागी करमेता मंडल में विकसित भारत संकल्प सभा आयोजित कर मोदी सरकार की जनहितकारी योजनाओं, दूरदर्शी नीतियों एवं सुशासन के ऐतिहासिक मॉडल पर संकल्प सभा मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा बीते 11 वर्षों भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए गए ऐतिहासिक प्रयासों पर केंद्रित रही। इन 11 वर्षों ने भारत को गरीब, किसान,महिला और युवा के सशक्तिकरण के साथ-साथ वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास से खड़ा किया है। उक्त संबोधन भाजयुमो उपाध्यक्ष हर्ष इंदु तिवारी ने संबोधित करते हुए कहा इस अवसर डॉ सुभाष तिवारी आनंद साहू मंडल अध्यक्ष लखन देवानी विजय ठाकुर सहित समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थिति रहे।

श्री गज्जन सिंह- मदनमहल स्थित अशोका अपार्टमेंट के पीछे वाली गली निवासी बलजीत सिंह (यूएसए) के पिता श्री गज्जन सिंह उर्फ बाबा जी (94) का निधन हो गया। अंतिम यात्रा आज सुबह 11 बजे गुप्तेश्वर मोक्षधाम की ओर प्रस्थान करेगी।

श्री जीतेंद्र कठेरिया- सुभाष नगर अधारताल निवासीश्री जीतेंद कठेरिया (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुरेश राठौर- वल्दी कोरी की दफाई आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री सुरेश राठौर (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री टेक बहादुर- चैतन्य सिटी तिलहरी निवासी श्री टेक बहादुर (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बिशनू दाहिया- बिहारी नगर सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री बिशनू दाहिया (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती हेमलता छेड़ा- एकता विहार रतननगर निवासी श्री डुंगरसी छेड़ा की धर्मपत्नी श्रीमती हेमलता छेड़ा (55) का विगत दिवस निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री महेश- पटेल नगर शंकरशाह वार्ड रामपुर निवासी श्री महेश (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गौरव श्रीवास्तव- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री गौरव श्रीवास्तव (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती इंद्रारानी देवी- बड़ा पत्थर मनमोहन नगर रांझी निवासी श्री केशव प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती इंद्रारानी देवी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अनीता कोरी- कांचघर नई बस्ती निवासी श्री मिठाई लाल कोरी की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता कोरी (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राधेकृष्ण चक्रवती- आलोक नगर अंचल विहार नर्मदा रोड निवासी श्री राधेकृष्ण चकवर्ती (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अरूण कुमार दलाल- न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री अरूण कुमार दलाल (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री सोने लाल धुर्वे- छुई खदान श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री सोने लाल धुर्वे (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री घनश्याम ठाकुर- शिवनगर गढ़ा निवासी श्री घनश्याम ठाकुर (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री किशोरी लाल शर्मा- नब्बे क्वाटर विजयनगर निवासी श्री किशोरी लाल शर्मा (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती धरमी बाई- प्रथम रेसीडेंसी बिलहरी निवासी श्री राम लाल की धर्मपत्नी श्रीमती धरमी बाई (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री बाला स्वामी- झिरिया सदर निवासी श्री बाला स्वामी (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आरएल श्रीवास्तव- आलोक नगर अधारताल निवासी श्री आरएल श्रीवास्तव (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री भारत भूषण तिवारी- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री भारत भूषण तिवारी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

डॉ. राजीव त्रिवेदी- एचआईजी 14, जेडीए कॉलोनी कटंगा निवासी डॉ. राजीव त्रिवेदी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
निधन/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 40/- प्रति क्वायर से.मी.
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362160

सब जेल में लगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

सिहोरा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के दिशा निर्देशन में स्वस्थ यकृत मिशन एवं 100 दिवसीय टी.बी. अभियान के अंतर्गत सब जेल सिहोरा में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन डॉक्टर राघवेन्द्र त्रिपाठी के मार्गदर्शन में सिविल अस्पताल सिहोरा की मेडिकल टीम द्वारा किया गया जिसमें सभी 71 बंदियों का बीएमआई टेस्ट,बीपी,पल्स,कमर की नाप,हाइट,वजन,स्पुटम, सीबीनाट की जांच की गयी एवं यकृत के रखरखाव एवं टीबी से बचाव की जानकारी दी गई मेडिकल टीम में विनोद कोरी ,मनोज गुप्ता,पंचवटी वर्मा, उमा पटेल एवं देवेंद्र राजपूत आदि का योगदान रहा।सभी का दिलीप नायक जेलर द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने वाले निवेशकों को अक्सर यह सलाह दी जाती है कि शॉर्ट टर्म की बजाय लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट पर फोकस करें, लेकिन क्या यह सलाह आंकड़ों पर भी खरी उतरती है? इसका जवाब है हां। देश के पांच सबसे बड़े लार्ज कैप फंड्स के पिछले 1 साल, 3 साल और 5 साल के प्रदर्शन के आंकड़े इसी बात की गवाही दे रहे हैं कि समय के साथ निवेश पर मिलने वाला रिटर्न बेहतर होता है। लार्ज कैप फंड्स एक अच्छा निवेश विकल्प हो सकता है उन निवेशकों के लिए जो कम जोखिम वाले और नियमित रिटर्न वाले निवेश की तलाश में हैं। लार्ज कैप फंड्स एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश करता है। ये कंपनियां आमतौर पर उच्च बाजार पूंजीकरण वाली होती हैं और उनके पास एक स्थापित ट्रैक रिकॉर्ड होता है।

मुनाफे का मंत्र : पांच सबसे बड़े लार्ज कैप फंड्स के आंकड़ों ने निवेशकों को चौंकाया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

एक साल से बेहतर 3 साल और 5 साल का रिटर्न

इन पांचों फंड्स के पिछले 1 साल के रिटर्न की तुलना में 3 साल और 5 साल का रिटर्न बेहतर रहा है। इसे और अच्छी तरह समझने के लिए पहले इन फंड्स के पिछले प्रदर्शन के आंकड़ों को देख लेते हैं। हमने यहां जिन 5 लार्ज कैप फंड्स के 1 साल, 3 साल और 5 साल के रिटर्न के आंकड़े दिए हैं, वे एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के हिसाब से अपनी कैटेगरी में टॉप पर हैं. तुलना में आसानी के लिए इन सभी फंड्स को बड़े से छोटे एयूएम हिसाब से लिस्ट किया गया है, एनुअल रिटर्न के हिसाब से नहीं। इस लिस्ट में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रू और निप्पॉन इंडिया जैसे फंड हाउस की लार्ज कैप स्कीम शामिल हैं।

> एसआईपी के जरिये करें निवेश, 19 वर्ष में हो जाएंगे करोड़पति
> ●
> एसआईपी में हर साल करीब 15% का रिटर्न मिलने की संभावना

पांच सबसे बड़े लार्ज कैप फंड्स का पिछला प्रदर्शन

1. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ब्लूचिप फंड (डायरेक्ट)
- 1 साल का रिटर्न : 9.73%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 21.87%
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 24.71%
- एयूएम : 70,909 करोड़ रुपये

2. एसबीआई ब्लूचिप फंड (डायरेक्ट)
- 1 साल का रिटर्न: 9.28%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 18.74%
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 22.52%
- एयूएम: 52,994 करोड़ रुपये

3. निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड (डायरेक्ट)
- 1 साल का रिटर्न: 10.02%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 25.14%
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 27.69%
- एयूएम : 42,863 करोड़ रुपये

4. मिराए एसेट लार्ज कैप फंड (डायरेक्ट)
- 1 साल का रिटर्न: 11.11%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 17.01%
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 21.28%
- **एयूएम : 40,204 करोड़ रुपये**

5. एचडीएफसी लार्ज कैप फंड (डायरेक्ट)
- 1 साल का रिटर्न: 6.34%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 20.19%
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 23.88%
- एयूएम : 38,297 करोड़ रुपये

रिटर्न के आंकड़ों का संकेत

ऊपर दिए आंकड़ों आंकड़ों से एक बात स्पष्ट होती है—इन सभी स्कीम्स का सालाना रिटर्न निवेश की अवधि के साथ-साथ बढ़ा है। इन फंड्स का 1 साल का रिटर्न 6.34 फीसदी से 11.11 फीसदी के बीच है। इक्विटी में निवेश पर लिए जाने वाले रिस्क को ध्यान में रखकर देखें तो इस रिटर्न को बहुत आकर्षक नहीं माना जाएगा। लेकिन इन्हीं फंड्स के 3 साल के एनुअल रिटर्न के आंकड़े 17 फीसदी से 25 फीसदी तक जाते हैं। वहीं, 5 साल के आंकड़ों में यह सालाना रिटर्न 21 फीसदी से 27 फीसदी तक चला गया है। कुल मिलाकर 1 साल, 3 साल और 5 साल के औसत सालाना रिटर्न के आंकड़े यही संकेत दे रहे हैं कि इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में लंबी अवधि का निवेश बेहतर रिटर्न दे सकता है।

शॉर्ट टर्म से क्यों बेहतर है लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी

शॉर्ट टर्म इनवेस्टमेंट में निवेशक जल्दी रिटर्न की उम्मीद करते हैं, लेकिन इसमें मार्केट टाइमिंग का रिस्क ज्यादा होता है। वहीं, लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट में कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है, जो धीरे-धीरे निवेश को बड़ा बनाता है। मिसाल के तौर पर अगर कोई निवेशक 5 साल तक एसआईपी करता है, तो उसे एवरेजिंग की वजह से लॉन्ग टर्म में बेहतर रिटर्न की मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में बाजार की अस्थिरता सामान्य बात है. एक-दो साल में बाजार गिर भी सकता है और रिटर्न नेगेटिव या कम हो सकता है, लेकिन लंबी अवधि में कंपनियों की ग्रोथ और बाजार की रिकवरी से निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आमतौर पर बेहतर हो जाता है। इसीलिए 5 साल या उससे ज्यादा की अवधि के लिए निवेश करने पर रिटर्न में स्थिरता और ग्रोथ दोनों मिलती है।

लार्ज कैप फंड्स की विशेषताएं

- बड़ी कंपनियों में निवेश : लार्ज कैप फंड्स बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं जो आमतौर पर उच्च बाजार पूंजीकरण वाली होती हैं।
- स्थिरता : लार्ज कैप फंड्स आमतौर पर अधिक स्थिर होते हैं क्योंकि वे बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं।
- नियमित रिटर्न : लार्ज कैप फंड्स नियमित रिटर्न प्रदान कर सकते हैं क्योंकि वे बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं जो आमतौर पर स्थिर लाभांश प्रदान करती हैं।

लार्ज कैप फंड्स के फायदे

- कम जोखिम : लार्ज कैप फंड्स आमतौर पर कम जोखिम वाले होते हैं क्योंकि वे बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं।
- नियमित रिटर्न : लार्ज कैप फंड्स नियमित रिटर्न प्रदान कर सकते हैं क्योंकि वे बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं जो आमतौर पर स्थिर लाभांश प्रदान करती हैं।
- विविधीकरण : लार्ज कैप फंड्स पोर्टफोलियो में विविधीकरण लाने में मदद कर सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ में फिर बढ़ा निवेशकों का भरोसा

■ सबसे बड़े फंड्स ने 1 साल में दिया 33 से 35% तक रिटर्न ■ तीन साल की अवधि में एनुअल रिटर्न 22% से ज्यादा रहा है ■ गोल्ड में स्टेबिलिटी और सुरक्षा नजर आ रही ■ 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 292 करोड़ रुपये का इनफ्लो आया

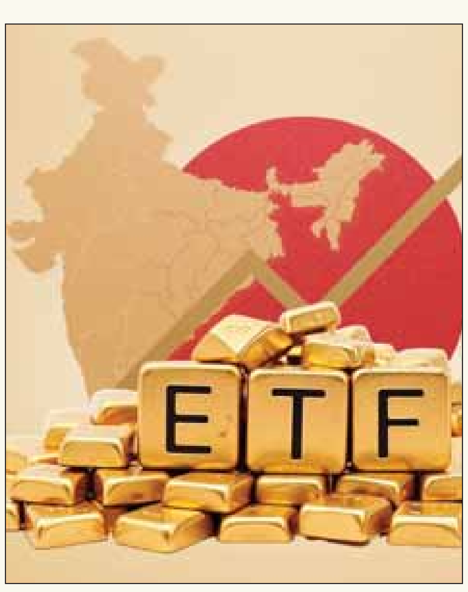

गोल्ड ईटीएफ यानी गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में एक बार फिर निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ गई है। मई 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 292 करोड़ रुपये का इनफ्लो देखने को मिला है, जबकि इससे पहले मार्च और अप्रैल में यह कैटेगरी लगातार दो महीने तक आउटफ्लो झेल रही थी। बीते एक साल में गोल्ड ईटीएफ ने करीब 33% तक का रिटर्न दिया है, वहीं तीन साल की अवधि में इनका एनुअल रिटर्न 22% से ज्यादा रहा है। यह परफॉर्मेंस बताता है कि बाजार में उथल-पुथल के बीच निवेशकों को गोल्ड में स्टेबिलिटी और सुरक्षा नजर आ रही है।

पैसे की बात
बिजनेस डेस्क

क्यों लौटने लगा निवेशकों का रुझान

मार्च में 77.21 करोड़ और अप्रैल में 5.82 करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो दर्ज करने के बाद मई में गोल्ड ईटीएफ में 292 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसकी प्रमुख वजह रही गोल्ड की कीमतों में मजबूती और ग्लोबल लेवल पर आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता। मई में गोल्ड ईटीएफ ने औसतन 1.10% रिटर्न दिया, जिसमें टाटा गोल्ड ईटीएफ 2.53% के रिटर्न के साथ टॉप पर रहा। यह संकेत है कि निवेशक अब फिर से गोल्ड को एक सुरक्षित एसेट के रूप में प्राथमिकता देने लगे हैं।

टॉप गोल्ड ईटीएफ फंड्स का पिछला प्रदर्शन

देश के प्रमुख गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स के पिछले प्रदर्शन को देखने से पता चलता है कि सोने जैसे सुरक्षित एसेट में निवेश करके भी इन्होंने 1 और 3 साल में काफी आकर्षक रिटर्न दिए हैं। हमने इस लिस्ट में सिर्फ उन टॉप गोल्ड ईटीएफ को शामिल किया है, जिनका एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) कम से कम 1000 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा है.

ईटीएफ का नाम	1 साल का रिटर्न	3साल का रिटर्न
- यूटीआई गोल्ड ईटीएफ	35.25%	22.87%
- एयूएम : 1,943 करोड़ रुपये		
- एक्सिस गोल्ड ईटीएफ	33.99%	22.29%
- एयूएम : 1,809 करोड़ रुपये		
- आईसीआईसीआई प्रूडेंटल गोल्ड ईटीएफ	33.91%	22.31%
- एयूएम : 7,694 करोड़ रुपये		
- आदित्य बिरला सनलाइफ गोल्ड ईटीएफ	33.83%	22.23%
- एयूएम : 1,163 करोड़ रुपये		
- कोटक गोल्ड ईटीएफ :	33.74%	22.23%
- एयूएम : 7,639 करोड़ रुपये		
- एसबीआई गोल्ड ईटीएफ :	33.66%	22.10%
- एयूएम : 8,132 करोड़ रुपये		
- निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड बीईईएस :	33.52%	22.08%
- एयूएम : 21,120 करोड़ रुपये		
- एचडीएफसी गोल्ड ईटीएफ :	33.38%	22.21%
- एयूएम : 10,093 करोड़ रुपये		

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बढ़ा निवेश

एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 की पहली तिमाही में ग्लोबल लेवल पर भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश 170% की सालाना वृद्धि के साथ 552 टन तक पहुंच गया। पिछले तीन सालों में यह सबसे बड़ी तिमाही डिमांड रही। इसका श्रेय ट्रेड टेंशन, जियोपॉलिटिकल अस्थिरता और गोल्ड प्राइस में तेजी को दिया जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि गोल्ड-बैक्ड ईटीएफ की होल्डिंग्स 226 टन बढ़कर 3445 टन तक पहुंच गई हैं।

निवेश रणनीति में गोल्ड ईटीएफ की अहमियत

गोल्ड ईटीएफ को निवेश पोर्टफोलियो में एक बैलेंस बनाने वाले एसेट के रूप में देखा जाता है। यह न सिर्फ पोर्टफोलियो को ज्यादा सुरक्षित बनाता है, बल्कि बाजार की अस्थिरता के समय स्टेबल रिटर्न भी देता है। गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने के लिए डिमैट और ट्रेडिंग अकाउंट की जरूरत होती है और इनकी हर यूनिट फिजिकल गोल्ड की एक तय क्वांटिटी (आमतौर पर 1 ग्राम) से जुड़ी होती है। गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों की वापसी और पिछले रिटर्न के आंकड़े इस बात का संकेत हैं कि बाजार में अस्थिरता के समय गोल्ड एक भरोसेमंद विकल्प बना हुआ है। चाहे वह घरेलू निवेशक हों या अंतरराष्ट्रीय संस्थान, सबके लिए गोल्ड एक महत्वपूर्ण एसेट क्लास बना हुआ है।

गोल्ड ईटीएफ की विशेषताएं

- सोने की कीमतों के साथ जुड़ावः गोल्ड ईटीएफ की कीमतें सोने की कीमतों के साथ जुड़ी होती हैं।
- एक्सचेंज पर कारोबारः गोल्ड ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं और इनमें निवेश करने के लिए आप शेयर बाजार में कारोबार कर सकते हैं।
- निवेश की सुविधाः गोल्ड ईटीएफ में निवेश करना आसान है और आप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेश कर सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ के फायदे

- सोने की कीमतों में भागीदारीः गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने से आपको सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव के अनुसार रिटर्न मिल सकता है।
- विविधीकरणः गोल्ड ईटीएफ पोर्टफोलियो में विविधीकरण लाने में मदद कर सकता है।
- लिक्विडिटीः गोल्ड ईटीएफ में निवेश करना लिक्विड है और आप आसानी से अपने निवेश को बेच सकते हैं।

बच्चे की हायर एजुकेशन की नहीं होगी टेंशन

रोजाना 70 रुपये बचा बनाएं लाखों का फंड

समझदारी
बिजनेस डेस्क

पोस्ट ऑफिस की पीपीएफ स्कीम में लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट ऑप्शन आप न्यूनतम 500 और अधिकतम 1.5 लाख सालाना करें निवेश

शादी के बाद अधिकतर कपल्स के मन में सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि आने वाले समय में बच्चों की पढ़ाई का खर्च कैसे उठाएं? मौजूदा दौर में एजुकेशन बहुत महंगी होती जा रही है। स्कूल फीस से लेकर यूनिफॉर्म, कॉपी-किताबें और एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज तक, हर चीज में मोटा खर्च आता है। ऐसे में अगर आप अभी से सही प्लानिंग करें, तो भविष्य की टेंशन से बचा जा सकता है। पोस्ट ऑफिस की एक खास स्कीम आपकी इसी चिंता को दूर कर सकती है। इसमें निवेश कर आप बच्चों की एजुकेशन के लिए मजबूत फंड बना सकते हैं। अगर आप बच्चों की हायर एजुकेशन के लिए एक सुरक्षित और गारंटीड रिटर्न वाला निवेश विकल्प ढूंढ़ रहे हैं, तो पोस्ट ऑफिस की पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) स्कीम आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। इस स्कीम में सिर्फ 70 रुपये रोजाना यानी 2,100 महीने की बचत से आप 15 साल में एक अच्छा खासा फंड तैयार कर सकते हैं।

क्या है पोस्ट ऑफिस की पीपीएफस्कीम

पोस्ट ऑफिस की पीपीएफस्कीम एक लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट ऑप्शन है, जिसमें आप न्यूनतम 500 रुपये और अधिकतम 1.5 लाख रुपये सालाना निवेश कर सकते हैं। इस पर सरकार की तरफ से सालाना 7.1% ब्याज दिया जाता है और मैच्योरिटी पीरियड 15 साल का होता है।

70 रुपये रोजाना बचत से कैसे मिलेगा 6.78 लाख

अगर आप हर दिन 70 रुपये बचाकर हर महीने पीपीएफ अकाउंट में 2,100 रुपये जमा करते हैं, तो एक साल में आपका कुल निवेश 25,200 रुपये होगा। इस तरह 15 साल में आप 3.75 लाख रुपये का निवेश करेंगे। ब्याज मिलाकर 15 साल बाद आपको 6,78,035 रुपये मिल सकते हैं।

बच्चों की पढ़ाई का खर्च होगा आसान : 15 साल बाद यही रकम आपके बच्चों की हायर एजुकेशन, कॉलेज फीस या अन्य जरूरतों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। यह स्कीम खासतौर पर उन पैरेंट्स के लिए फायदेमंद है जो कम बजट में भी एक सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश चाहते हैं।

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ खाता क्या है

पोस्ट ऑफिस की पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) स्कीम एक भरोसेमंद निवेश विकल्प है, जो लंबे समय के लिए रिटायरमेंट फंड बनाने में मदद करती है। इस योजना के तहत निवेशकों को 15 साल की अनिवार्य लॉक-इन अवधि के साथ खाता खोलना होता है। यानी, खाता खोलने के बाद 15 साल तक इसे बंद नहीं किया जा सकता। हालांकि, 7वें साल से कुछ शर्तों के साथ आंशिक निकासी की अनुमति मिलती है। इस स्कीम की सबसे बड़ी खासियत इसका आकर्षक ब्याज दर और टैक्स में छूट है। आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत इसमें निवेश करने पर टैक्स लाभ मिलता है। इसके अलावा, निवेशक को लोन सुविधा, खाता 5-5 साल की अवधि में आगे बढ़ाने की सुविधा भी मिलती है।

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ कैलकुलेटर क्या है?

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ कैलकुलेटर एक आसान ऑनलाइन टूल है, जो सेकेंडों में जटिल गणनाएं कर देता है। इस कैलकुलेटर की मदद से आप यह पता कर सकते हैं कि निश्चित समयावधि और निवेश की आवृत्ति के आधार पर आपको हर साल कितना रिटर्न मिलेगा और कुल परिपक्वता राशि कितनी होगी।

कैलकुलेटर कैसे इस्तेमाल करें?

- हर साल आप कितनी राशि जमा करेंगे, उसे दर्ज करें।
- ब्याज दर और निवेश की अवधि डालें।
- कैलकुलेटर अपने-आप अनुमानित ब्याज और मैच्योरिटी अमाउंट दिखा देगा।
- इस तरह यह कैलकुलेटर यह तय करने में मदद करता है कि आपने जो निवेश चुना है, वह आपके वित्तीय लक्ष्य के अनुरूप है या नहीं।

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ कैलकुलेटर के फायदे

- सेकेंडों में रिजल्ट
- निवेश और ब्याज का सालाना विश्लेषण
- टैक्स प्लानिंग में मदद
- वित्तीय योजना बनाने में सहायक

करोड़पति बनने का भी शॉर्टकट

मात्र 10,000 का निवेश कर देगा मालामाल

बिजनेस डेस्क

करोड़पति बनने में कितना समय लगता है? यह ऐसा सवाल है जिसे अक्सर काफी लोग पूछते हैं। देखा जाए तो करोड़पति बनना बहुत आसान है, लेकिन इसके लिए कई तरह के त्याग करने की जरूरत पड़ती है। वैसे तो किसी भी चीज का कोई शॉर्टकट नहीं होता, लेकिन अगर आप करोड़पति बनने का सोच लें, तो इसका शॉर्टकट जरूर निकल आता है। हालांकि यह शॉर्टकट इतना भी शॉर्ट नहीं है। आप मात्र 10 हजार रुपये हर महीने इन्वेस्ट करके बहुत जल्दी करोड़पति बन सकते हैं। दरअसल, एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान एक ऐसा तरीका है जिससे आप हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा लगाकर लंबे समय में अच्छा पैसा बना सकते हैं। अगर आपको हर साल लगभग 15% का रिटर्न मिले, तो आप मात्र 19 साल में 1 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की रकम इकट्ठी कर सकते हैं।

कैसे बन सकते हैं करोड़पति?

एसआईपी म्यूचुअल फंड में निवेश करने का तरीका है। इसके जरिए आप थोड़ी-थोड़ी रकम हर महीने निवेश करके बड़ा फंड इकट्ठा कर सकते हैं। इसमें मिलने वाला चक्रवृद्धि ब्याज इस निवेश की सबसे बड़ी ताकत होता है। अगर आप एसआईपी के जरिए 10 हजार रुपये हर महीने म्यूचुअल फंड में निवेश करने हैं और आपको 15 फीसदी सालाना ब्याज मिलता है तो मात्र 19 साल में ही आप एक करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम इकट्ठी कर लेंगे। 10 हजार रुपये हर महीने निवेश करने से आप 19 साल में 22,80,000 रकम निवेश करेंगे। इस पर आपको 91,47,124 रुपये का ब्याज मिलेगा। यह ब्याज 15 फीसदी सालाना की दर से होगा। इस प्रकार आप 19 साल में 1.14 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम इकट्ठी कर लेंगे। यानी आप 19 साल में करोड़पति बन जाएंगे।

अगर 10 हजार रुपये से कम करें तो?

अगर आप 10 हजार रुपये महीने निवेश नहीं कर सकते तो भी आपको करोड़पति बनने से कोई नहीं रोक सकता। आप कम रकम निवेश करके भी करोड़पति बन सकते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कुछ ज्यादा इंतजार करना पड़ेगा। अगर आप 10 की जगह 8 हजार रुपये या 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करके भी करोड़पति बन सकते हैं। अगर आप 8 हजार रुपये हर महीने निवेश करते हैं तो आपको करोड़पति बनने में 20 साल लगेंगे। वहीं अगर आप 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करते हैं तो आप 23 साल में करोड़पति बन जाएंगे।

एसआईपी क्यों है फायदे का सौदा?

एसआईपी वित्तीय अनुशासन को भी बढ़ावा देता है। इससे लोगों को रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने जैसे लक्ष्यों के लिए थोड़ा-थोड़ा पैसा अलग रखने में आसानी होती है। इसका एक और बड़ा फायदा है कंपाउंडिंग। कंपाउंडिंग का मतलब है कि आपको अपने निवेश पर जो रिटर्न मिलता है, उस पर भी रिटर्न मिलता है। इससे समय के साथ आपकी संपत्ति तेजी से बढ़ती है। निवेश की अवधि जितनी लंबी होगी, कंपाउंडिंग का असर उतना ही ज्यादा होगा।

करोड़पति बनने के लिए रणनीतियां

- नियमित निवेशः नियमित निवेश करने से आपको अपने पैसे को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।
- विविधीकरणः अपने निवेश को विभिन्न प्रकार की सिक्योरिटीज में विभाजित करने से आपको जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।
- लंबी अवधि का दृष्टिकोणः लंबी अवधि के लिए निवेश करने से आपको अपने पैसे को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।
- वित्तीय अनुशासनः वित्तीय अनुशासन बनाए रखने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- शिक्षा और ज्ञानः वित्तीय शिक्षा और ज्ञान प्राप्त करने से आपको अपने वित्तीय निर्णयों को निर्देशित करने में मदद मिल सकती है।

करोड़पति बनने के लिए कुछ आदतें

- बचतः नियमित बचत करने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- निवेशः नियमित निवेश करने से आपको अपने पैसे को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।
- वित्तीय योजनाः वित्तीय योजना बनाने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- जोखिम प्रबंधनः जोखिम प्रबंधन करने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- धैर्यः धैर्य बनाए रखने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- करोड़पति बनने के लिए कोई शॉर्टकट नहीं है, लेकिन सही रणनीतियों और आदतों को अपनाकर आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध अगर विस्तार लेता है तो यह जहां वैश्विक जंग की शक्ल ले सकता है, वहीं वैश्विक स्तर पर ऊर्जा और खाद्यान्न आपूर्ति को प्रभावित कर सकता है। इजरायल और ईरान के बीच ताजा अदावत बढ़ने की वजह आतंकी गुट हमास का पिकनिक मना रहे इजरायलियों पर वहशियाना हमला है। इजरायल ने आत्मरक्षा के अधिकार के तहत हमास के खिलाफ सैन्य संघर्ष शुरू किया। इजरायल के खिलाफ हमास को खड़ा करने में ईरान का हाथ माना जाता है। यह भी कहा जाता है कि हिजबुल्ला व हूती के पीछे भी ईरान है। ईरान ने इजरायल को परेशान करने के लिए उसकी जमीनी सीमाओं से लगे देशों में हमास, हिजबुल्ला व हूती जैसे सशस्त्र आतंकी व विद्रोही गुट खड़े किए। इजरायल इन तीनों आतंकी गुटों के खिलाफ निर्णायक सैन्य संघर्ष कर रहा है और इस दौरान तीनों की कमर तोड़ दी है। शिकस्त होते देख ईरान ने सीधे तौर पर इजरायल को निशाना बनाया था। उसके बाद इजरायल ने भी ईरान को करारी चोट पहुंचाई। अब इजरायल ने फिर से ईरान के अंदर घुसकर अब तक का सबसे करारा प्रहार किया है। अमेरिका खुले तौर पर इजरायल के साथ है व ये दोनों मुल्क नहीं चाहते कि ईरान परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल करने की स्थिति में आए। ईरान का बदला क्या रुख लेगा, आजकल के इस अंक में पेश है विश्लेषण...

मध्य पूर्व में विनाशकारी युद्ध की दस्तक

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

यूरोपीय काउंसिल ऑफ फॉरेन रिलेशंस का कहना है कि इजरायल ने ईरान पर आक्रमण इसलिए अंजाम दिया ताकि परमाणु कार्यक्रम रोकने के लिए ईरान से समझौता करने की ट्रंप की संभावनाओं को एकदम खत्म किया जा सके। अनेक रणनीतिक विशेषज्ञ यह मानते हैं कि इस युद्ध के बड़े पैमाने पर विस्तार होने की संभावना बहुत कम है, लेकिन सैन्य रणनीति के विशेषज्ञ यह भी बयान करते हैं कि इजरायल की संसद और हुकूमत की कैबिनेट में ऐसे राजनीतिज्ञ विद्यमान हैं, जोकि ईरान से युद्ध चाहते हैं और उसके लिए इजरायली प्रधानमंत्री पर राजनीतिक दबाव भी कायम कर सकते हैं। युद्ध हमेशा के टाला नहीं जा सकता, बल्कि आने वाले दौर में इसका दायरा और अधिक बढ़ सकता है।

इजरायल और ईरान के मध्य उत्पन्न हुए आक्रमणकारी सैन्य तनाव के कारण क्या मध्य पूर्व में बड़े पैमाने पर एक विनाशकारी युद्ध प्रारंभ होने का खतरा उत्पन्न हो गया है? प्रश्न है कि आखिरकार यही वक्त इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के लिए क्यों चुना गया? विकट प्रश्न उठता है कि इजरायल और ईरान में यदि एक बड़ा युद्ध छिड़ जाता है तो भारत पर इसका क्या प्रभाव स्थापित होगा?

उल्लेखनीय है कि रविवार 16 जून को ईरान और अमेरिका के मध्य परमाणु समझौते को लेकर समझौता वार्ता छठे दौर में पहुंच जाएगी। नेतन्याहू के लिए यह सटीक मौका था कि ईरान पर सैन्य आक्रमण अंजाम देकर इस वार्ता को विफल कर सकते हैं। यूरोपीय काउंसिल ऑफ फॉरेन रिलेशंस का कहना है कि इजरायल ने ईरान पर आक्रमण इसलिए अंजाम दिया ताकि परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए ईरान से समझौता करने की राष्ट्रपति ट्रंप की संभावनाओं को एकदम खत्म किया जा सके। अनेक रणनीतिक विशेषज्ञ यह मानते हैं कि इस युद्ध के बड़े पैमाने पर विस्तार होने की संभावना बहुत कम है, लेकिन सैन्य रणनीति के विशेषज्ञ यह भी बयान करते हैं कि इजरायल की संसद और हुकूमत की कैबिनेट में ऐसे राजनीतिज्ञ विद्यमान हैं, जोकि ईरान से युद्ध चाहते हैं और उसके लिए इजरायली प्रधानमंत्री पर बड़ा राजनीतिक दबाव भी कायम कर सकते हैं। वे यह भी कहते हैं कि बेंजामिन नेतन्याहू जब भी स्वयं को राजनीतिक तौर पर अपने देश में कमजोर पाते हैं, वह तुरंत ही ईरानी कार्ड का इस्तेमाल शुरू कर देते हैं। रणनीति के कुछ विशेषज्ञों का विचार है कि युद्ध हमेशा के लिए टाला नहीं जा सकता, बल्कि आने वाले दौर में इसका दायरा और अधिक बढ़ सकता है।

परदे के पीछे अमेरिका भी शामिल

संभव है कि ईरान तत्काल इजरायल पर हमला न बोले, लेकिन ईरान सैन्य प्रतिशोध अवश्य ही लेगा। सैन्य संघर्ष का सिलसिला अब बिल्कुल रुकने वाला नहीं है। अमेरिकन सरकार भले ही दावा पेश कर रही है कि वह इस युद्ध में शामिल नहीं है, लेकिन इजरायली बॉम्बर फाइटर जेट्स द्वारा कतर में स्थित अमेरिकन एयर फोर्स बेस से बाकायदा ईंधन लिया गया है। ईरान द्वारा जो ड्रोन इजराइल पर आक्रमण करने के लिए रवाना किए थे, उनको भी अमेरिका द्वारा मार गिराया गया। अमेरिका ने ईरानी ड्रोन विमानों को इजरायल तक पहुंचने ही नहीं दिया। इसके अतिरिक्त सऊदी अरब ने अमेरिका के दबाव में इजराइल को अपना एयरस्पेस बाकायदा इस्तेमाल करने दिया। निश्चित तौर पर यह जंग ईरान और इजरायल के मध्य सीमित नहीं रह गई है। इजरायल की हिब्रू यूनिवर्सिटी की तरफ से आयोजित एक सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ है कि तकरीबन 75 फीसदी इजरायली ईरान पर सैन्य कार्यवाही करने के एकदम

विरुद्ध हो गए हैं। इजरायली जनमानस यकीनन निरंतर युद्ध से अब बेहद तंग आ चुके हैं। ईरान के साथ यदि इजरायल का एक बड़े पैमाने पर युद्ध प्रारम्भ हो जाता है तो इजरायल को फिर युद्ध में चौतरफा आक्रमणों का मुकाबला करना पड़ सकता है। लेबनान में ईरान के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ते हुए सक्रिय हिजबुल्ला तंजीम के गोरिल्ला लड़ाके, ईरान के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ते हुए दक्षिण यमन के हूती विद्रोही, ईरान की सैन्य मदद के बलबूते पर इजराइल के अंदर युद्धरत हमास तंजीम के छापामार लड़ाके हमले करेंगे।

जंगजू शक्तियां इजरायल के विरुद्ध

सर्वविदित है कि ईरान के शिया समर्थकों की इराक और सीरिया में एक लंबी जंगजू फौज मौजूद है। ये सभी जंगजू शक्तियां इजरायल के विरुद्ध ईरान के पक्ष में युद्ध में अवश्य ही उतरेंगी। इजरायल की नेतन्याहू हुकूमत ने दावा पेश किया कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम का खात्मा करने के लिए इजरायल ने ऑपरेशन राइजिंग लायन के तहत ईरान पर धावा बोलकर उसके कुछ सीनियर फौजी कमांडरों को हलाक कर दिया गया। इन हलाक होने वालों में इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के कमांडर इन चीफ हुसैन सलामी भी शामिल हैं। हुसैन सलामी 1979 में हुई इस्लामी क्रांति के संरक्षक रहे और शाह के शासन का खात्मा करने में उनका प्रमुख किरदार रहा था। ईरान के कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिकों को मौत के घाट उतार दिया गया। ईरान के सर्वोच्च लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार अली शामख़ानी भी इजरायली आक्रमण में गंभीर रूप से जख्मी हो गए। ईरान की हुकूमत के मुताबिक इजरायल ने तेहरान और दूसरे अन्य नगरों के रिहायशी इलाकों को अपना फौजी निशाना बनाया। ईरान के सर्वोच्च लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई ने ऐलान किया कि इजरायल की जियोनिस्ट हुकूमत को अब ईरान से अत्यंत सख्त सजा की उम्मीद रखनी चाहिए।

विराट है ईरान की मिसाइल परियोजना

ईरान की फौज इजरायल को सख्त से सख्त सजा दिए बिना कदापि नहीं छोड़ेगी। दूसरी तरफ इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने दावा पेश किया कि ईरान द्वारा इजरायल पर 100 से अधिक ड्रोन दागे गए। विगत वर्ष 2024 के अप्रैल महीने में भी इजरायल और ईरान के मध्य एक अल्पकालिक जंग लड़ी गई थी। इजरायल का ऑपरेशन राइजिंग लायन ईरान पर किया गया एक जबरदस्त आक्रमण है। यह हमला विगत वर्ष ईरान के अंजाम दिए गए मिसाइल और ड्रोन संघर्ष से कहीं अधिक व्यापक और विनाशकारी है। इजरायल और ईरान के मध्य तकरीबन 2100 किलोमीटर की दूरी मौजूद है। अगर ईरान को इजरायल पर आक्रमण करना होगा तो उसे ड्रोन और मिसाइलों द्वारा धावा बोलना होगा। उल्लेखनीय है कि ईरान की फौज के पास फिलहाल तकरीबन 3000 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइल विद्यमान हैं। ईरान की मिसाइल परियोजना मध्य पूर्व के देशों में सबसे विराट और सबसे अधिक विविधतापूर्ण मिसाइल परियोजना है। ईरान द्वारा अपने मिसाइल सिस्टम और ड्रोन सिस्टम पर काफी महत्वपूर्ण काम किया गया है। विशेष कर 1980 से 1988 के मध्य पड़ोसी देश इराक के विरुद्ध दीर्घकालीन युद्ध के दौरान ईरान ने इनका अत्यंत संजीदगी और विविधता के साथ निर्माण शुरू किया। ईरान द्वारा छोटी रेंज की मिसाइलों और ड्रोन का निर्माण बड़े पैमाने पर किया गया। सऊदी अरब और इजरायल पर दक्षिण यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा दागी सभी मिसाइलें ईरान द्वारा प्रदान की जाती रही। इजरायल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमण में परमाणु संस्थानों के साथ-साथ मिसाइल और एयर डिफेंस के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। क्षेत्रफल के मुताबिक ईरान वस्तुत इजरायल से कहीं बड़े क्षेत्रफल वाला मुल्क है। ईरान की आबादी तकरीबन 9 करोड़ है और इजरायल की आबादी लगभग एक करोड़ है। इजरायल के सैनिकों की तुलना भी ईरानी सैनिकों की संख्या में तकरीबन तीन गुनी है। ईरान की सैन्य सेवा में 6 लाख सक्रिय सैनिक विद्यमान हैं और इजरायल के पास आधिकारिक तौर पर तकरीबन 1,70000 सैनिक विद्यमान हैं।

इजरायल परमाणु हथियारों से लैस देश

सर्वविदित है इजरायल परमाणु हथियारों से लैस देश है, हालांकि इस विषय में कोई स्पष्ट जानकारी प्रदान करने से इजरायल सदैव बचता रहा है। ईरान के पास परमाणु हथियार विद्यमान होने की संभावनाएं बहुत कम प्रतीत होती है। ईरान पर परमाणु हथियार निर्मित करने की कोशिश करने का इल्जाम निरंतर आयद रहा है। लेकिन ईरान इस संगीन इल्जाम से सदैव इनकार करता रहा है। आज के दौर में दुनिया दो शक्तिशाली सैन्य ध्रुवों में विभाजित होती प्रतीत हो रही है। एक तरफ शक्तिशाली सैन्य ध्रुव में अमेरिका और नाटो देश हैं, तो दूसरी तरफ शक्तिशाली सैन्य ध्रुव में चीन, रूस, ईरान, उत्तरी कोरिया आदि अनेक देश हैं। ऐसी स्थिति में विकट प्रश्न यह उठता है कि इजरायल और ईरान यदि पूरी तरह युद्ध में संलग्न हो जाते हैं तो भारत पर इसका क्या प्रभाव होगा? निश्चित तौर पर इजरायल और ईरान के मध्य सैन्य टकराव की विकट स्थिति में भारत का रुख अत्यंत संतुलनवादी रहेगा। भारत भी परमाणु शक्ति संपन्न ईरान के पक्ष में कदाचित नहीं है। यकीनन भारत भी इजरायल द्वारा ईरान पर हमले का समर्थन कदापि नहीं करेगा। विगत माह मई में जब भारत ने पाकिस्तान के बहुत अंदर घुसकर सैन्य ठिकानों पर आक्रमणकारी धावा बोला था तो उस वक्त इजरायल ने भारत का एकदम खुलकर समर्थन किया था। इजरायल की हुकूमत ने बयान दिया था कि भारत के पास आत्मरक्षा का अधिकार है। वहीं ईरान ने भी पाकिस्तान का समर्थन तो नहीं किया और दोनों देशों के मध्य सैन्य तनाव समाप्त कराने के लिए मध्यस्थता करने की भी कोशिश की। ऑपरेशन सिंदूर के समय ईरान द्वारा भारत व पाक के मध्य सैन्य संघर्ष के दौरान स्वयं को तटस्थ बनाए रखने की रणनीति अख्तियार की गई थी। इजरायल और ईरान के मध्य आक्रमणकारी सैन्य संघर्ष में भारत ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि इजरायल और ईरान को कूटनीतिक बातचीत के माध्यम से परस्पर विवाद को सुलझाना चाहिए और सैन्य टकराव से पूरी तरह बचना चाहिए। ईरान और इजरायल दोनों देशों के साथ भारत के अत्यंत निकट मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं। भारत हर तरह से दोनों देशों की कूटनीतिक मदद करने के लिए तैयार है। भारतीय विदेश नीति के कुछ विशिष्ट जानकारों का कहना है कि अमेरिका और चीन के बाद भारत वस्तुतः सबसे बड़ा ऊर्जा का उपभोक्ता देश है। मध्य पूर्व के इलाके में यदि युद्ध का दायरा बढ़ेगा, जिसकी भागीदारी वैश्विक तेल उत्पादन में तकरीबन एक तिहाई है।

इजरायल व ईरान के साथ भारत के गहरे संबंध

निश्चित तौर पर तेल और गैस की कीमतों में बड़े पैमाने पर इजाफा होगा तो फिर भारत की ऊर्जा सुरक्षा सीधे तौर पर मुत्तासिर हो जाएगी। ऐतिहासिक रूप से गल्फ ऑपरेशन काउंसिल के छह मुल्क बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, और यूएई के साथ ही इराक भारत के लिए तेल और गैस की आपूर्ति करने वाले मुल्क हैं। रूस से तेल और गैस का तकरीबन 40 फीसदी खरीदारी करने से भारत की निर्भरता गल्फ मुल्कों पर कुछ हद तक कम हो गई है। फिर भी भारत के तेल और गैस आपूर्ति में गल्फ मुल्कों का योगदान तकरीबन 50 फीसदी से अधिक रहा है। भारत का विदेशी व्यापार गल्फ और पश्चिम एशिया के साथ तकरीबन 209 अरब डॉलर का है अर्थात भारत के कुल विदेशी व्यापार का तकरीबन 19 प्रतिशत रहा है। इससे प्रतीत होता है कि भारत के लिए पश्चिम एशिया और गल्फ कंट्री कितनी महत्वपूर्ण है। भारत कदापि नहीं चाहता है कि यह युद्ध का दायरा विस्तारित हो जाए। इजरायल और ईरान के साथ भारत के गहरे संबंध रहे हैं और भारत द्वारा फिलिस्तीन के विवाद को सुलझाने में एक बड़ी जबरदस्त भूमिका निभाई जा सकती है।

परमाणु हथियार पर नियंत्रण के लिए हमले

ईरान-इजरायल
प्रमोद भार्गव
साहित्यकार एवं वरिष्ठ पत्रकार

इजरायल और ईरान के बीच युद्ध आरंभ हो गया है। इजरायल ने ईरान के विरुद्ध बड़ा सैन्य अभियान चलाया है। इसे 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' नाम दिया गया है। यानी इजरायल एक ऐसा युद्ध करता हुआ देश है, जो ईरान की ओर शेर की मस्तानी चाल से बढ़ रहा है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने जब आजाद हिंद फौज की कमान संभाली थी, तब उन्होंने अपने झंडे पर छलांग लगाते शेर को प्रतीक बनाया था। बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश जारी कर इस आक्रमण की पुष्टि करते हुए कहा है, 'जब तक इजरायल के अस्तित्व पर खतरे बने रहेंगे, ईरान पर हमले जारी रहेंगे। साथ ही यह कोई सीमित कार्यवाही नहीं है, बल्कि एक व्यापक और लंबा चलने वाला रणनीतिक अभियान है।' इजरायल ने 13 जून को 200 लड़ाकू विमानों से ईरान के लगभग 100 ठिकानों को निशाना बनाया। ये हमले 20 प्रमुख सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों के घरों पर भी किए गए। ईरान की राजधानी तेहरान में 78 लोग मारे गए। इजरायल की सतर्कता यह रही कि उसने अपने खुफिया संगठन 'मोसाद' के जरिये ईरान के गुप्त ठिकानों पर पहुंचकर कम ऊंचाई वाले ड्रोन छोड़े और ईरान की सुरक्षा प्रणाली एवं मिसाइल प्रक्षेपण प्रणाली को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद इजरायली विमानों को ईरान का खुला आसमान मिल गया। ईरान ने 100 ड्रोन से जवाबी हमला किया भी लेकिन ये सभी ड्रोन इजरायली डिफेंस सिस्टम ने इजरायल की सीमा लांघने से पहले ही नेस्तनाबूद कर दिए।

डोनाल्ड ट्रंप की दोहरी नीति

इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जो कूटनीतिक प्रतिक्रिया आई है, उससे साफ है कि वे दोहरी नीति अपना रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि ईरान को परमाणु समझौता करने के लिए 60 दिन का समय दिया था, आज 61वां दिन था। फलतः इजरायल ने ईरान पर हमला बोल दिया। अब ईरान को समझौता करने के लिए दूसरा मौका दे रहा हूं, वह इस अवसर का लाभ उठाए, क्योंकि इजरायल का दूसरा हमला कहीं ज्यादा आक्रामक और भयावह होगा। साफ है, ट्रंप की सहमति के बाद ही इजरायल ने यह हमला किया है। दरअसल ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के लिए ये हमला किया गया। इसीलिए इस हमले को नेतन्याहू ने न्यायसंगत ठहराते हुए कहा है कि ईरान उसके अस्तित्व के लिए संकट बन रहा है। क्योंकि यह एक हकीकत है कि ईरान ने बड़े पैमाने पर यूरेनियम संवर्धन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह ऐसी प्रक्रिया है, जो परमाणु हथियार बनाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाती है। इसके अंतर्गत यूरेनियम-235 के निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाता है। अतएव इजरायल के लिए ईरान का परमाणु हथियार संपन्न देश हो जाना चिंता की स्थिति उत्पन्न करने वाली बात है।

परमाणु हथियार संपन्न देश

दरअसल, परमाणु हथियार संपन्न देश होना एक ऐसी सैन्य रणनीति है, जिसके चलते दूसरे देश परमाणु संपन्न देश पर हमला करने से बचते हैं। इसका बुनियादी कारण है कि यदि कोई देश शत्रु देश पर परमाणु हमला करता है तो जवाबी

कार्यवाही में उसे भी परमाणु हमले का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा होता है तो देनों देशों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। रूस ने यूक्रेन पर आसानी से इसलिए हमला बोल दिया था, क्योंकि उसके पास परमाणु हथियार नहीं है। रूस और अमेरिका के बहकावे में आकर उसने अपने परमाणु हथियार, परमाणु निरस्त्रीकरण संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद समुद्र में नष्ट कर दिए थे। इसका खामियाजा उसे आज उठाना पड़ रहा है। ईरान परमाणु संपन्न देश न बन जाए, इसलिए उस पर अमेरिका ने लंबे समय से परमाणु संबंधी प्रतिबंध लगाए हुए थे। परंतु बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिका और ईरान के बीच एक परमाणु समझौता हुआ और ईरान से परमाणु प्रतिबंध समाप्त कर दिए गए थे। तब भी इजरायल ने इस समझौते का खुला विरोध किया था। नेतन्याहू ने यहां तक कहा था कि यह संधि एक ऐतिहासिक भूल है। किंतु उस समय इस संधि को ओबामा की बड़ी उपलब्धि बताया गया था। ईरान और इजरायल के बीच तनाव लंबे समय से चला आ रहा है, लेकिन इन देशों ने लंबे समय तक छदम् युद्ध लड़ा है। जब एक अप्रैल 2024 को इजरायल ने सीरिया पर हमला किया था तब ईरान ने इजरायल पर सीधा हमला बोला था। क्योंकि इस लड़ाई में ईरान समर्थित इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड के ब्रिगेडियर जर्नल मोहम्मद रजा जाहेदी समेत 8 अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इस हमले के जवाब में अप्रत्याशित रुख अपनाते हुए लगभग 320 ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। इजराइल से करीब 1800 किमी की दूरी पर स्थित होने के बावजूद ईरान हमला करने में सफल रहा। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद इजरायल से लंबी दुश्मनी के चलते पहली बार यह सैन्य हमला किया था। इस लड़ाई में इजरायल को अमेरिका ने खुली सामरिक मदद की थी। उस संदर्भ में ईरान ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा था कि उसने यदि अब इजरायल की मदद की तो नतीजा भुगतने को तैयार रहे। ईरान ने यह पलटवार इसलिए भी किया था, जिससे मध्य-पूर्व की राजनीति में उसके वर्चस्व की महिमा को स्वीकार लिया जाए। यदि वह जवाबी हमला नहीं बोलता तो इजरायल और अमेरिका के खिलाफ उसकी जो धारणा है, वह ध्वस्त हो जाएगी। दरअसल ईरान इजरायल के अस्तित्व को ही स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि इजरायल ने मुस्लिमों की जमीन पर कब्जा कर रखा है। हालांकि हमले के बाद ईरान ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखकर मामले को यहीं समाप्त करने की गुहार भी लगाई थी। बावजूद ईरान ने चेतावनी दी थी कि यदि इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। यह विरोधाभास भी देखने में आया कि ईरान ने अमेरिका को इजरायल पर सीमित और नियंत्रित हमला करने की जानकारी पहले ही दे दी थी। ईरान के विदेश मंत्री ने ही इस आशय का बयान दिया था। वाकई यह बयान सच था तो यह मान लेने में कोई हर्ज नहीं है कि अमेरिका दोतरफा कुटिल चालें हमेशा ही चलता रहा है। रूस का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते के लिए जो वार्ता चल रही है, वह उसमें सहयोग करेगा।

तीसरे विश्व युद्ध की आशंका

इस युद्ध को लेकर भारत दुविधा में है, क्योंकि पाकिस्तान के विरुद्ध भारत ने जब ऑपरेशन सिंदूर चलाया था तब इजरायल उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा था। इजरायल भारत का रक्षा साझेदार भी है। दूसरी तरफ ईरान से भारत के ऐतिहासिक संबंध हैं। ईरान ने कई अवसरों पर इस्लामिक देशों के संगठन के मंच पर भारत की मदद की है। इसलिए भारत किसी को भी छोड़ना नहीं चाहता। अतः भारत ने दोनों देशों के बीच कूटनीति व शांति बरतने की अपील की है। बहरहाल, इस युद्ध के साथ बड़ी आशंका यह जुड़ गई है कि यह युद्ध तीसरे विश्व युद्ध की ओर न बढ़ जाए।

बढ़ सकती हैं भारत की कूटनीतिक मुश्किलें

दो टूक
डॉ. एन. के. सोमानी
वरिष्ठ पत्रकार

ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकने के लिए ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच इसी रविवार को ओमान में वार्ता होनी थी। वार्ता शुरू होती, इससे पहले ही इजरायल ने ईरान पर हमला करके न केवल क्षेत्र में जंग के हालात उत्पन्न कर दिए हैं, बल्कि वार्ता में बड़ा गतिरोध भी पैदा कर दिया है।

समझौता वार्ता से हटा ईरान

इजरायल की आक्रामक कार्रवाई के बाद ईरान ने आधिकारिक तौर पर वार्ता से हटने का ऐलान कर दिया है। एक टीवी इंटरव्यू में जब राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि क्षेत्र का राजनीतिक और सैन्य तापमान कम करने के लिए क्या किया जा सकता है? जवाब में ट्रंप ने तल्ख लहजे में कहा कि ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता है। ईरान ने भी ट्रंप को कड़े शब्दों में जवाब दिया। रक्षामंत्री अजीज नसीर जादेह ने अमेरिका को स्पष्ट शब्दों में चेता दिया कि यदि हम पर युद्ध थोपा गया तो हम बिना किसी हिचकिचाहट के अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएंगे। इस तरह की तल्ख टिप्पणियों से क्षेत्र में तनाव उत्पन्न होना ही था। अमेरिका ने खतरे को भांपकर अपने नागरिकों को मिडिल ईस्ट छोड़ने को कह दिया। इराक स्थित दूतावास से भी अपने कर्मचारियों को हटाना शुरू कर दिया था। तेल की कीमतें तेजी से बढ़ने लगी। हालात बता रहे थे कि अगर ईरान वार्ता के लिए राजी नहीं होता है, तो मध्यपूर्व जंग की चपेट में आ सकता है। ऐसा ही हुआ। इजरायल भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध कर रहा है। उसका मानना है कि अगर ईरान परमाणु ताकत हासिल कर लेता है तो उसके अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो जाएगा। ईरान ने राष्ट्र के रूप में इजरायल के अस्तित्व को कभी स्वीकार नहीं किया है।

इजरायल का यह भी कहना है कि ईरान के परमाणु संपन्न होने से वह पूरे मिडिल ईस्ट को नियंत्रित करने की स्थिति में आ जाएगा। इसलिए ईरान को परमाणु कार्यक्रम की दिशा में आगे बढ़ने से रोकने के लिए यह हमला जरूरी था। दूसरी ओर, ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जूड़े अधिकारियों का दावा है कि ईरान अपने यूरेनियम भंडार को हथियार निर्माण के स्तर तक परिष्कृत करके परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। इससे पहले ट्रंप भी ईरान को कई बार धमका चुके हैं कि यदि वह समझौते के लिए राजी नहीं होता है तो अमेरिका उसके परमाणु ठिकानों पर हमला कर उसे नष्ट कर देगा। इस बार ईरान ने जिस तरह से अमेरिकी धमकी पर तल्ख प्रतिक्रिया दी, उसके बाद इजरायल ने ईरान पर धावा बोल दिया। सवाल यह है कि इजरायल-ईरान का यह तनाव कहां तक जाएगा। कहीं ऐसा तो नहीं कि यूरेशिया (रूस-यूक्रेन युद्ध) के बाद मिडिल ईस्ट भी लम्बी लड़ाई में उलझ जाए। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के इरादों से तो यही लग रहा है।

नेतन्याहू ने हमले को जायज ठहराते हुए कहा कि हमला इजरायल के अस्तित्व के लिए ईरान के संभावित खतरे को कम करने का एक सैन्य अभियान था। अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता है। साफ है कि हमले आगे भी जारी रह सकते हैं।

दूसरी ओर, यदि ईरान लेबनान, सीरिया, इराक या यमन में अपने सहयोगी समूहों के माध्यम से जवाबी कार्रवाई करता है तो निसंदेह मिडिल ईस्ट लंबे समय तक हिंसा की आग में धधकता रहेगा। एक प्रश्न ओर भी है जो दुनिया को डरा रहा है। ईरान और इजरायल के बीच सीधी जंग शुरू होती है तो दुनिया की सप्लाई चैन का क्या होगा।

वैश्विक व्यापार होगा प्रभावित

ईरान-इजरायल संघर्ष से क्या वैश्विक व्यापार अछूता रहेगा। हमले की स्थिति में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित करने की धमकी दी है। यह दुनिया का एक महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग है। यहां से लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल का परिवहन होता है। यदि ईरान शिपिंग लेन या ऊर्जा अवसंरचना को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई करता है तो तेल की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि हो सकती है। दरअसल, जुलाई 2015 में ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित यूएनएससी के पांचों स्थायी सदस्य (फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, रूस और चीन) और जर्मनी जिन्हें सामूहिक रूप से पी-5 प्लस वन के रूप में जाना जाता है, के बीच एक ऐतिहासिक समझौता हुआ। राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में हुए इस समझौते को अंतरराष्ट्रीय राजनीति में संयुक्त व्यापक कार्ययोजना समझौता (जेसीपीओए) के नाम से जाना जाता है। समझौते के अनुसार ईरान ने अरबों डॉलर के प्रतिबंधों को हटाने के बदले में अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की।

समझौते का समर्थन करने वाले राष्ट्रों का मानना था कि यह ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर नियंत्रण में मदद करेगा और क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों (इजरायल और सउदी अरब) के बीच संघर्ष की संभावनाओं का कम करेगा। शुरू में ऐसा होता हुआ दिखा भी।

यूरेनियम के संवर्धन का अवसर

ईरान की यूरेनियम संवर्धन क्षमताओं में कमी आई और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षणों के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ी। साल 2018 में ट्रंप ने एक तरफा तौर पर समझौते से बाहर निकलने का ऐलान कर दिया। इसके बाद ईरान को यूरेनियम के संवर्धन का अवसर मिल गया और जेसीपीओए में तय सीमा को पार कर लिया। यूएन निरीक्षकों ने 2023 में रिपोर्ट दी थी कि ईरान ने यूरेनियम की मात्रा को लगभग हथियार ग्रेड स्तर तक समृद्ध कर लिया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय चिंताए बढ़ गईं। ईरान फिलहाल 60 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धित कर रहा है जो परमाणु हथियार बनाने की हद के बेहद करीब है। भारत के ईरान और इजरायल दोनों के साथ अच्छे संबंध है। भारत ईरान से जो तेल खरीदता है उसका भुगतान वह भारतीय मुद्रा अर्थात रुपये में करता है।

इससे भारत को विदेशी मुद्रा भंडार बचाने और रुपये को मजबूत करने में मदद मिली है। इसके अलावा, भारत ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार पोर्ट को विकसित कर रहा है। कूटनीतिक दृष्टि से यह पोर्ट भारत के लिए काफी अहम है। इस पोर्ट के विकसित होने के बाद भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया के देशों से व्यापार के लिए नया मार्ग मिल जाएगा। इससे पहले भारत को मध्य एशियाई देशों तक पहुंचने के लिए पाकिस्तान के रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ता था। दूसरी ओर इजरायल के साथ भी भारत के अच्छे संबंध हैं। पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इजरायल ने भारत के रुख का खुलकर समर्थन किया था। ऐसे में अगर दोनों के बीच का तनाव किसी बड़े संघर्ष में बदलता है तो भारत के सामने एक बड़ी चुनौती यह होगी कि वह पश्चिम एशिया में किसके साथ खड़ा हो। कोई भी निर्णय भारत के लिए आसान नहीं रहने वाला है। ऐसे में कोई संदेह नहीं कि आने वाले समय में भारत की कूटनीतिक मुश्किलें बढ़ेंगी ही।

आईएमए में पासिंग ऑउट परेड का आयोजन

भारतीय सेना को मिले 419 जांबाज अधिकारी, रक्षा करने की ली शपथ, 9 देशों के 32 कैडेट्स भी पास

परेड ऐतिहासिक चेटवुड बिल्डिंग के सामने ड्रिल स्क्वायर पर हुई। परेड के बाद पीपिंग और शपथ समारोह आयोजित किया गया। आईएमए में गहन प्रशिक्षण के बाद अब सभी भारतीय कैडेट्स सेना में अधिकारी बन गए हैं और बतौर लेफ्टिनेंट देश की सीमाओं की रक्षा करेंगे।

एजेंसी ▶▶ देहरादून

देहरादून की भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में शनिवार को पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। परेड में 451 कैडेट्स पास आउट हुए, जिसमें 419 भारतीय और 9 मित्र देशों के 32 कैडेट्स शामिल थे। परेड ऐतिहासिक चेटवुड बिल्डिंग के सामने ड्रिल स्क्वायर पर हुई। परेड के बाद पीपिंग और शपथ समारोह आयोजित किया गया।

आईएमए में गहन प्रशिक्षण के बाद अब सभी भारतीय कैडेट्स सेना में अधिकारी बन गए हैं और बतौर लेफ्टिनेंट देश की सीमाओं की रक्षा करेंगे। ये कैडेट 156वें नियमित पाठ्यक्रम और 139वें तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम का हिस्सा थे। पासिंग आउट परेड में कैडेट ने अपना तन, मन और जीवन देश को समर्पित करने की शपथ ली। पासिंग आउट परेड के दौरान कैड्टस का उत्साह और उमंग देखते ही बनता था। परेड के बाद उन पर हेलीकॉप्टर से फूलों की बारिश भी की गई। इस अवसर पर पास आउट होने वाले कैडेट्स के परिजन भी मौजूद रहे।

ये कैडेट 156वें नियमित पाठ्यक्रम और 139वें तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम का हिस्सा थे

एनी नेहरा को स्वॉर्ड ऑफ ऑनर पुरस्कार मिला

लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो ने अधिकारी कैडेटों को पदक प्रदान किए। स्वॉर्ड ऑफ ऑनर का प्रतिष्ठित पुरस्कार अकादमी कैडेट एडजुटेंट एनी नेहरा को प्रदान किया गया। ऑर्डर ऑफ मेरिट

में प्रथम स्थान पर रहने वाले अधिकारी कैडेट का स्वर्ण पदक अकादमी अंडर ऑफिसर रोनित रंजन नायक को प्रदान किया गया। दूसरे स्थान पर रजत पदक अकादमी कैडेट एडजुटेंट एनी नेहरा को प्रदान किया गया। तीसरे स्थान पर कांस्य पदक बटालियन अंडर ऑफिसर अनुराग वर्मा को प्रदान किया गया। टीईएस सिल्वर कपिल, टीजी सिल्वर आकाश भदौरिया को मिला। ऑर्डर ऑफ मेरिट में प्रथम स्थान पर आने वाले ऑफिसर कैडेट का पदक विदेशी ऑफिसर कैडेट निशान बालामी (नेपाल) को प्रदान किया गया। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ बैनर केरन कंपनी को मिला।

आप आईएमए के एंबेसडरः रोड्रिगो

पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि श्रीलंका के सेना प्रमुख लासाथा रोड्रिगो ने अपने संबोधन में कहा कि जो विदेशी कैडेट पास आउट होकर जा रहे हैं, वह एक सैनिक के तौर पर जा रहे हैं। लेकिन वह भारतीय सैन्य अकादमी के एंबेसडर भी हैं। उन्होंने भारतीय सेना के जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि आप बहुत ही अनुशासन के साथ काम करते हैं।

श्रीलंका के सेना प्रमुख ने ली सलामी

इस बार आईएमए की पासिंग आउट परेड की शुरुआत सुबह 6:38 बजे मार्कर्स कॉल के साथ हुई। श्रीलंका के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासंथा रोड्रिगो ने रिव्यूइंग ऑफिसर के रूप में परेड की सलामी ली। 6:42 बजे एडवांस कॉल के साथ कैडेट्स कदमताल करते हुए चैटवुड बिल्डिंग के परेड मैदान में पहुंचे। श्रीलंका के सेना प्रमुख खुद 1990 में भारतीय सैन्य अकादमी के 87वें कोर्स से कमीशन प्राप्त कर चुके हैं। ऐसे में भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में रिव्यूइंग ऑफिसर बनकर आने पर उनकी पुरानी यादें भी ताजा हुईं।

खबर संक्षेप

30 से अधिक भारतीय मूल के पेशेवर सम्मानित होंगे

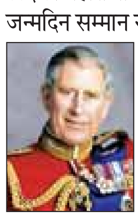

लंदन। महाराजा चार्ल्स तृतीय की जन्मदिन सम्मान सूची 2025 में 30 से अधिक भारतीय मूल के पेशेवरों को शामिल किया गया है, जिनमें लोक सेवा के नायक, स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, कलाकार और शिक्षाविद प्रमुख हैं। सार्वजनिक सेवा में योगदान के लिए लंदन नगर निगम के प्रेम बाबू गोयल, व्यापार और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सेवाओं के लिए अमेजन वेब सर्विसेज की तनुजा रैंडरी और एनएचएस से जुड़े जगतार सिंह को 'कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' से नवाज़ा।

करतारपुर साहिब गलियारा फिर से खोलने की मांग

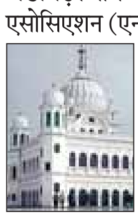

चंडीगढ़। नॉर्थ अमेरिकन पंजाबी एसोसिएशन (एनएपीए) के कार्यकारी निदेशक सतनाम सिंह चहल ने शनिवार को भारत सरकार से करतारपुर साहिब गलियारे को तुरंत फिर से खोलने की अपील की, ताकि भारत के सिख तीर्थयात्री पाकिस्तान के करतारपुर में दरबार साहिब गुरुद्वारे जा सकें, जो सिख धर्म के सबसे पवित्र स्थलों में से एक है। चहल ने कहा कि भारत में गलियारे का हिस्सा बंद होने के कारण देश के लाखों सिख निराश, आध्यात्मिक रूप से कटे हुए हैं।

मणिपुर में युद्ध जैसी तैयारी में लगे थे उग्रवादी

साजिश नाकाम, सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार किए बरामद

खुफिया जानकारी के आधार पर की कार्रवाई

शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात खुफिया सूचना पर आधारित एक समन्वित अभियान के दौरान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और सेना की संयुक्त टीमों ने बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर में हिंसा में अब भले ही कमी आ गई हो लेकिन उग्रवादी संगठन बड़ी साजिश में लगे हुए हैं। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने इंफाल घाटी के पांच जिलों से 300 से अधिक राइफल समेत बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं। एडीजीपी लहरी दोरजी ल्हाटू ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात खुफिया सूचना पर आधारित एक समन्वित अभियान के दौरान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और सेना की संयुक्त टीमों ने बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए।

इस दौरान जब्त की गई वस्तुओं में 151 एसएलआर, 65 इंसास राइफल, 73 अन्य राइफल, 5 कार्बाइन, 2 एमपी5 बंदूक, 12 हल्की मशीन गन, एके सीरीज की 6 राइफल, 2 अमोघ राइफल, एक मोर्टार, 6 पिस्तौल, एक एआर-15 और 2 फ्लेयर बंदूक शामिल हैं। घाटी के विभिन्न जिलों - इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, काकचिंग और थौबल में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद छिपाए जाने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया, जिससे बड़ी मात्रा में बरामदगी हुई।

खास बातें

- इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, काकचिंग, थौबल में की सर्चिंग
- जब्त हथियारों में 300 से अधिक राइफलें, हल्की मशीन गन शामिल

कार्रवाई सुरक्षा की दिशा में अहम कदम

एडीजीपी लहरी दोरजी ल्हाटू ने बताया कि यह तलाशी अभियान पूरी तरह खुफिया जानकारी पर आधारित था। सुरक्षा बलों ने पांच घाटी जिलों के बाहरी इलाकों को निशाना बनाया, जहां से यह खतरनाक हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। इस कार्रवाई में शामिल सभी बलों ने आपसी तालमेल और मेहनत से इस अभियान को कामयाब बनाया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई मणिपुर में शांति और सुरक्षा को यकीनी बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। हमारी टीमें लगातार कोशिश कर रही हैं कि आम लोगों की जान-माल की हिफाजत हो और इलाके में अमन-चैन कायम रहे। हमारी कोशिश है कि मणिपुर के हर नागरिक को सुरक्षित माहौल मिले।

कई गिरफ्तारियां की गईं

वहीं मणिपुर पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को थौबल, काकचिंग, इंफाल पश्चिम और तेंग्नौपाल जिलों से गिरफ्तारियां की गईं। 'यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी ऑफ कांगलीपाक' (यूपीपीके) के एक सदस्य को काकचिंग जिले के लैंगमीडोंग मैनिंग लेइकाई से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध की पहचान अकोईजाम रॉबिन्सन (51) के रूप में हुई है।

तीन रेडियो वाहन सेट भी बरामद

प्रतिबंधित 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (नोयोन) के एक सदस्य को थौबल जिले के थौबल मेला ग्राउंड से गिरफ्तार किया गया, जबकि पीआरईपीएके (प्रो) और पीआरईपीएके के एक-एक सदस्य को तेंग्नौपल जिले के शांगतोंग में भारत-म्यांमा सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया। केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले के लांगोल गेम गांव से गिरफ्तार किया गया। इंफाल पूर्वी जिले के बरुनी हिल के खालोंग में एक अलग अभियान में सुरक्षाबलों ने तीन वाहन रेडियो सेट, 13 रेडियो वायरलेस हैंडहेल्ड सेट, सात वायरलेस सेट एंटीना, एक सोलर चार्जर कन्वर्टर और तीन सोलर प्लेट समेत अन्य सामान बरामद किया।

पीएम मोदी आज से 5 दिन विदेश दौरे पर

साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया में करेंगे द्विपक्षीय बैठकें व चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी साइप्रस गणराज्य के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के निमंत्रण पर 15 से 16 जून को साइप्रस की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह दो दशकों में किसी भारतीय पीएम की पहली साइप्रस यात्रा होगी। राजधानी निकोसिया में पीएम मोदी राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस से बातचीत करेंगे और लिमासोल में व्यापार जगत के नेताओं को संबोधित करेंगे।

■ कनाडा के पीएम कार्नी के निमंत्रण पर जी-7 शिखर सम्मेलन में करेंगे भागीदारी

अपनी यात्रा के दूसरे चरण में, कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के निमंत्रण पर, पीएम जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 16-17 जून को कनाडा के कनानास्किस की यात्रा करेंगे। यह जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम की लगातार छठी भागीदारी होगी। वहीं, 18 जून को पीएम मोदी क्रोएशिया की यात्रा करेंगे। यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने तथा भूमध्यसागरीय क्षेत्र और यूरोपीय संघ के साथ भारत के जुड़ाव को मजबूत करने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगी।

18 जून को पीएम मोदी क्रोएशिया रहेंगे

इसके बाद अपने दौरे के अंतिम चरण में, क्रोएशिया गणराज्य के पीएम आंद्रेज प्लेंकोविच के निमंत्रण पर, पीएम मोदी 18 जून को क्रोएशिया की आधिकारिक यात्रा करेंगे। पीएम मोदी पीएम प्लेंकोविच के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे और क्रोएशिया के राष्ट्रपति ज़ोरान मिलानोविच से भी मिलेंगे। क्रोएशिया की यात्रा यूरोपीय संघ में भागीदारों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह किसी भारतीय पीएम की क्रोएशिया की पहली यात्रा होगी, जो द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

16 से 17 जून को रहेंगे कनाडा में

मंत्रालय के अनुसार, कनाडा में शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी जी-7 देशों के नेताओं, अन्य आमंत्रित आउटरीच देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के साथ महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे, जिनमें ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार, विशेष रूप से एआई-ऊर्जा संबंध और क्वांटम-संबंधी मुद्दे शामिल होंगे। इसके अलावा पीएम शिखर सम्मेलन के दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह बोले

'ऑपरेशन सिंदूर' वायुसेना के पराक्रम का शानदार उदाहरण

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शनिवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद शुरू किया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का शानदार उदाहरण है। इस अभियान ने दुश्मन पर त्वरित, सटीक और निर्णायक प्रहार करने की भारतीय वायुसेना की क्षमता को प्रदर्शित किया।

यहां डुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने सशस्त्र बलों के बीच असाधारण समन्वय और एकीकरण को प्रदर्शित किया है। उन्होंने युवा अधिकारियों से आह्वान किया कि वे सेवा में आगे बढ़ने के साथ-साथ एकजुटता की भावना को आगे बढ़ाएं।

श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सम्मानित

उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदर्शन के आधार पर फ्लाइंग ब्रांच के फ्लाइंग ऑफिसर रोहन कृष्णमूर्ति को प्रेसिडेंट्स प्लाक और वायुसेना प्रमुख की तलवार से नवाजा गया। ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने पर फ्लाइंग ऑफिसर निष्ठा वैद को प्रेसिडेंट्स प्लाक प्रदान किया गया। समारोह में 'आकाश गंगा' टीम की छलांग, 'एयर वॉरियर ड्रिल टीम' का दमदार प्रदर्शन और 'सूर्यकिरण' एरोबैटिक टीम की रोमांचक उड़ानों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रशिक्षु विमान जैसे पिलाटस पीसी-7 एमके टू, हॉक, किरण और चेतक द्वारा किए गए समन्वित फ्लाई पास्ट ने समारोह की भव्यता बढ़ा दी।

254 फ्लाइट कैडेट्स ने वर्दी पहनकर बढ़ाया देश का मान

भारतीय वायुसेना अकादमी में 14 जून 2025 को आयोजित कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड (सीजीपी) में उड़ान और ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच के 254 कैडेट्स ने कमीशन प्राप्त कर वायुसेना में बतौर अधिकारी शामिल होने की शुरुआत की। समारोह की समीक्षा वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने की, जिन्होंने नए अफसरों को राष्ट्रपति का कमीशन प्रदान किया। इस विशेष मौके पर भारतीय नौसेना के 9 अधिकारी, कोस्ट गार्ड के 7 अधिकारी और एक मित्र देश के कैडेट को भी फ्लाइंग ट्रेनिंग पूर्ण करने पर 'विंग्स' प्रदान किए गए।

चार धाम यात्राः 42 लाख का पंजीकरण

45 दिन में 28 लाख लोगों ने किए दर्शन, 10 लाख पहुंचे केदारनाथ

एजेंसी ▶▶ देहरादून

इस बार चारधाम यात्रा की शुरूआत 30 अप्रैल से हुई और यह 6 नवंबर तक चलेगी। मौसम की चुनौतियों के बाद भी चारों धामों व हेमकुंड साहिब में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ है। पर्यटन विभाग के अनुसार केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री धाम की यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है। एक दिन 28 हजार तक ऑफलाइन पंजीकरण हो रहे हैं। चारधाम यात्रा पंजीकरण के नोडल अधिकारी योगेंद्र गंगवार का कहना है कि चारधाम यात्रा

सुचारू रूप से चल रही है। अब तक 42 लाख यात्रियों ने पंजीकरण कराया है। इनमें से करीब 28 लाख से अधिक दर्शन कर चुके हैं। केदारनाथ धाम के 10 लाख श्रद्धालुओं ने, बदरीनाथ धाम के 7.80 लाख, गंगोत्री धाम के 4.53 लाख, यमुनोत्री धाम के 4.50 लाख और हेमकुंड साहिब के 95,700 लोगों ने दर्शन किए।

सुंदरगढ़ में आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ कर्मी की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा-झारखंड सीमा पर शनिवार सुबह नक्सल रोधी अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के रहने वाले एवं सीआरपीएफ की 134वीं बटालियन के एएसआई सत्यवान कुमार सिंह (34) उस टीम का हिस्सा थे, जो माओवादियों द्वारा लूटे गए विस्फोटकों को बरामद करने के लिए सारंडा जंगल में तलाश अभियान चला रही थी। आईईडी में विस्फोट राउरकेला के निकट बलंग गांव के पास सुबह करीब छह बजे हुआ, जब सीआरपीएफ और ओडिशा पुलिस के विशेष अभियान दल (एसओजी) की एक संयुक्त टीम इलाके में तलाश अभियान चला रही थी। विस्फोट में एएसाआई सत्यवान के पैर में गंभीर चोट लगी, जिसके बाद उन्हें राउरकेला के एक अस्पताल ले जा गया जहां उनकी मृत्यु हो गई।

छग में सीआरपीएफ शिविर पर हमले का मामला

17 आरोपियों के खिलाफ एनआईए ने किया आरोप पत्र दाखिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 2024 में छत्तीसगढ़ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के उग्रवादियों द्वारा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिविर पर हमला किए जाने के मामले में 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया है, उनमें से 16 फरार हैं और गिरफ्तार आरोपी की पहचान सोदी बामन उर्फ देवल के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि फरार आरोपियों में भाकपा (माओवादी) के दो-दो सदस्य, पीएलजीए बटालियन नंबर 1, भाकपा (माओवादी) के अन्य शीर्ष कैडर शामिल हैं।

विभिन्न धाराओं के तहत आरोप

पीजीएलए, भाकपा (माओवादी) की सशस्त्र शाखा है। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में एनआईए की विशेष अदालत के समक्ष दाखिल आरोपपत्र में सभी आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और विधि विरुद्ध क्रिया-कलाप (निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं।

स्पेसएक्स ने अपने स्टारलिंक इंटरनेट नेटवर्क को और अधिक मजबूत किया

स्टारलिंक नेटवर्क से दुनिया के कई देशों को हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा मिली

लॉन्च किए 26 नए स्टारलिंक सैटेलाइट सक्रिय सैटेलाइट की संख्या 7,600 पहुंची

छोटी सैटेलाइट डिश और मोबाइल फोन भी रीयल-टाइम इंटरनेट से जुड़ रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्पेसएक्स ने अपने स्टारलिंक इंटरनेट नेटवर्क को और अधिक मजबूत करते हुए गुरुवार रात (12 जून) को 26 नए सैटेलाइट्स को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। ये लॉन्च कैलिफोर्निया के वैंडनबर्ग स्पेस फोर्स बेस के लॉन्च कॉम्प्लेक्स 4 ईस्ट (एसएलसी-4ई) से भारतीय समयानुसार 13 जून को सुबह 6:24 बजे किया गया। ये सभी सैटेलाइट लगभग एक घंटे एक मिनट के भीतर रॉकेट के सेकेंड स्टेज से ऑर्बिट में तैनात कर दिए गए।

वैश्विक इंटरनेट कवरेज का विस्तार

स्टारलिंक नेटवर्क का उद्देश्य दुनिया भर में हाई-स्पीड इंटरनेट सुविधा प्रदान करना है, खासकर दूरदराज के क्षेत्रों में। हाल ही में इसके कुछ सैटेलाइट सीधे मोबाइल फोन को टेक्स्टिंग और सीमित डेटा कनेक्शन की सेवा भी देने लगे हैं, जो चुनिंदा नेटवर्क प्रदाताओं और स्मार्टफोनों के साथ काम करते हैं। एलन मस्क की स्पेसएक्स लगातार अधिक सैटेलाइट्स लॉन्च कर नेटवर्क की कवरेज और भरोसेमंद सेवा को बढ़ा रही है। इससे छोटी सैटेलाइट डिश और मोबाइल फोन भी दर्जनों देशों में रीयल-टाइम इंटरनेट से जुड़ पा रहे हैं।

15वीं बार उपयोग हुआ फाल्कन 9 बूस्टर

इस मिशन में स्पेसएक्स ने अपने पहले चरण के बूस्टर बी1081 का उपयोग किया, जो पहले ही 14 बार उड़ान भर चुका था। यह बूस्टर सफलतापूर्वक एक ड्रोनशिप पर प्रशांत महासागर में उतर गया, जो दक्षिणी कैलिफोर्निया के तट से दूर तैनात था। फाल्कन 9 बूस्टर्स को बार-बार उड़ाने में स्पेसएक्स का रिकॉर्ड अब 28 बार तक पहुंच चुका है, जिससे उसकी लॉन्च दक्षता का भी प्रमाण मिलता है। यह मिशन फाल्कन 9 की 72वीं लॉन्च थी, जिनमें से 53 केवल स्टारलिंक मिशनों के लिए थीं।

भविष्य की तकनीकों की नींवः स्पेसएक्स न केवल इंटरनेट पहुंच का विस्तार कर रही है, बल्कि अगली पीढ़ी की सेवाओं की भी आधारशिला रख रही है, जैसे फ्लाइट के दौरान इंटरनेट और आपातकालीन संचार समाधान।

प्रत्येक जिले में होगी प्रशिक्षित 'सर्प मित्र' व 'स्नेक-कैचर्स' की तैनाती, पर्यटन स्थलों पर सर्प अधिकता क्षेत्रों को चिह्नित करने और चेतावनी बोर्ड लगाने का भी प्रावधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सर्पदंश के मामलों को गंभीरता से लेते हुए इसे स्थानीय आपदा घोषित किया है। पिछले वर्ष सर्प-दंश से 2,500 से अधिक मौत हुई थी, जिससे व्यापक जनहानि हुई थी। बारिश के मौसम में बढ़ने वाली इन घटनाओं की रोकथाम के लिए एक बहुआयामी रणनीति तैयार की है, जिसमें जनजागरूकता, आपातकालीन सेवाओं का सुदृढ़ीकरण और निवारण संबंधी उपाय शामिल किए गए हैं।

इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत और शहरी वार्ड स्तर पर स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोशल मीडिया, रेडियो, होर्डिंग्स और प्रिंट मीडिया के जरिए सर्पदंश से बचाव और प्राथमिक उपचार की जानकारी प्रसारित की जाएगी। स्कूलों और कॉलेजों में विशेष सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों को इस खतरे और उससे बचाव के उपायों के बारे में शिक्षित किया जाएगा।

पिछले वर्ष सर्पदंश से हुईं थी 2,500 से अधिक मौत

निवारक उपायों पर सामुदायिक भागीदारी

जनजागरूकता गतिविधि में ग्रामीणों को खेतों और जंगलों में काम करते समय मोटे जूते और दस्ताने पहनने की सलाह दी जाएगी। घरों के आसपास सफाई रखने, झाड़ियों को काटने और कूड़े के उचित निपटान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पशुपालकों को पशुशालाओं के आसपास बाड़ लगाने और पर्याप्त रोशनी का प्रबंध करने की सलाह दी गई है। पर्यटन स्थलों पर सर्प अधिकता क्षेत्रों को चिह्नित करने और चेतावनी बोर्ड लगाने का भी प्रावधान किया गया है।

आपातकालीन सेवाओं को मजबूत बनाने की पहल

प्रत्येक जिले में प्रशिक्षित 'सर्प मित्र' और 'स्नेक-कैचर्स' की तैनाती की जाएगी, जिनके हेल्पलाइन नंबर जनता को उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी सरकारी अस्पतालों में एंटी-वेनम (विषनाशक दवा) का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाएगा। पीड़ितों को निकटतम चिकित्सा केन्द्र तक पहुंचाने की व्यवस्था को और सुचारू बनाया जाएगा, ताकि आपात स्थिति में त्वरित सहायता मिल सके।

झाड़-फूंक की बजाए डॉक्टर के पास जाएं

राज्य सरकार ने इस अभियान के लिए प्रत्येक जिले को 23.17 लाख रुपए आवंटित किए हैं। बजट का उपयोग प्रशिक्षण, मॉक ड्रिल और जनजागरूकता कार्यक्रमों में किया जाएगा। जनता से अपील की गई है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या देसी उपचार की बजाय तुरंत निकटतम अस्पताल पहुंचें, क्योंकि पहला एक घंटा 'गोल्डन आवर' यानि जीवनरक्षक होता है। साथ ही, सांपों को मारने के बजाय उन्हें दूर भगाने के उपाय पर जोर दिया है।

जनसंपर्क विभाग के प्रचार-प्रसार की कार्यप्रणाली सीखी

गुजरात को बेहद पसंद आया मप्र का जनसंपर्क मॉडल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गुजरात जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों के दल ने हाल ही में राजधानी भोपाल का दौरा किया और मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग के प्रचार-प्रसार की कार्यप्रणाली की बारीकियां सीखीं। उन्हें मध्यप्रदेश का जनसंपर्क मॉडल बेहद पसंद आया है। टीम ने सरकारी समाचार वेबसाइट, सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अन्य प्रचार माध्यमों की कार्यप्रणाली को समझा। अधिकारियों की खासतौर पर सोशल मीडिया प्रक्रिया में दिलचस्पी रही। उन्होंने यहां के अधिकारियों से समझा कि पोस्ट करने से पहले किस तरह कंटेंट तैयार किया जाता है। डिजाइनिंग, शब्द चयन और पोस्ट करने से पहले किन पाइंट पर विचार किया जाता है।

शासकीय समाचार वेबसाइट, सोशल मीडिया का कामकाज देखा

टीम को समझाई प्रक्रिया

गुजरात के अधिकारियों को मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों ने पूरी प्रक्रिया समझाई। टीम ने सीखा कि सरकारी आयोजनों से पहले और बाद में कैसी तैयारियां, सावधानियां रखी जाती हैं। अधिकारियों ने माना कि मध्यप्रदेश में सरकारी योजनाओं के प्रचार का तरीका अद्भुत है। किस तरह एक जटिल योजना को आम जनता की समझ के मुताबिक सरल और प्रभावी बनाया जाता है, यह यहां सीखने को मिला। उन्होंने कहा कि मप्र जनसंपर्क की कार्यशैली बताती है कि कोई सूचना छोटी या बड़ी नहीं होती, हर जानकारी में कुछ गंभीर बातें छिपी होती हैं। यही बात इस विभाग को खास बनाती है।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री ने नरसिंहपुर में श्रमिकों की मृत्यु पर किया दुःख व्यक्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा में हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आए 3 श्रमिकों की मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हृदय विदारक घटना में घायल तीन अन्य श्रमिकों के समुचित उपचार के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। यह दुर्घटना शुक्रवार को एक मैरिज गार्डन में हुई। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में दिवंगत व्यक्तियों के परिजन को दो-दो लाख रुपए और घायल श्रमिकों के समुचित उपचार के लिए 50- 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

- मृतकों के परिजन को 2-2 लाख एवं घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता

स्वास्थ्य आयुक्त तक पहुंची वेतन भुगतान में भ्रष्टाचार की शिकायत

भोपाल। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत सपोर्ट कर्मचारियों के वेतन भुगतान में हुए भ्रष्टाचार की शिकायत स्वास्थ्य आयुक्त तरुण राठी से की गई। मप्र संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष कोमल सिंह ने स्वास्थ्य आयुक्त को सौंपे शिकायती आवेदन में बताया कि एनएचएम ने सभी सीएमएचओ को निर्देश दिए थे कि आउटसोर्स एंजेसी द्वारा पदस्थ सपोर्ट कर्मचारियों को अर्ध कुशल श्रमिक दर 13 हजार 121 रुपए से भुगतान करें। बावजूद इसके सागर सीएमएचओ द्वारा वेतन भुगतान में गड़बड़ी कर सपोर्ट कर्मचारियों को सिर्फ पांच हजार 500 रुपए वेतन दिया जा रहा है।

कोलार के रिकॉर्ड रूम में बिखरी मिली फाइलें, कलेक्टर हुए नाराज

भोपाल। कोलार तहसील में सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा सहित लंबित पड़े सभी प्रकरणों का समय पर निपटाया जाए। यह बात शुक्रवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कोलार तहसील के निरीक्षण के दौरान कही। कलेक्टर जब तहसील के रिकार्ड रूम में पहुंचे, तो वहां रिकार्ड की फाइलें बिखरी पड़ी थीं, जिसको लेकर उन्होंने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि कुछ दिन बाद ही तहसील कार्यालय को नए भवन में शिफ्ट किया जाना है, रिकॉर्ड रूप को व्यवस्थित कराया जाए।

कानून व्यवस्था नियंत्रण के लिए ड्रोन का उपयोग बढ़ाने विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाए: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्य प्रदेश में आमजन की सुविधा के लिए यूनिफाइड पोर्टल सिस्टम की होगी शुरुआत

सिंहस्थ-2028 के लिए तैयार किया जाएगा सॉफ्टवेयर और एप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आमजन को सुविधाएं उपलब्ध कराने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ आमजन को आसानी से दिलाने के लिए यूनिफाइड पोर्टल सिस्टम तैयार किया जाए। जिसमें विभिन्न विभागों की सेवाएं एक साथ जोड़कर, आमजन को एक ही स्थान पर लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

यूनिफाइड पोर्टल को विभिन्न विभागों की 1700 सेवाओं को जोड़कर लांच किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास (समत्व भवन) में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभागों की जानकारी आमजन को आसानी से मिल सके, इसके लिए जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। जनता को विभिन्न कार्यक्रमों और अभियानों की जानकारी देने के उद्देश्य से होर्डिंग्स लगाए जाएं।

1. *आईटी पार्कों की संख्या में वृद्धि कर पीपीपी मॉडल पर करें विकसित*
2. *शहरी यातायात प्रबंधन के लिए ड्रोन का उपयोग सुनिश्चित किया जाए: सीएम*

प्रभावी संचालन में नवीन प्रौद्योगिकी की मदद ली जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में सिंहस्थ-2028 में विभिन्न तकनीकी कार्यों एवं व्यवस्थाओं के प्रभावी संचालन में नवीन प्रौद्योगिकी की मदद ली जाए। इसे सुनिश्चित करने के लिए एमपीएसइडीसी सॉफ्टवेयर, एप तैयार करें और नगरीय विकास एवं आवास विभाग को भी निर्देशित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नवीन ड्रोन नीति तैयार कर इसे लागू किया है। प्रदेश में कानून और व्यवस्था नियंत्रण के लिए ड्रोन का उपयोग बढ़ाने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाई जाए। इसके साथ ही शहरी यातायात प्रबंधन के लिए भी ड्रोन का उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

21 को उज्जैन के डोंगला में होगी राष्ट्रीय कार्यशाला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) को उज्जैन में 'खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन होगा। मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद एवं अन्य सहयोगियों की ओर से यह कार्यशाला डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में की जाएगी। इस अवसर पर योग शिविर, शून्य छाया अवलोकन, साइंस शो, स्टेम वर्कशॉप, व्याख्यान एवं परिचर्चा जैसी गतिविधियां होंगी।

साइबर अटैक की घटनाएं रोकने करें प्रभावी कार्रवाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि साइबर अटैक की घटनाएं रोकने एवं उनके प्रभावी निष्पादन के लिए मप्र कंप्यूटर इमरजेंसी टीम का गठन किया जाए और शासकीय विभागों में मुख्य सुरक्षा अधिकारी तैनात किए जाएं। विभागों के सभी आईटी प्रोजेक्ट, वेबसाइट, एप्स का सिक्योरिटी ऑडिट किया जाए, जिसमें सिस्टम के सुरक्षा मानक, डेटा प्रबंधन और प्रोजेक्ट्स की कार्यक्षमता का मूल्यांकन सुनिश्चित हो, जिससे समय रहते किसी भी संभावित जोखिम की पहचान एवं बचाव के उपाय किए जा सकें। म

मध्यप्रदेश में जल्द ही बनेगी स्पेस टेक नीति

अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने कहा कि राज्य की स्पेस टेक नीति तैयार करने के लिए स्टेक होल्डर्स को भी कंसल्ट किया गया है। शीघ्र ही राज्य की स्पेस टेक नीति तैयार की जाएगी। एमपी-सर्ट की ओर से विभिन्न विभागों का साइबर सुरक्षा के संबंध में प्रशिक्षण कराया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। डेटा सेंटर के विकास, एवीजीसी लैब, इनक्यूबेशन सेंटर्स की स्थापना, आईटी स्टार्टअप्स, ईएसडीएम पार्क की स्थापना,

ड्रोन के जरिए सर्वेक्षण एवं निगरानी का जोनल

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि ड्रोन द्वारा सर्वेक्षण एवं निगरानी प्लान को जोनल प्लान बनाकर योजनाबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा के लिए गृह विभाग के साइबर एक्सपर्ट्स से भी इनपुट लिए जाएं। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ 2028 के टेक्निकल सपोर्ट का प्लान नगरीय आवास एवं सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग मिलकर तैयार करें।

संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को लंबित मांगों से कराया अवगत

मुख्यमंत्री ने किया 'मध्यप्रदेश वित्त व्यवस्था' पुस्तक का विमोचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वित्त सेवा संघ द्वारा संकलित की गई पुस्तक 'मध्यप्रदेश वित्त व्यवस्था' 2025-26 का विमोचन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित विमोचन समारोह में वित्त सेवा संघ के पदाधिकारी शामिल हुए।

संघ के अध्यक्ष रणजीत सिंह चौहान ने पुस्तक 'मध्यप्रदेश वित्त व्यवस्था' की उपयोगिता से मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए बताया कि यह पुस्तक मध्यप्रदेश के समस्त पांच लाख कर्मचारी-अधिकारी के लिए उनके दैनिक शासकीय कामकाज में बहुत उपयोगी साबित होगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पुस्तक 'मध्यप्रदेश वित्त व्यवस्था' की प्रशंसा करते हुए संघ के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अपनी लंबित मांगों से अवगत कराकर उनके निकाकरण की मांग की। संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अपनी मांगों का एक ज्ञापन भी सौंपा। मुख्यमंत्री ने वित्त संघ के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि वह विभाग के मंत्री से चर्चा कर मांगों का निराकरण करेंगे।

पति-पत्नी का इलाज जारी, मासूम बच्चों की मौत

एक ही परिवार के पांच लोगों ने खाया जहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

एक ही परिवार के पांच लोगों ने जहर खाकर आत्महत्या की कोशिश की। यह पूरा मामला परतापुर थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है जहां जहर खाने वालों में तीन बच्चों की मौत हो गई जबकि माता-पिता का इलाज जारी है। कांकेर के परतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चन्दनपुर के पीव्ही-70 शांतिनगर में एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने जहर खाकर आत्महत्या की कोशिश की।

जानकारी के मुताबिक, एक ही परिवार में 3 बच्चों के साथ माता पिता ने जहर खाया। तीनों बच्चों की मौत हो गई, जानकारी के मुताबिक, मरने वाले बच्चों में वर्षा बैरागी (11 वर्ष), दीप्ति बैरागी (7 वर्ष), देवराज बैरागी (5 वर्ष) शामिल है। वहीं ग्रामीणों की माने तो पति-पत्नी में आये दिन विवाद होता था। शुक्रवार की रात को भी दोनों में विवाद हुआ था। घटना स्थल पर कमरे में खाना परोसा

हुआ मिला जिससे स्पष्ट है कि दंपति ने अपने तीनों बच्चों के साथ खाना खाया और इसी खाने में जहर मिलाया गया। देर रात जब ग्रामीणों को सूचना मिली तो ग्रामीणों ने दंपति को पखांजूर सिविल अस्पताल पहुंचाया लेकिन तीनों बच्चों को वहीं छोड़ दिया गया। जिन्हें सुबह डॉक्टर मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों का कहना हैं कि जब तक ग्रामीण उनके घर पहुंचे तब तक तीनों बच्चों की मौत हो चुकी थी और सबके मुँह से झाग निकल रहा था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

डामर फैक्ट्री में लगी भीषण आग, कोई जनहानि नहीं

रायपुर। वेस्टर्न तार प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड नामक डामर फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलन पर पहंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। पूरा मामला उरला थाना क्षेत्र स्थित बोरझरा का है। मिली जानकारी के अनुसार, वेस्टर्न तार प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड नामक डामर फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भयानक रूप ले लिया। आग की लपटें दूर तक देखी गईं। धुएं का घना गुबार फैल गया। घटना की सूचना मिलने पर दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची, जो आग पर काबू पा लिया। अब तक आग लगने की असल वजह सामने नहीं आई है। आशंका है कि शार्ट सर्किट की वजह से आगजनी हुई होगी है। वहाँ पर मौजूद ज्वलनशील पदार्थों के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप लिया। हालांकि किसी को कोई जनहानि नहीं हुई है। सूचना पर उरला थाना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर घटना स्थल पहुंचे। घटना की जांच की जा रही है।

एक बड़ा गोदाम और तीन ट्रकों को किया गया सील

अवैध रूप से भंडारित 31 लाख की खाद जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोंडागांव

केशकाल अनुविभाग अंतर्गत ग्राम गमरी में अवैध रूप से भंडारित रासायनिक खाद के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 12,700 बोरी यूरिया खाद जब्त किया है। यह कार्रवाई शुक्रवार देर रात की गई, जिसमें प्रशासन, बाँसकोट पुलिस एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम शामिल रही। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देश पर केशकाल एसडीएम अंकित चौहान के नेतृत्व में की गई इस छापेमार कार्रवाई में गमरी स्थित संतोष खाद एवं वस्तु भंडार से बिना वैध दस्तावेज के भंडारित यूरिया खाद को जब्त किया गया। कार्यवाही के दौरान एक बड़े गोदाम और तीन ट्रकों को सील किया गया है। जब्त की गई खाद की बाजार कीमत लगभग 31 लाख रुपए आंकी गई है। प्रशासन को संदेहास्पद भंडारण की सूचना मिलने के बाद यह संयुक्त छापा तीन अलग-अलग स्थानों पर मारा गया, जिसमें सबसे बड़ा जखीरा ग्राम गमरी से बरामद हुआ।

लगातार कार्रवाई होगी

अधिकारियों ने मौके पर मौजूद लोगों से दस्तावेज मांगने पर संतोषजनक जवाब न मिलने के कारण खाद को जप्त कर लिया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। एसडीएम अंकित चौहान ने बताया कि इस तरह की अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार निगरानी रखी जा रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ग्राम गमरी में हुई इस बड़ी कार्रवाई से अवैध व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे अधिकृत विक्रेताओं से ही खाद खरीदें।

जेल में बंद कैदी की मौत, हंगामा

बलौदा बाजार। जेल में बंद एक कैदी की इलाज के दौरान मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों में आक्रोश फैल गया। मृतक की पहचान उमेंद्र बघेल (34) निवासी ग्राम खैरी थाना पलारी के रूप में हुई है। उसे पलारी पुलिस द्वारा आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार कर चार दिन पहले उपजेल बलौदाबाजार में दाखिल किया गया था। जानकारी के अनुसार, जेल में दाखिल होने के तीसरे दिन उमेंद्र की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे बलौदाबाजार जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शनिवार शाम लगभग 4 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि तीन दिनों से पति की हालत नाजुक थी, फिर भी अस्पताल में भर्ती होने की सूचना उन्हें नहीं दी गई। जब सूचना दी गई, तब तक उमेंद्र की मौत हो चुकी थी।

मोबाइल फोन, फर्जी पासपोर्ट, मार्कशीट, आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज आरोपियों के कब्जे से बरामद

16 सालों से अवैध ढंग से रह रहे बांग्लादेशी दंपति पकड़ाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पिछले 16 साल से अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशी दंपति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी धरमनगर स्थित किराये के मकान में रह रहे थे। आरोपियों ने फर्जी मार्कशीट, फर्जी पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज बना रखे थे। मामला टिकरापारा क्षेत्र का है।

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना टिकरापारा पुलिस ने मामले में कार्रवाई की है। पुलिस अन्य लोगों से आरोपियों के संबंध में जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस ने पत्रकारवार्ता में बताया कि आरोपी दिलावर खान ठेला 16 वर्षों से रायपुर में अवैध तरीक से रह रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, फर्जी पासपोर्ट, मार्कशीट, आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज जब्त किये हैं। आरोपियों के विरूद्ध थाना टिकरापारा में अपराध क्रमांक 437/25 धारा 112, 318(4), 319(2), 336(3), 3(5) बी.एन.एस. तथा भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 की धारा 12 (बी), पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920 की धारा 3, विदेशियों विषयक अधिनियम 1946 की धारा 14 के तहत केस दर्ज किया गया है।

चार बार बांगलादेश भी आया-गया

इसके साथ ही उसके फोन में बांग्लादेश के अन्य कई मोबाइल नंबर भी अलग-अलग नामों से सेव थे। वह चार बार भारत से बांग्लादेश आना-जाना किया। वह लगभग 15 वर्ष पूर्व भारत-बांग्लादेश का बार्डर बनगांव के रास्ते अकेले भारत आया। भारत आकर रायपुर में रहने लगा और लगभग 1-2 वर्ष बाद वह अपनी पत्नी परवीन बेगम व एक वर्षीय पुत्री को भी भारत ले आया और उन दोनों का भी भारत गणराज्य परवीन बेगम व अपनी पुत्री का पासपोर्ट बनवाया। रायपुर में रहने के दौरान अण्डा ठेला चलाता था और ठेला में आने वाले ग्राहक के माध्यम से पासपोर्ट और दस्तावेज तैयार करवाया।

पहचान छिपाकर रहने की थी सूचना

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम को सूचना मिली थी कि बांग्लादेश निवासी कुछ व्यक्ति अपना पहचान छुपाते हुए भारत आकर रायपुर के टिकरापारा के धरमनगर में अवैध रुप से रह रहे थे। पुलिस ने मुखबिर के बताये हुलिये के आधार पर आरोपी दंपती को पकड़ा। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम मोह. दिलावर पिता स्व. मोहम्मद सलीम उम्र 49 साल निवासी ग्राम मुख्तारपुर थाना मुंशीगंज जिला मुंशीगंज (बांग्लादेश) हाल पता धरम नगर पचपेडी नाका थाना टिकरापारा रायपुर होना बताया। आरोपी ने भारत सरकार की ओर से जारी पासपोर्ट पेश किया। कक्षा आठवीं की फर्जी मार्कशीट बनवाई गई है। उसका मोबाइल फोन जिसमें एयरटेल कंपनी की सिम है, जिसको चेक करने पर एक मोबाइल नंबर पर बातचीत है, जो बांग्लादेश का मोबाइल नंबर होने के साथ ही उसकी बड़ी बहन का नंबर है।